वर्ष 69 अंक 232 पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 21 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 05, विक्रम संवत् 2083
महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

दुनिया में कुछ चीजें सकारात्मक प्रेरणा से ज्यादा शक्तिशाली होती हैं। जैसे- एक मुस्कान और मुश्किल समय में किसी का यह कहना- 'तुम यह कर सकते हो।'
– रिचर्ड एम. डेवोस

ईरान जंग में अमेरिका के 42 एयरक्राफ्ट तबाह, खर्च 29 अरब डॉलर

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' की कीमत अब बेहद भारी साबित हो रही है। अमेरिकी संसद की रिसर्च एजेंसी कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की रिपोर्ट के मुताबिक, 28 फरवरी को शुरू हुए इस ऑपरेशन में अमेरिका के कम से कम 42 सैन्य विमान या तो नष्ट हो गए या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि वास्तविक नुकसान का आंकड़ा बढ़ सकता है, क्योंकि कई जानकारियां अब भी गोपनीय हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के कार्यवाहक नियंत्रक जूल्स डब्ल्यू. हर्स्ट ने प्रतिनिधि सभा की बैठक में बताया कि ईरान में सैन्य अभियानों की अनुमानित लागत बढ़कर 29 अरब डॉलर तक पहुंच गई है।

ये 42 फाइटर जेट्स तबाह

- 4 एफ-15ई स्ट्राइक ईगल फाइटर जेट
- 1 एफ-35ए लाइटनिंग-2 फाइटर जेट
- 1 ए-10 थंडरबोल्ट-2 हमला जेट
- 7 केसी-135 स्ट्रैटोटैंकर एयर रिफ्यूलिंग प्लेन
- 1 ई-3 सेंट्री अवाक्स प्लेन
- 2 एमसी-130जे कमांडो-2 स्पेशल ऑपरेशन प्लेन
- 1 एचएच -60 डब्ल्यू जॉली ग्रीन-2 हेलीकॉप्टर
- 24 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन

उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी की बड़ी वजह क्षतिग्रस्त सैन्य उपकरणों की मरम्मत और नए उपकरणों की खरीद का संशोधित अनुमान है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह संघर्ष लंबा चला तो अमेरिका पर आर्थिक बोझ और बढ़ सकता है। इसमें मिसाइल भंडार को दोबारा भरना, नष्ट हुए विमानों को बदलना और लगातार नौसैनिक व हवाई अभियान चलाना सबसे महंगा साबित होगा।

अमेरिकी संसद में ईरान युद्ध रोकने का प्रस्ताव पास

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका में ईरान को लेकर जारी तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव अमेरिकी संसद के सीनेट में पास हो गया है। इस प्रस्ताव के समर्थन में 50 वोट पड़े, जबकि 47 सांसदों ने विरोध किया। खास बात यह रही कि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के चार सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स का साथ देते हुए राष्ट्रपति के खिलाफ वोटिंग की। हालांकि तीन रिपब्लिकन सांसद मतदान में शामिल नहीं हुए। यह प्रस्ताव अभी कानून नहीं बना है। इसे आगे हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से भी मंजूरी लेनी होगी, जहां रिपब्लिकन का बहुमत है। इसके बाद भी राष्ट्रपति ट्रंप के पास इसे वीटो करने का अधिकार रहेगा। अगर ट्रंप वीटो करते हैं, तो उसे पलटने के लिए सीनेट और हाउस दोनों में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी, जिसे हासिल करना फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है। इस प्रस्ताव का उद्देश्य ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को सीमित करना है। अगर यह कानून बनता है, तो ट्रम्प प्रशासन को ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने या नई सैन्य कार्रवाई करने से पहले अमेरिकी संसद की मंजूरी लेनी होगी।

एमएस धोनी ने चेपॉक को अलविदा किया!

ऑफ बीट

घोड़े पर जनगणना करने निकले शिक्षक

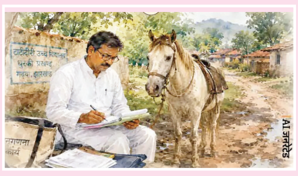

झारखंड के गढ़वा जिले में एक सरकारी शिक्षक इन दिनों अपने अनोखे अंदाज की वजह से चर्चा में हैं। बढ़ती पेट्रोल कीमतों और ग्रामीण इलाकों में ईंधन की कमी के बीच शिक्षक ने गांव-गांव जनगणना का काम करने के लिए घोड़े का सहारा लिया। उनका यह तरीका अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। धुरकी प्रखंड के टाटीदीरी उच्च विद्यालय में कार्यरत शिक्षक मुन्ना प्रसाद को जनगणना के सिलसिले में दूर-दराज गांवों तक पहुंचना था। लेकिन इलाके में ईंधन की कमी और खराब रास्तों की वजह से वाहन से सफर करना मुश्किल हो रहा था। ऐसे में उन्होंने घोड़े पर सवार होकर गांवों में पहुंचने का फैसला किया। सफेद कपड़े पहनकर जरूरी दस्तावेजों के साथ घोड़े पर सवार शिक्षक जब पनघटवा गांव पहुंचे, तो ग्रामीण भी उन्हें देखकर हैरान रह गए। कई लोगों ने उनके वीडियो और तस्वीरें बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिए, जिसके बाद यह मामला चर्चा में आ गया। सोशल मीडिया पर लोग शिक्षक मुन्ना प्रसाद की कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

नई तबादला नीति 2026 पर कैबिनेट ने लगाई मुहर

प्रदेश में एक से 15 जून तक हो सकेंगे तबादले

- पति-पत्नी की पोस्टिंग एक जगह रखने पर होगा विचार
- गंभीर बीमारी वाले कर्मचारियों को भी रियायत

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में राज्य शासन के अधिकारी-कर्मचारियों के स्थानांतरण अगले माह होंगे। इसके लिए बुधवार को कैबिनेट ने नई तबादला नीति 2026 पर मुहर लगा दी है। नई तबादला नीति के अनुसार अब 1 से 15 जून की अवधि में विभागीय स्तर पर कर्मचारियों के स्थानांतरण किए जा सकेंगे। हालांकि यह नीति मध्यप्रदेश न्यायिक सेवा के अलावा मध्यप्रदेश प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों और मंत्रालय में लागू नहीं होगी।

मंत्रिपरिषद की बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा स्थानांतरण नीति 2026 प्रस्तुत की गई, जिसे मंजूरी दे दी गई। नीति में स्थानांतरण की अधिकतम सीमा भी निर्धारित की गई है। स्वैच्छिक और प्रशासनिक तबादलों को मिलाकर पदों के अनुसार प्रतिशत तय किया गया है, लेकिन यह भी निर्देशित किया गया है कि जिन स्थानों से स्थानांतरण किए जाएं, वहां पर पदों का प्रतिशत कम नहीं हो। इसमें उन अधिकारी-कर्मचारियों के स्थांतरण नहीं होंगे, जिन्हें सेवानिवृत्त के लिए एक वर्ष या उससे कम समय बचा हो। कैबिनेट में तबादला नीति पर चर्चा के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि शिक्षा सहित कुछ दूसरे विभाग अपनी अलग से तबादला नीति लागू कर सकते है। इसमें निर्देशित किया गया है कि मुख्यमंत्री के ए प्लस श्रेणी वाले तबादले 31 मार्च से पहले कर दिए जाए।

इस आधार पर होंगे तबादले

पद एवं संवर्ग संख्या के आधार पर अधिकतम स्थानांतरण की संख्या का निर्धारण स्थानांतरण नीति में उल्लेखित किया गया है।

- 200 पदों तक - 20 प्रतिशत
- 201 से 1000 तक 40 प्लस 15 प्रतिशत
- 1001 से 2000 तक 160 प्लस 10 प्रतिशत
- 2001 से अधिक पदों पर 260 प्लस 5 प्रतिशत

जिले के भीतर प्रभारी मंत्री करेंगे तबादले

तबादला नीति के अनुसार जिले के भीतर जिला संवर्ग और राज्य संवर्ग के तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के स्थानांतरण विभागीय स्तर पर प्रभारी मंत्री की मंजूरी से किए जाएंगे। चतुर्थ श्रेणी के तबादलों का अधिकार विभागाध्यक्षों को दिया गया है।

प्रशासनिक सेवा के अफसर प्रभावित नहीं

प्रशासनिक सेवा, राज्य पुलिस सेवा, राज्य वन सेवा और मंत्रालय स्तर पर तबादले इस नीति के आधार पर नहीं होंगे। गृह विभाग में उप पुलिस अधीक्षक से कनिष्ठ स्तर के तबादले पुलिस स्थापना बोर्ड तथा जिले के भीतर एसपी स्तर पर किए जा सकेंगे।

राजस्व विभाग के लिए विशेष प्रावधान

नई तबादला नीति में राजस्व विभाग के लिए अलग से प्रावधान किए गए हैं। जिले के अंदर डिप्टी कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, तहसीलदार और नायब तहसीलदारों के अनुभाग परिवर्तन एवं पदस्थापना प्रभारी मंत्री के परामर्श से की जाएगी।

प्रतिबंध अवधि में इनके हो सकेंगे तबादले

नई नीति में विशेष परिस्थितियों में प्रतिबंध अवधि के दौरान भी स्थानांतरण अनुमति दी है। इनमें गंभीर बीमारी, कैंसर, लकवा, हृदयाघात या अन्य आकस्मिक चिकित्सा आवश्यकता, न्यायालयीन आदेशों का पालन, गंभीर शिकायतों एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई के मामले में प्रतिबंध होने के बाद भी स्थानांतरण किए जा सकेंगे। यदि गंभीर बीमारी मामले में स्थानांतरण मेडिकल बोर्ड की अनुशंसा पर ही हो सकेंगे। लोकायुक्त और आर्थिक अपराध प्रकरण से जुड़े कर्मचारियों के अलावा निलंबन, त्यागपत्र या सेवानिवृत्ति से रिक्त पदों की पूर्ति के लिए भी तबादले किए जा सकेंगे। पति-पत्नी को एक स्थान पर पदस्थ किए जाने एवं स्वयं की गंभीर बीमारियों के प्रकरण में स्थानांतरण को विभागों के निर्धारित प्रतिशत या संख्या में शामिल नहीं किया जाएगा।

ग्राम रोजगार सहायकों के राज्य स्तरीय महासम्मेलन में सीएम ने की घोषणा

आपराधिक मामलों से बरी रोजगार सहायकों को फिर मिलेगी नौकरी

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ग्राम रोजगार सहायकों की सेवा आयु में वृद्धि करेगी। अब वे 60 की जगह 62 वर्ष की आयु पूरी करने पर सेवानिवृत्त होंगे। इसी तरह आपराधिक मामलों से बरी होने वाले ग्राम रोजगार सहायकों को फिर से नौकरी पर रखा जाएगा। यह घोषणाएं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। उन्होंने कहा कि ग्राम रोजगार सहायक ग्रामीण विकास और ग्राम को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉ. यादव बुधवार को जम्बूरी मैदान में आयोजित ग्राम रोजगार सहायकों के राज्य स्तरीय महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्राम रोजगार सहायकों के हित संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। रोजगार सहायक प्रदेश की ग्राम पंचायतों में विकास की मुख्य धुरी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल भारत के स्वप्न को साकार करने ग्राम रोजगार सहायकों की महत्वपूर्ण भूमिका हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम सहायक और पंचायत सचिव युक्ति और बुद्धि का उपयोग कर शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे- वीबी जी-राम-जी के क्रियान्वयन और जनता की विभिन्न समस्याओं का समाधान का रास्ता निकालते हैं। ग्राम सचिवों के मानदेय बढ़ाने और उन्हें अन्य सुविधायें प्रदान करने के लिए सरकार पूरी चिंता करते हुए आवश्यक कदम उठाएगी।

प्रदेश में रोजगार सहायक भी अब दे सकेंगे 62 साल तक सेवाएं

आर्थिक सहायता की घोषणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महासम्मेलन के लिए भोपाल आ रहे दो ग्राम सहायक मीणा और लखन के दुर्घटना में असामयिक देवलोक गमन का समाचार पीड़ादायक है। दोनों के परिजन को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की राशि प्रदान किए जाएंगे। सीएम ने गंभीर घायल को 1 लाख रुपये और अन्य सामान्य घायलों को समुचित उपचार के लिए 50-50 हजार रुपये की राशि देने की घोषणा की।

जाति जनगणना को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार द्वारा जाति आधारित जनगणना कराने के फैसले को चुनौती देने वाली जनहित याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि जातिगत आंकड़े सरकार के लिए कल्याणकारी नीतियां बनाने में जरूरी होते हैं और यह पूरी तरह नीति से जुड़ा मामला है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जॉयमाल्या बागची और विपुल पंचोली की बेंच ने याचिकाकर्ता की दलीलों से सहमति नहीं जताई। याचिकाकर्ता गुम्मुला ने कहा था कि सरकार के पास पहले से ही जातियों से जुड़े पर्याप्त आंकड़े मौजूद हैं, इसलिए अलग से जाति गणना की जरूरत नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह सरकार का नीतिगत फैसला है कि जनगणना जाति आधारित होनी चाहिए या नहीं।

भारत के विकास में इटेलियन कंपनियों की अहम भूमिका: मोदी

रोम, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ बुधवार को रोम में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान दोनों देशों ने व्यापार, निवेश, तकनीक, रक्षा और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 800 से अधिक इतालवी कंपनियां भारत की विकास यात्रा में सक्रिय योगदान दे रही हैं और आने वाले वर्षों में दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाई देने की दिशा में काम किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की यात्रा के अंतिम चरण में मंगलवार रात इटली पहुंचे थे। इससे पहले वे नॉर्वे, स्वीडन, नीदरलैंड और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा कर चुके हैं। रोम पहुंचने पर उनका औपचारिक सैन्य सम्मान के साथ स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इटली के रिश्ते अब केवल पारंपरिक सहयोग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दोनों देश भविष्य की तकनीकों और वैश्विक चुनौतियों पर भी मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'भारत-इटली संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना 2025-2029 हमारे संबंधों को व्यावहारिक और भविष्य उन्मुख ढांचा प्रदान करती है।' बैठक से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला से भी मुलाकात की।

"भारत और इटली के संबंध अब अपनी पूरी क्षमता हासिल करने की स्थिति में पहुंच चुके हैं। दोनों देशों की दोस्ती आपसी सम्मान और विश्वास पर आधारित है। मेलोनी ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां नौवहन की स्वतंत्रता बनाए रखना बेहद जरूरी है।
- जॉर्जिया मेलोनी, प्रधानमंत्री, इटली

मेलोनी को दी 'मेलोडी' टॉफी, वीडियो को रिकॉर्ड 10 करोड़ से ज्यादा व्यूज

प्रधानमंत्री मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की मुलाकात एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गई है। इस बार वजह बनी भारत की मशहूर 'मेलोडी' टॉफी। पीएम मोदी ने इटली दौरे के दौरान मेलोनी को गिफ्ट के तौर पर मेलोडी टॉफी दी, जिसका वीडियो अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। मेलोनी ने इसे शेयर करते हुए लिखा, 'पीएम मोदी मेरे लिए बहुत-बहुत अच्छी टॉफी लेकर आए- मेलोडी। गिफ्ट के लिए थैंक्यू।' वीडियो पोस्ट होते ही लाखों लोगों ने इसे देखना शुरू कर दिया। इंस्टाग्राम पर यह वीडियो 100 मिलियन यानी 10 करोड़ से ज्यादा व्यूज पार कर चुका है, जबकि एक्स पर भी इसे 74 लाख से अधिक बार देखा गया।

आईपीएल में आज

चैन्नई बनाम गुजरात
समय : रात 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर
परिणाम: कोलकाता ने मुंबई को 4 विकेट से हराया।

फर्जी एमबीबीएस डिग्री रैकेट का मास्टरमाइंड भोपाल से गिरफ्तार

भोपाल, जेएनएन। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में फर्जी एमबीबीएस डिग्री के जरिए सरकारी नौकरी करने वाले डॉक्टरों के बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। इस मामले में पुलिस ने कथित मास्टरमाइंड हीरा सिंह कौशल को भोपाल के कोहेफिजा इलाके से गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत संचालित संजीवनी क्लीनिकों में फर्जी डिग्री के सहारे नौकरी करने वाले डॉक्टरों की संख्या 50 से अधिक हो सकती है।

दमोह एसपी आनंद कलादगी ने बताया कि आरोपी हीरा सिंह कौशल पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। पूछताछ में कई अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जिसके बाद पुलिस की टीमें भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, धार, मंडला और जबलपुर समेत कई जिलों में दबिश दे रही हैं। अब तक इस मामले में चार गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इससे पहले गिरफ्तार किए गए डॉ. कुमार सचिन यादव, डॉ. राजपाल गौर और डॉ. अजय मोर्य को कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर भेजा गया। पुलिस जांच में सामने आया कि हीरा सिंह कौशल ने सबसे पहले अजय मोर्य की फर्जी एमबीबीएस डिग्री तैयार करवाई थी। इसके बाद उसी नेटवर्क के जरिए अन्य लोगों को भी फर्जी डिग्री और मेडिकल काउंसिल का फर्जी रजिस्ट्रेशन उपलब्ध कराया गया। जांच में यह भी पता चला है कि आरोपियों ने 8 से 10 लाख रुपये देकर नकली डिग्री और रजिस्ट्रेशन खरीदे थे। इस फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ जब दमोह सीएमएचओ डॉ. राजेश अठ्या को गोपनीय सूचना मिली। इसके बाद मध्य प्रदेश मेडिकल काउंसिल से डिग्रियों और रजिस्ट्रेशन नंबरों की जांच कराई गई। जांच में पाया गया कि राजपाल गौर ने साल 2018 के एक पुराने रजिस्ट्रेशन नंबर में बदलाव कर उसे 2023 का दर्शाया था। असली नंबर किसी अन्य डॉक्टर का निकला, जो नर्मदापुरम में पदस्थ है। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ आरोपी दूसरे डॉक्टरों के रजिस्ट्रेशन नंबर पर नौकरी कर रहे थे। सचिन यादव और राजपाल गौर दमोह के सरकारी स्वास्थ्य केंद्र और संजीवनी क्लीनिक में कार्यरत थे, जबकि अजय मोर्य पिछले ढाई साल से जबलपुर में डॉक्टर के रूप में काम कर रहा था।

जिनपिंग की चेतावनी- दुनिया 'जंगलराज' की ओर बढ़ रही

बीजिंग, जेएनएन। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़े युद्ध को लेकर गंभीर चिंता जताई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ बीजिंग में हुई उच्चस्तरीय बैठक के दौरान जिनपिंग ने कहा कि दुनिया एक बार फिर 'जंगलराज' की ओर बढ़ रही है और अगर युद्ध नहीं रुका तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और वैश्विक स्थिरता पर बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। रॉयटर्स के मुताबिक, जिनपिंग ने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाले युद्ध अंतरराष्ट्रीय नियमों और वैश्विक संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है, वरना दुनिया ऐसे दौर में पहुंच सकती है जहां ताकत ही सबसे बड़ा नियम बन जाए।'

यह बयान बुधवार को बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में पुतिन के औपचारिक स्वागत के बाद आया। दोनों नेता रेड कार्पेट पर साथ चले, जबकि सैन्य बैंड ने रूस और चीन के राष्ट्रगान बजाए। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने वैश्विक राजनीति, ईरान युद्ध, ऊर्जा सुरक्षा, ब्रिक्स और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन इस दौरे पर बड़े कारोबारी और सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ चीन पहुंचे हैं। क्रेमलिन ने बताया कि दोनों देशों के बीच करीब 40 समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

पुतिन संग बैठक में बोले- ईरान युद्ध रोकना जरूरी

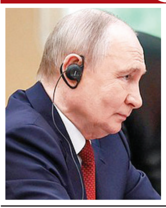

बैठक में जिनपिंग और पुतिन ने दुनिया में 'दबदबे की राजनीति' खत्म करने की बात कही। दोनों नेताओं ने कहा कि रूस और चीन मिलकर एक ज्यादा संतुलित और न्यायपूर्ण वैश्विक व्यवस्था बनाने की दिशा में काम करेंगे। पुतिन ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में रूस और चीन के रिश्ते तेजी से मजबूत हुए हैं। दोनों देशों की साझेदारी का मकसद स्थिरता, समृद्धि और वैश्विक संतुलन सुनिश्चित करना है। वहीं जिनपिंग ने कहा कि चीन और रूस को मिलकर ऐसी वैश्विक शासन व्यवस्था के लिए काम करना चाहिए, जहां शक्ति केवल एक देश के हाथ में केंद्रित न हो।

वायरल

सीजेआई के बयान के विरोध में बनी 'पार्टी' को सोशल मीडिया पर मिला समर्थन

कॉकरोच पार्टी के 5 दिन में 60 लाख फॉलोअर्स

नई दिल्ली, जेएनएन। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) सूर्यकांत के कथित 'कॉकरोच' बयान के विरोध में सोशल मीडिया पर शुरू हुई 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) अचानक देशभर में चर्चा का विषय बन गई है। महज पांच दिनों में इस पार्टी के इंस्टाग्राम पर 60 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हो चुके हैं, जबकि एक्स पर भी इसके करीब 1.21 लाख फॉलोअर्स हैं।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स के मामले में यह नई डिजिटल 'पार्टी' अब देश की बड़ी राजनीतिक पार्टियों को चुनौती देती दिखाई दे रही है। भाजपा के इंस्टाग्राम पर करीब 87 लाख और कांग्रेस के 1.32 करोड़ फॉलोअर्स हैं।

यह है पूरा मामला

15 मई को कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सीजेआई सूर्यकांत ने एक सुनवाई के दौरान बेरोजगार युवाओं की तुलना 'कॉकरोच' और 'परजीवियों' से की थी। हालांकि बाद में सीजेआई ने सफाई देते हुए कहा कि उनका बयान उन लोगों के लिए था जो फर्जी डिग्रियों के जरिए पेशों में घुस आए हैं, न कि बेरोजगार युवाओं के लिए। लेकिन तब तक सोशल मीडिया पर यह मुद्दा तेजी से वायरल हो चुका था। इसी के विरोध में महाराष्ट्र के अभिजीत दीपके ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' बनाने का फैसला किया।

सेक्युलर, सोशलिस्ट, डेमोक्रेटिक, लेजी

कॉकरोच जनता पार्टी का नारा है- 'सेक्युलर, सोशलिस्ट, डेमोक्रेटिक, लेजी।' अभिजीत ने पार्टी का लोगो भी जारी किया है, जिसमें कॉकरोच को प्रतीक के तौर पर दिखाया गया है। सोशल मीडिया पर इसे मीम, व्यंग्य और राजनीतिक प्रतिरोध के नए रूप के तौर पर देखा जा रहा है।

कौन हैं अभिजीत दीपके

अभिजीत दीपके अमेरिका की बॉस्टन यूनिवर्सिटी में पब्लिक रिलेशन की मास्टर डिग्री कर रहे हैं। वे 2020 से 2023 तक आप की सोशल मीडिया टीम में वॉलंटियर भी रह चुके हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि जब उन्होंने सोशल मीडिया पर सीजेआई से जुड़ी खबर देखी तो उन्हें लगा कि युवाओं की आवाज को एक मंच मिलना चाहिए। अभिजीत ने कहा, 'मैंने सोशल मीडिया पर पूछा कि अगर सारे कॉकरोच एक साथ आ जाएं तो क्या होगा? जेन जी और युवाओं की तरफ से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। लोगों ने कहा कि हमें एक प्लेटफॉर्म बनाना चाहिए। वहीं से सीजेपी का आइडिया आया।'

पार्टी में शामिल होने की 'योग्यताएं'

सीजेपी ने मजाकिया अंदाज में पार्टी की चार 'योग्यताएं' भी जारी की हैं।

- बेरोजगार होना
- आलसी होना यानी 'डले रहो, पड़े रहो'
- ऑनलाइन रहने की लत
- प्रोफेशनल तरीके से भड़ास निकालने की क्षमता

पार्टी का मैनिफेस्टो भी वायरल

कॉकरोच जनता पार्टी ने अपना 'मैनिफेस्टो' में कई विवादित और व्यंग्यात्मक वादे किए गए हैं।

- अगर सीजेपी सत्ता में आती है तो किसी भी सीजेआई को रिटायरमेंट के बाद राज्यसभा सीट नहीं दी जाएगी।
- अगर किसी का वैध वोट हटाया गया तो संबंधित अधिकारियों पर यूएपीए के तहत कार्रवाई की जाएगी।
- महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण, मीडिया लाइसेंसों की समीक्षा और दल-बदल करने वाले नेताओं पर 20 साल तक चुनाव लड़ने पर रोक जैसे वादे भी मैनिफेस्टो में शामिल हैं।

थाईलैंड ने भारत समेत 93 देशों की वीजा फ्री अवधि घटाई

बैंकॉक, जेएनएन। थाईलैंड सरकार ने विदेशी पर्यटकों के लिए वीजा नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए भारत समेत 93 देशों के लिए लागू 60 दिन की वीजा-फ्री एंट्री योजना खत्म करने का फैसला किया है। अब भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों के नागरिकों को केवल 30 दिन तक बिना वीजा रहने की अनुमति मिलेगी, जबकि कुछ देशों के यात्रियों को आगमन पर वीजा लेना होगा। थाई विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। सरकार ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं, बढ़ते अपराध और विदेशी पर्यटकों के खराब व्यवहार के कारण यह कदम उठाना पड़ा है। थाईलैंड ने कोविड महामारी के बाद पर्यटन उद्योग को पटरी पर लाने के लिए वीजा नियमों में ढील दी थी।

खराब व्यवहार और अपराधों से परेशान सरकार ने लिया फैसला

संक्षिप्त खबरें

छह हजार रिश्वत लेते हुए पटवारी गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। भिंड जिले में लोकायुक्त की टीम ने पटवारी को एक किसान से रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मामला गोहद तहसील के ग्राम तुकेडा का है। यहाँ के रहने वाले किसान रामखिलाड़ी चौहान ने अपनी जमीन का सीमांकन कराने के लिए आवेदन किया था। लेकिन पटवारी हिमांशु तोमर इसके एवज में उनसे 10,000 रुपये की घूस मांग रहा था। परेशान किसान ने इसकी शिकायत लोकायुक्त एसपी ग्वालियर से की थी। शिकायत सत्यापन में सही पाए जाने के बाद आरोपी को पकड़ने के लिए ट्रैप का प्लान बनाया गया। पटवारी ने बुधवार को पहली किस्त के रूप में 6,000 रुपये लेकर किसान को मालनपुरा के पास नहर की पुलिया पर बुलाया। यहाँ जैसे ही रामखिलाड़ी ने हिमांशु को पैसे थमाए, वैसे ही पहले से तैयार डीएसपी विनोद सिंह कुशवाह की टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

आयोग अब एक माह में सौंपेगा पटाखा फैक्ट्री हादसे की जांच रिपोर्ट

मुख्य संवाददाता, भोपाल। देवास में 14 मई को हुए पटाखा फैक्ट्री हादसे की जांच के लिए बनाए गए न्यायिक आयोग की जांच के लिए तय समय-सीमा को घटा दिया गया है। 15 मई को जारी सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना के अनुसार हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस सुभाष काकड़े की अध्यक्षता में गठित एकल आयोग को तीन माह में अपनी जांच पूरी कर रिपोर्ट शासन को सौंपने की बात कही गई थी। अब सामान्य प्रशासन विभाग ने इस नोटिफिकेशन में संशोधन करते हुए जांच की समय-सीमा को तीन माह के स्थान पर एक माह कर दिया है। इस संशोधन के बाद आयोग अब एक माह के भीतर अपनी जांच को पूरा कर रिपोर्ट राच्य सरकार को सौंपेगा। आयोग घटना की जांच के साथ ही भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के संबंध में अपने सुझाव भी सरकार को देगा। गौरतलब है कि देवास जिले के टोंककला में हुए इस हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

किसानों को राहत, प्रदेश में अब 28 मई तक होगी गेहूं खरीदी

राज्य में गेहूं खरीदी का लक्ष्य 75 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख टन किया गया

विशेष संवाददाता, भोपाल। मंत्रि-परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं खरीदी की अंतिम तारीख बढ़ा दी गई है। अब 28 मई तक किसान अपने गेहूं का उपार्जन करा सकेंगे। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश देश में सर्वाधिक गेहूं खरीदी करने वाला राज्य है। राज्य में गेहूं खरीदी का लक्ष्य 75 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख टन किया गया है, जिसकी खरीदी सरकार के माध्यम से की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डीबीटी के माध्यम से गांवों के विकास को नई गति और नई दिशा मिली है। मध्यप्रदेश के गांव आज प्रगति, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई गाथा लिख रहे हैं तथा विकास की यह प्रवाह निरंतर आगे बढ़ रहा है।

30,055 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृतियां: मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के विकास और जन-कल्याण को गति देने के लिए कुल 30,055 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृतियां दी गई। राज्य के विभिन्न वर्गों के हित में कई बड़े निर्णय लिए गए। बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि कैबिनेट ने किसानों को फसल हानि या क्षति होने पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का आगामी 05 वर्षों तक निरंतर क्रियान्वयन के लिए 11 हजार 608.47 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। जिसमें पात्र कृषकों को प्रति कृषक प्रत्येक मौसम में न्यूनतम दावा राशि 1,000 रुपये का भुगतान करने के लिए दावा राशि और 1000 के अंतर की राशि का भुगतान राज्य शासन द्वारा वहन किया जायेगा। इसी तरह वृद्धजनों, कल्याणी महिलाओं और दिव्यांगजन की पेंशन योजना के लिए 15 हजार 184.42 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

मध्य क्षेत्रीय परिषद की अगली बैठक उज्जैन में होगी, शाह रहेंगे मौजूद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य क्षेत्रीय परिषद की अगली बैठक उज्जैन में होगी, जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मौजूद रहेंगे। उनके द्वारा सिंहस्थ की तैयारियों का मुआयना भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बुधवार को यह बात कैबिनेट बैठक से पहले मंत्रि-परिषद के सदस्यों से अनौपचारिक संवाद के दौरान कही। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उज्जैन में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक के लिए सहमति प्रदान कर दी है। परिषद् की बैठक लेने के बाद शाह उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की तैयारी को लेकर हो रही व्यापक नागरिक व्यवस्थाओं, मानव प्रबंधन एवं आपदा प्रबंधन का भी मुआयना करेंगे। डॉ. यादव ने भोजशाला परिसर को लेकर मप्र उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश शांति का टापू है। प्रदेश में कानून व्यवस्था नियंत्रण हमारी प्राथमिकता है। इसमें कोई ढिलाई नहीं बरती जायेगी। सरकार इस विषय से जुड़े सभी पक्षों की भावनाओं का सम्मान करते हुए उच्च न्यायालय के निर्णय का पालन करायेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार मां वाग्देवी की वास्तविक प्रतिमा विदेश से स्वदेश लाने के लिए केन्द्र सरकार के साथ हर जरूरी प्रयास एवं समन्वय करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे विश्व में भारत का मान बढ़ाया है। उन्हें विदेश में मिल रहा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पूरे देश का सम्मान है। डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार फ्रांस के साथ हर क्षेत्र में मिलकर काम करेगी। कान्क्लेव में फ्रांस की सहभागिता मध्यप्रदेश सरकार की औद्योगिक नीतियों के प्रति दिनों-दिन बढ़ रहे वैश्विक विश्वास का प्रतीक है।

सिंहस्थ से पहले इंदौर में स्थापित होगा सेंटर फॉर एक्सीलेंस

गूगल क्लाउड के साथ सरकार करेगी एमओयू

विसं, भोपाल। राज्य सरकार और गूगल क्लाउड इंडिया इंदौर में सेंटर फॉर एक्सीलेंस स्थापित करेंगे, जिसके लिए दोनों के बीच जल्द ही एमओयू होगा। सेंटर से 10 हजार से अधिक एआई डेवलपर्स को जोड़ा जाएगा, जो मध्यप्रदेश सहित देश और साउथ ग्लोबल की आवश्यकताओं के अनुरूप रियल टाइम तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएंगे। इस संबंध में बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में गूगल क्लाउड इंडिया के पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक में निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने बताया कि बैठक में गूगल क्लाउड इंडिया ने समृद्ध मध्यप्रदेश की अवधारणा के अनुरूप एआई आधारित विकास और सुशासन के लिए एक विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया। बैठक में सिंहस्थ-2028 को स्मार्ट और तकनीक-सक्षम आयोजन के रूप में विकसित करने पर विशेष चर्चा हुई। गूगल द्वारा प्रस्तुत एआई फ्रेमवर्क में रियल टाइम भीड़ प्रबंधन, प्रेडिक्टिव ट्रैफिक एवं सुरक्षा विश्लेषण, एआई आधारित इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम और डिजिटल ट्विन मॉडल जैसी अत्याधुनिक व्यवस्थाएं शामिल हैं। सीएम ने पदाधिकारियों के साथ प्रदेश में प्रशासनिक दक्षता संवर्धन, एआई आधारित सुशासन और सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में एआई आधारित तकनीकी सहयोग के संबंध में राउंड टेबल मीटिंग की। इस दौरान मुख्य सचिव अनुराग जैन, एसीएस मंडलोई, प्रमुख सचिव एम. सेल्वेन्द्रन, गूगल क्लाउड इंडिया के निदेशक (पब्लिक सेक्टर) आशीष वत्तल, एपीएसी क्षेत्र के निदेशक मदन ओबरॉय, पंकज शुक्ला, लोकेश लोहिया, डॉ. श्रुति गाडगिल, विजय गुंजाटे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

वैश्विक सहयोग पर विश्वास करने वाला है भारत: सारंग

इंदौर में हुई ब्रिक्स यूथ इंट्रेप्रेन्योरशिप वर्किंग ग्रुप की बैठक

विसं, भोपाल। भारत सदैव शांति, साझेदारी, मानवीय मूल्यों एवं वैश्विक सहयोग में विश्वास रखने वाला देश रहा है। भारत की सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत विरासत विश्व को सद्भाव, समावेशी विकास एवं सामूहिक कल्याण की दिशा प्रदान करती रही है। बुधवार को यह बातें खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने व्यक्त किए। वे इंदौर में आयोजित ब्रिक्स यूथ इंट्रेप्रेन्योरशिप वर्किंग ग्रुप मीटिंग-2026 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज ब्रिक्स राष्ट्र विकासशील देशों की आकांक्षाओं, ऊर्जा, नवाचार क्षमता एवं आर्थिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत नवाचार, उद्यमिता, युवा सशक्तिकरण, जलवायु उत्तरदायित्व एवं ग्लोबल साऊथ के विकास के लिए एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में तेजी से उभर रहा है। वर्ष 2006 में भारत सहित चार देशों से प्रारंभ हुआ ब्रिक्स समूह आज 11 सदस्य देशों तक विस्तारित हो चुका है, जो विश्व की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है तथा वैश्विक जीडीपी में लगभग 35- 40 प्रतिशत योगदान देता है। ब्रिक्स केवल एक आर्थिक गठबंधन नहीं, बल्कि व्यापार, प्रौद्योगिकी, नवाचार एवं सतत विकास के भविष्य को दिशा देने वाला परिवर्तनकारी वैश्विक मंच है। कार्यक्रम में भारत सरकार की युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे, विभाग की सचिव पल्लवी जैन गोविल, अतिरिक्त सचिव नितेश कुमार मिश्रा, ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधि, स्टार्टअप लीडर्स, नीति निर्माता, शिक्षाविद् एवं युवा उद्यमी उपस्थित रहे।

पेसा प्रेरकों की सेवाएं जारी रखे सरकार: सिंघार

विसं, भोपाल। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार से पेसा प्रेरक (मोबिलाइजर्स) की सेवाएं निरंतर जारी रखने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र भी लिखा है। सिंघार ने पत्र में कहा कि मध्यप्रदेश में पंचायत उपबंध अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार अधिनियम 1996 (पेसा एक्ट) के क्रियान्वयन हेतु प्रेरकों की नियुक्ति की गई थी,लेकिन राज्य सरकार द्वारा अपने बजट से इनकी सेवाएं जारी न रखते हुए उनकी सेवाएं समाप्त कर दी है। इस निर्णय से प्रदेश के आदिवासी जिलों में कार्य प्रभावित होंगे। सिंघार ने अपने पत्र में लिखा है कि पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान सरकार के दौरान प्रेरकों की नियुक्ति हुई थी तथा 15 नवम्बर 2022 को राष्ट्रपति द्वारा इसका औपचारिक शुभारंभ किया गया था। उन्होंने सीएम डॉ. यादव से आग्रह किया है कि पेसा एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लगभग 5 हजार प्रेरकों के हित को ध्यान में रखते हुए उनकी सेवाएं निरंतर रखने के संबंध में ठोस निर्णय लिया जाए। सिंघार ने पत्र में आगे लिखा कि मोबिलाइजर्स गांव-गांव, घर-घर जाकर सरकार की छोटी-छोटी योजनाओं के फॉर्म भरते थे, आज वही लोग सरकार की बैरुखी का शिकार हो गए हैं।

केंद्रों में अव्यवस्था से किसान परेशान: पटवारी

विसं, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि गेहूं उपार्जन केन्द्रों में व्याप्त अव्यवस्थाओं के चलते किसान बुरी तरह से परेशान हैं। लेकिन सरकार समस्याओं का निराकरण करने की वजाए केवल प्रचार में व्यस्त है। पटवारी ने कहा कि ई-उपार्जन पोर्टल पर स्लॉट नहीं मिलना,सर्वर बार-बार डाउन होना और स्लॉट खुलते ही तुरंत भर जाना किसानों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। किसानों का कहना है कि खेत में गेहूं होने के बावजूद सैटेलाइट सर्वे और एआई सत्यापन में रिकॉर्ड गलत दिखाए जा रहे हैं, जिसके कारण उनका पंजीयन निरस्त या लंबित हो रहा है। पटवारी ने कहा कि खरीदी केंद्रों पर भारी अव्यवस्था व्याप्त है। किसान घंटों और कई-कई दिनों तक ट्रॉलियों में गेहूं लेकर इंतजार करने को मजबूर हैं। तौल मशीनों की कमी, धीमी प्रक्रिया और केन्द्रों में भीड़ ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। बारदानों की कमी के कारण किसानों पर खुद बोरे लाने का दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को एमएसपी का भुगतान समय पर नहीं मिल रहा है। कई किसानों को भुगतान की स्थिति तक स्पष्ट नहीं है। बैंकिंग और पोर्टल लिंकिंग की समस्याओं के कारण किसान आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। दूसरी ओर नमी और गुणवत्ता के नाम पर मनमानी कटौती तथा गेहूं रिजेक्ट करने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

९3.31 लाख मीट्रिक टन से अधिक हुआ गेहूं का उपार्जन: राजपूत

विसं, भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 12 लाख 56 हजार 952 किसानों से 93 लाख 31 हजार 177 मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। मंत्री राजपूत ने बताया कि किसानों को 19 हजार 423 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उपार्जित गेहूँ में से 81 लाख 47 हजार 675 मीट्रिक टन का परिवहन किया जा चुका है। किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है।

पहले चरण में सवा लाख छात्रों को मिला कालेजों में प्रवेश

जागरण, भोपाल। प्रदेश के कालेजें में प्रथम चरण में स्नातक स्तर पर 1,07,075 तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 25,123 विद्यार्थियों को महाविद्यालय आवंटित किए गए हैं। इस प्रकार कुल 1 लाख 32 हजार 198 विद्यार्थियों को प्रदेश के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए आवंटन प्राप्त हुआ है। आवंटित विद्यार्थियों के लिए शुल्क भुगतान प्रक्रिया बुधवार से प्रारंभ हो गई है। विद्यार्थी निर्धारित तिथि 26 मई 2026 तक ऑनलाइन माध्यम से शुल्क जमा कर अपने प्रवेश को सुनिश्चित कर सकेंगे। विभाग द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा के लिये मोबाइल फ्रेंडली पोर्टल व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे घर बैठे प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जा सके। उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित समयावधि में शुल्क जमा कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें तथा आगामी चरणों की जानकारी के लिए नियमित रूप से ई-प्रवेश पोर्टल का अवलोकन करते रहें।

आरटीई: बच्चों को मिला मनचाहे विद्यालयों में प्रवेश

विसं भोपाल। शिक्षा का अधिकार अधिनियम अंतर्गत द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी की प्रकिया बुधवार को संपन्न हो गई। इसमें 11 हजार 485 बच्चों को उनकी पसंद के निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश मिला। लॉटरी प्रक्रिया में उन बच्चों को शामिल किया गया था, जिन्हें प्रथम चरण की लॉटरी में उनकी पसंद के स्कूल आवंटित नहीं हो सके थे। ऐसे बच्चों को निजी विद्यालयों की रिक्त सीटों के अनुरूप द्वितीय चरण की लॉटरी के लिए अपनी वरीयता अंकित करते हुए आवेदन करने का एक और अवसर प्रदान किया गया था। द्वितीय चरण की लॉटरी में बच्चों को उनकी चुनी गई वरीयता के आधार पर निजी विद्यालयों में सीट का आवंटन 20 मई को ऑनलाइन लॉटरी की स्वचालित कंप्यूटर प्रक्रिया द्वारा किया गया। संचालक राच्य शिक्षा केंद्र श्री हरजिंदर सिंह द्वारा द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी का बटन क्लिक किया गया। जानकारी के अनुसार नर्सरी कक्षा में 7 हजार 599, केजी 1 में 2 हजार 747 और कक्षा 1 में 1 हजार 139 बच्चों का दाखिला हुआ।

बच्चों ने तख्तियां लेकर स्कूल बंद होने का किया विरोध

विसं भोपाल। राजधानी में बुधवार को छोटे बच्चे,छात्र और सामाजिक संगठनों ने 94 हजार सरकारी स्कूल बंद करने के निर्णय का विरोध किया। बच्चें अपने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां के जरिए सरकार के निर्णय का विरोध कर रहे थे। स्कूल बचाओं संघर्ष समिति और मूवमेंट अगेंस्ट अनएम्प्लॉयमेंट की अगुवाई में नीलम पार्क में यह विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में 94 हजार सरकारी स्कूल बंद करने की तैयारी शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने की साजिश है। इससे गरीब और ग्रामीण क्षेत्रों के लाखों बच्चे पढ़ाई से दूर हो जाएंगे। समिति के सतीश ओझा ने कहा कि सरकारी स्कूल बंद होने शिक्षा धीरे-धीरे निजी संस्थानों के हवाले हो जाएगी। उन्होंने कहा कि गांवों और गरीब परिवारों के बच्चों पर इसका ज्यादा असर पड़ेगा। सांदीपनि स्कूल खुलने के बाद आस-पास के 5 किलोमीटर क्षेत्र के कई स्कूल बंद किए जा रहे हैं। राजधानी भोपाल में भी कई स्कूल पहले ही बंद हो चुकी हैं,जिससे उन बच्चों की परेशानी बढ़ गई है,जो दूर स्थित स्कूलों तक जाने में असमर्थ हैं या किसी कारणवश नियमित रुप से स्कूल नहीं पहुंच पाते। उन्होंने कहा कि कई स्कूलों में अभी भी बस सुविधा भी उपलब्ध नहीं है,जिसके कारण विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आने वाले समय में यह समस्या और बढ़ेगी।

रिश्वत के 5 हजार लेने कुर्ता-पजामा पहन दफ्तर पहुंचा रेंजर

बिल पास करने फर्नीचर कारोबारी से मांगे थे 10 हजार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। इंसान जब अति आत्मविश्वास में डूब जाता है तो तो दांव उल्टा पड़ जाता है। ऐसा ही कुछ रायसेन जिले के बेगमगंज में पदस्थ रेंजर अरविंद अहिरवार के साथ हुआ। रिश्वत की पहली किस्त के 5,000 रुपये लेने के लिए रेंजर घर से पीला कुर्ता और सफेद पजामा पहनकर ही अपने दफ्तर पहुंच गए, लेकिन इसी दौरान आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) भोपाल की टीम ने उन्हें घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार बेगमगंज निवासी शकील अहमद फर्नीचर बनाने का काम करते हैं। फर्नीचर के परिवहन से जुड़े बिलों को पास कराने और उनके सत्यापन के लिए रेंजर अरविंद अहिरवार ने 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। इस दौरान रेंजर ने अपने अधीन काम करने वाले बाबू को बिल पास करने से रोक दिया था।

रिकॉर्ड की रेंजर की आवाज और फिर मारा छापा

रेंजर से परेशान शकील ने ईओडब्ल्यू भोपाल के एसपी अरुण मिश्रा से शिकायत की। सत्यापन के लिए ईओडब्ल्यू ने वॉयस रिकॉर्डर देकर शकील को रेंजर के पास भेजा, जिसमें वह रकम दो किस्तों में लेने पर सहमत हो गया। बुधवार को जैसे ही शकील ने पहली किस्त के 5,000 रुपये के केमिकल लगे नोट रेंजर के ऑफिस में जाकर थमाए, वैसे ही टीम ने उन्हें रंगे हाथों दबोच लिया। पानी से हाथ धुलवाते ही रेंजर की उंगलियां गुलाबी हो गईं। इस मामले में ईओडब्ल्यू ने रेंजर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

नियुक्तियां

भोपाल भाजपा की शहर टीम में तीन नए पदाधिकारी किए गए नियुक्त

जो निगम मंडल के दावेदार, वे बने जिले के पदाधिकारी

विशेष संवाददाता भोपाल। भारतीय जनता पार्टी हमेशा से ही चौकान्ने वाले निर्णय लेती है। बात चाहे केन्द्रीय नेतृत्व की हो या फिर प्रदेश संगठन की। दोनों जगह संगठन की नियुक्तियों में हमेशा ही अलग तरह के निर्णय देखने के मिलते हैं। कुछ ऐसा ही निर्णय भाजपा की भोपाल नगर की टीम में देखने को मिला है। इसमें ऐसे लोगों को स्थान दिया गया है, जो राज्य के निगम मंडल में राजनीतिक नियुक्तियां पाने की दौड़ में रहे हैं। भोपाल जिला भाजपा शहर की टीम में बुधवार को तीन और नए नाम जोड़ दिए गए। इनमें से एक नाम संघ में बतौर पूर्णकालिक काम कर चुके चेतन भार्गव का भी है। बताया गया है कि भार्गव निगम मंडल में कोई पद पाना चाहते थे और उनके नाम पर संघ की भी मौन स्वीकृति भी थी। जब तक प्रदेश भाजपा में बतौर महामंत्री हितानंद शर्मा रहे,तब तक भार्गव की दावेदारी मजबूत मानी जाती रही है। लेकिन जैसे ही हितानंद की संघ में वापसी हुई,चेतन भार्गव की दावेदारी भी कमजोर पड़ गई। भाजपा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि संघ की सिफारिश के चलते भार्गव को जिला महामंत्री बनाया गया। जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति की टीम में महामंत्री का एक पद खाली रखा गया था,जिसे भार्गव की नियुक्ति के साथ भरा गया है। बताया गया है कि भार्गव पिछले विधानसभा चुनाव में भोपाल उत्तर से पार्टी का टिकट चाहते थे। उल्लेखनीय यह भी है कि यति ने अपनी जिले की टीम की जब पहली सूची जारी की थी,उसमें एमआईसी सदस्य मनोज राठौर का भी नाम था,लेकिन पार्टी की रणनीति के चलते राठौर सहित दूसरे नामों के कारण प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भोपाल नगर की पहली सूची को होल्ड कर दिया था। तकरीबन एक माह बाद जब दूसरी सूची जारी हुई थी,तब मनोज राठौर सहित कुछ नाम हटा दिए गए। बताया गया है कि उस सूची में चेतन भार्गव का नाम था,लेकिन तब पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने इसका विरोध किया था और भार्गव की नियुक्ति रोक दी गई थी,लेकिन तब महामंत्री और मंत्री का एक-एक पद खाली रखा गया था। लगभग एक महीने बाद इन दोनों खाली पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। दूसरी सूची में उपाध्यक्ष के सभी आठों पद भरे जा चुके थे। लेकिन बुधवार को उपाध्यक्ष पद पर नई नियुक्ति कर इसकी संख्या 9 कर दी गई है।

इनकी हुई नियुक्ति

अश्वनी राय को उपाध्यक्ष,चेतन भार्गव को महामंत्री और पार्थ पाटीदार को मंत्री पद पर नियुक्त किया गया है। जानकारी के अनुसार पूर्व की सूची से हटाए गए दो भाजपा नेताओं को फिर से जिला कार्यकारणी में शामिल किया गया है।

एनीमिया को लेकर जागरुकता जनभागीदारी जरूरी: राज्यपाल

विसं भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर आनुवांशिक बीमारी के उन्मूलन में जागरूकता और जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। समय पर जांच और समुचित उपचार से रोग को नियंत्रित किया जा सकता है। जानकारी के अभाव में यह बीमारी माता-पिता से बच्चों तक पहुंच जाती है, लेकिन सजगता, सहयोग और सावधानी से इसका उन्मूलन संभव है। राज्यपाल पटेल बुधवार को बैतूल के भीमपुर में सिकल सेल स्वास्थ्य शिविर एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को सिकल सेल मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर इस दिशा में गंभीरता से कार्य कर रही हैं। देशभर में लगभग 7 करोड़ से अधिक स्क्रीनिंग की जा चुकी है। आयोजन इसी दिशा में मजबूत कदम है। बैतूल जिले में सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों की सराहना की। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास के संकल्प से सिकल सेल उन्मूलन का आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री जनजातीय मामले दुर्गादास उइके ने कहा कि भीमपुर में सिकल सेल जांच मशीन का लोकार्पण जनजातीय एवं वंचित समुदायों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। उईके ने राज्यपाल पटेल के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में चल रहे सिकल सेल जागरूकता एवं उन्मूलन प्रयासों की सराहना की।

राजधानी का तापमान/मौसम

अधिकतम 43.4°c न्यूनतम 23.8°c

राजधानी में गर्मी शबाब पर है। आज भी तापमान बढ़ने के आसार हैं।

•11• राज्य •31• संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

नगर में आज

खाला कमाल की
- **स्थान:** रविंद्र भवन
- **समय:** शाम 6:00 बजे

शोध संगोष्ठी
- **स्थान:** मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, मैनिट
- **समय:** सुबह 10:00 से 5:00 बजे तक

कंटेम्परेरी डांस वर्कशॉप
- **स्थान:** सुभाष एक्सीलेंस स्कूल
- **समय:** सुबह 8 बजे

'माह का प्रादर्श'
- 'छाया चर्मपुतली: राम'
- **स्थान:** मानव संग्रहालय
- **समय:** दोपहर 12 बजे से

73 शलाका चित्र प्रर्दशनी
- **स्थान:** लिखन्दरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय
- **समय:** दोपहर 12 बजे से

संक्षिप्त खबरें

ठेकेदार ने महिला के साथ किया दुष्कर्म

जागरण, भोपाल। खजूरीसड़क थाना क्षेत्र में ठेकेदार ने महिला के साथ जबरन दुष्कर्म किया। घटना 15 अप्रैल की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 32 वर्षीय महिला थाना क्षेत्र इलाके में रहता है। वह सिलाई का काम करती है। साल 2018 में आरोपी हरिनारायण कुशवाहा (50) ने उसके मकान का ठेका लिया था। इस दौरान उसकी जान पहचान हुई थी। उनका चेक बाउंस का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। 15 अप्रैल को रात साढ़े 8 बजे महिला सब्जी लेने के लिए मार्केट जा रही थी। जहां बीच रास्ते में आरोपी ने उसे रोककर 4.60 लाख पैसे की मांग की। मना करने पर वह महिला को अपने साथ ले गया। जहां उसने बैरागढ़ कला स्थित खाली प्लांट में डरा- धमकाकर उसने जबरन रेप की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद पीड़िता मायके चली गई थी। वापस लौटने के बाद में महिला ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी हरिनारायण कुशवाहा के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

शादी का झांसा देकर तलाकशुदा महिला से रेप

जागरण, भोपाल। अवधपुरी थाना क्षेत्र में तलाकशुदा महिला को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार 27 वर्षीय महिला अयोध्या नगर में रहती है। वह वर्क फॉर होम काम करती है। साल 2022 में उसका पति से तलाक हो गया था। उसकी सात साल की बच्ची है। ढाई साल पहले एमपी नगर स्थित टीएनटी क्लब में उसकी पहचान अरवलिया निवासी आदित्य सिंह ठाकुर (21) से हुई। दोनों के बीच हुई बातचीत जल्द ही प्रेम-प्रसंग में बदल गई। तलाकशुदा होने के बावजूद आरोपी ने महिला से शादी करने की बात कही। महिला पहले अवधपुरी में साई अपार्टमेंट में किराए से रहती थी। जून 24 को उसने पहली बार महिला से शारीरिक संबंध बनाए। जिसके बाद वह शादी का झांसा देकर लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा। 18 मई को आरोपी ने महिला को होटल में मिलने के लिए बुलाया। जहां उसने शराब के नशे में महिला से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी की हरकतों से परेशान होकर महिला ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई।

सोशल मीडिया पर छाया 'जस्टिस फॉर त्विषा' एक्ट्रेस कंगना, पूर्व आईपीएस किरण बेदी, भोजपुरी कवि, महिला नेत्री व विदेशी महिला ने भी त्विषा केस में दी प्रतिक्रिया

दोबारा पोस्टमार्टम की अपील खारिज, कोर्ट ने कहा- मुझे अधिकार नहीं

सीएम से मिला त्विषा का परिवार, सरकार सीबीआई जांच के लिए पत्र लिखेगी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। त्विषा शर्मा सुसाइड केस में बुधवार को नया मोड़ सामने आया है। मृतका के परिजनों ने मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने भरोसा दिलाया है कि राज्य सरकार परिवार की पूरी तरह से सहायता करेगी। यदि मामले में सीबीआई जांच कराना है तो वे इसके लिए तैयार है। वह इसके लिए केंद्र को पत्र लिखेंगे। आरोपी त्विषा की सास पूर्व जिला जज गिरिबाला सिंह की जमानत रद्द कराने के लिए भी आवेदन किया जाएगा। वहीं दोबारा पोस्टमार्टम का फैसला कोर्ट को लेना है। त्विषा का परिवार लगातार दोबारा पोस्टमार्टम की मांग कर रहा है।

कोर्ट दोबारा पोस्टमॉर्टम के आदेश देता है, तो सरकार पार्थिव शरीर को दिल्ली एम्स तक पहुंचाने की व्यवस्था भी करेगी। परिवार के साथ रिटायर्ड सैनिक भी सीएम से मिले। परिवार ने मामले में दहेज हत्या की आरोपी सास गिरिबाला सिंह को कंज्यूमर फोरम से हटाने के लिए राज्यपाल डॉ. मंगू भाई पटेल को पत्र लिखा है। गिरिबाला सिंह अभी फोरम में जज हैं। शाम को भोपाल कोर्ट ने दिल्ली एम्स में दूसरा पोस्टमार्टम कराने की याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पहला पोस्टमार्टम भोपाल एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में हुआ है और जांच अभी जारी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा 197 बीएनएस, 2023 के तहत उनके पास अपने स्थानीय क्षेत्राधिकार भोपाल से बाहर जैसे दिल्ली में जांच या पोस्टमार्टम का आदेश देने का कानूनी अधिकार नहीं है। दोपहर में रिटायर्ड सैनिकों ने त्विषा के परिवार के समर्थन और न्याय के लिए बाइक रैली निकालकर प्रदर्शन किया।

नौंवे दिन भी नहीं लिया शव: 11-12 मई की दरम्यानी रात मूलतः नोएडा निवासी 31 वर्षीय त्विषा शर्मा की बागमुगालिया एक्सटेंशन कटारा हिल्स में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसे फांसी यानी सुसाइड बताया गया है लेकिन मृतका के परिवार का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है। उसके शरीर पर चोटों के निशान आए हैं। परिवार दिल्ली एम्स में दोबारा पोस्टमार्टम कराना चाहता है। इसके बाद शव का अंतिम संस्कार की बात कह रहा है। इसलिए घटना के नौवे दिन बाद भी उन्होंने शव नहीं लिया। शव अभी भी एम्स में रखा है।

बाइक रैली निकाली: रिटायर्ड सैनिकों ने जांच की मांग करते हुए बाइक रैली निकाली। लाल परेड ग्राउंड पहुंचकर प्रदर्शन किया। रिटायर्ड जनरल श्याम सुंदर श्रीवास्तव के नेतृत्व में स्पेशल डीजी अनिल कुमार शर्मा से मुलाकात कर मांगपत्र सौंपा। श्रीवास्तव ने बताया कि त्विषा के 5 मांगें उनके सामने रखी हैं।

लुकआउट नोटिस जारी, 30 हजार रुपए का हुआ ईनाम

दहेज हत्या का आरोपी पति समर्थ सिंह फरार चल रहा है। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी हुआ है। डीसीपी जोन-टू ने 10 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया था। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने आरोपी समर्थ पर 30 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया है। मामले में गठित एसआईटी उसकी तलाश में जुटी है और संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। परिवार पहले दिन से कह रहा है कि जल्द एफआईआर करो नहीं तो आरोपी भाग जाएगा और वैसा ही हुआ। परिवार का आरोप है कि पुलिस ने आरोपी समर्थ को भागने का मौका दिया। समर्थ पेशे से वकील है।

देशभर में हो रहे कैंडिल मार्च, राष्ट्रपति तक पहुंचा मामला

भोपाल। सोशल मीडिया पर इन दिनों भोपाल का त्विषा शर्मा सुसाइड केस छाया हुआ है। प्रदेश ही नहीं देश और विदेशी भी त्विषा को न्याय दिलाने की मांग उठ रही है। यह मामला राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू तक पहुंचा है। त्विषा के परिवार ने राष्ट्रपति को पत्र लिखा है कि यदि यह आत्महत्या थी तो शरीर पर चोटों के निशान कैसे मिले। केस के संबंध में सभी सोशल मीडिया पर अपनी राय और प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक्ट्रेस कंगना रनौत, पूर्व आईपीएस किरण बेदी, लोक गायिका नेहा सिंह राठौर, महिला नेत्री प्रियंका चतुर्वेदी, पूर्व महिला आर्मी ऑफिसर खुशबू पाटनी समेत तमाम लोगों ने इस केस को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट और वीडियो शेयर किए हैं। इसके अलावा पुणे महाराष्ट्र, जंतर मंतर न्यू दिल्ली और हाथरस यूपी जैसे शहरों में त्विषा के लिए कैंडिल मार्च निकाले गए हैं। प्रेयर मीट की जा रही है। जानकारी के अनुसार, एक्ट्रेस कंगना रानाउत ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर प्रतिक्रिया दी है। महिलाओं को लेकर भावुक व सख्त संदेश दिया है। कंगना ने कहा कि भारतीय समाज अक्सर शादी के बाद बेटियों को उनके हाल पर छोड़ देता है। उन्होंने माता-पिता से अपील की है कि शादी के बाद भी अपनी बेटियों का साथ न छोड़े। साथ ही लड़कियों को भी सलाह दी है कि शादी से पहले आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें, क्योंकि जिंदगी में सबसे पहले उनका कैरियर और आत्म सम्मान है। एक विदेशी महिला ने भी त्विषा सुसाइड केस में न्याय की मांग की है।

दहेज हत्या की वजह से महिलाओं की मौत : पूर्व आर्मी ऑफिसर खुशबू पाटनी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर बोला कि त्विषा शर्मा, ग्रेटर नोएडा की मोनिका व दीपिका नागर ऐसे बहुत सारे नाम इस हफ्ते सामने आए हैं कि जिनकी मौत हो चुकी है। ऐसी बहुत सी महिलाएं हैं जो दहेज हत्या की वजह से मर चुकी हैं या जिनकी मौत हो चुकी है।

ससुराल में सर्वाइव क्यों नहीं कर पाती: भोजपुरी कवि नेहा सिंह राठौर ने वीडियो जारी कर कहा कि भोपाल की त्विषा शर्मा और नोएडा की दीपिका नागर, इन दोनों को दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। संदिग्ध हालत में दोनों की मौत हो गई। आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि 25-30 साल मायके में सही सलामत रहने वाली बेटियां ससुराल में साल भर में भी सर्वाइव नहीं कर पाती हैं। पहले स्टोव फट जाते थे, अब छत से गिर जाती हैं या फांसी लगा लेती हैं। आखिर कैसे? सास या ननद क्यों नहीं मरती?

भोपाल में बंद रहीं चार हजार दवा दुकानें, भटकते रहे लोग

ऑनलाइन प्रिस्क्रिप्शन और दवा सप्लाई को लेकर देशभर में हड़ताल पर उतरे दवा व्यापारी

जागरण संवाददाता, भोपाल। देशभर में हो रही ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री के खिलाफ बुधवार को ऑल इंडिया केमिस्ट्स संगठन के आह्वान पर देश भर के थोक और फुटकर केमिस्ट और दावा व्यापारी हड़ताल पर रहे, जिसका असर भोपाल में भी देखने को मिला। हड़ताल के चलते भोपाल की 4 हजार से ज्यादा थोक और फुटकर दवा की दुकानें बंद रहीं। नतीजतन लोगों को जरूरी दवाओं के लिए भटकना पड़ा। हड़ताल के चलते विभिन्न अस्पतालों में भी डॉक्टरों को भी सर्जिकल आइटम के लिए परेशान होना पड़ा। जहां लोगों को जरूरत की दवाएं नहीं मिल सकीं। वहीं सर्जिकल सामान न मिलने से डॉक्टरों को कई स्थानों पर सर्जरी टालनी पड़ गई। दरअसल दवा व्यापारी ऑनलाइन दवा बिक्री, दवाओं पर ऑनलाइन मिल रहे भारी डिस्काउंट और बड़े कॉरपोरेट के दवा बाजार में प्रवेश को लेकर हड़ताल कर रहे हैं। दवा व्यापारियों का आरोप है कि डिस्काउंट के एवज में उपभोक्ताओं तक नकली दवाओं को पहुंचाया जा रहा है। ऐसे में यदि जिंदगी बचाने वाली दवाइयां ही अगर जानलेवा साबित होने लगेंगी, तो आम जनता का दवा व्यापारियों और केमिस्ट के ऊपर से भरोसा उठ जाएगा। वहीं भारी डिस्काउंट के कारण दवा व्यापारी रोजी रोटी चलाने में भी समर्थ नहीं हैं। इस दौरान दवा व्यापारियों ने ऑनलाइन दवा सप्लाई सिस्टम का पुतला भी दहन किया। बता दें कि हड़ताल के चलते नादरा बस स्टैंड चौराहा स्थित दवा बाजार और सामने स्थित मेडिकल स्ट्रीट की थोक दुकानें बंद रहीं। इसके अलावा शहर के सभी बड़े अस्पतालों के बाहर मौजूद दुकानें भी बंद रहीं। हालांकि निजी अस्पतालों के अंदर संचालित दुकानों को हड़ताल से दूर रखा गया था, जिसके कारण अस्पतालों में कामकाज ज्यादा प्रभावित नहीं हुआ।

कोविड के दौरान दी गई ऑनलाइन दवा बिक्री को अनुमति

कोविड काल के दौरान केंद्र सरकार ने लोगों तक जरूरी दवाइयां पहुंचाने के लिए ई-फार्मा स्टोर्स को रियायतें दी थीं। जिसके तहत ई फार्मा कंपनियां लॉकडाउन में भी कामकाज कर रही थीं। सरकार ने ई-फार्मा को आवश्यक सेवा का दर्जा दिया था। इस कारण डिलीवरी बिना रोक टोक के जारी रही। इसके अलावा डॉक्टरों के डिजिटल प्रिसक्रिप्शन के आधार पर भी दवाइयां बेचने की मंजूरी दी गई। इससे लोगों का मेडिकल स्टोर पर जाना रुक गया और लोग ऑनलाइन की दवाएं मंगवाने लग गए। दवा व्यापारियों के अनुसार इससे उनका रोजगार प्रभावित हो रहा है और लोगों तक नकली दवाएं पहुंच रही हैं। भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ के अनुसार यह केवल सांकेतिक प्रदर्शन है। यदि दवा माफियाओं पर लगाम नहीं लगती है, तो संगठन देशभर में अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चला जाएगा।

मौसेरे भाइयों ने नाबालिग पर चाकू से किया हमला

जागरण, भोपाल। तैलया थाना क्षेत्र में नाबालिग पर उसके भाइयों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घटना को उसके मौसी के लड़कों ने अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 15 साल नाबालिग फरहान करोंद में रहता है। उसके पिता ड्राइवर है। गर्मियों की छुट्टियों में वह खटीपुरा स्थित मौसी के घर आया था। जहां मंगलवार दोपहर फरहान का उसके दो भाईयों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान उन्होंने गाली गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों ने मिलकर उस पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे उसके गाल और कंधे पर गंभीर चोटें आई। घटना के बाद परिजन लहूलुहान हालत में निजी अस्पताल लेकर पहुंचे।

युवक को घर में कोबरा सांप ने काटा, मौत

जागरण, भोपाल। कजलीखेड़ा में कोबारा सांप के काटने से युवक की मौत हो गई। 50 वर्षीय अनीस खान कजलीखेड़ा में रहता था। 12 मई को वह अपने घर के पास खड़ा था। जहां उसे अचानक कुछ चुभने जैस महसूस हुआ। बाद में परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने बताया कि उसे जहरीले सांप ने काट लिया है। परिजनों ने जब घर की सीढ़ियों के छेद में सांप देखा, तो उन्होंने तुरंत टीम को बुलाकर ब्लैक कोबरा सांप का रेस्क्यू कर जंगल में छुड़वाया।

पंजाब मेल से गांजा तस्करी करने वाला गिरोह पकड़ाया

पांच महिलाएं समेत सात गिरफ्तार, 36 किग्रा बरामद

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पंजाब मेल से गांजा तस्करी करने वाले गिरोह का क्राइम ब्रांच ने भंडाफोड़ किया है। 5 महिलाएं समेत कुल 7 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर 36 किग्रा गांजा बरामद किया है। घरेलू सामान जैसे प्लास्टिक की टोकरी, टप, तगाड़ी की आड़ में मादक पदार्थ की तस्करी की जा रही थी। वह करारिया जंगल के आउटर पर उतरकर छोला मंदिर चले जाते इससे पहले पुलिस की टीम ने उन्हें दबोच लिया। पुलिस ने उनसे दो एंड्रायड मोबाइल भी जब्त किए हैं। गांजे की कीमत 4 लाख रुपए आंकी गई है। सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों के गांजा सप्लाई नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है।

एडिशनल डीसीपी क्राइम शैलेंद्र सिंह चौहान के मुताबिक, मुखबिर से सूचना मिली थी कि पंजाब मेल से कुछ महिलाएं और पुरुष बड़ा मात्रा में गांजा की खेप लेकर भोपाल आ रहे हैं। इस पर एक टीम तैयार की। पुलिस टीम ने स्टेशन बजरिया क्षेत्र स्थित कोच फैक्ट्री काली मंदिर के पास घेराबंदी कर मुखबिर द्वारा बताए हुलिए के आधार पर सभी संदिग्धों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राहुल सौदा (38) पिता सुनार सिंह सौदा निवासी तिलक मार्केट मछली बाजार इतवारा तलैया, रवि मेसकर (26) पिता रंगी मेसकर निवासी छोला मंदिर, रचना सौदा (37) पति महेश सौदा निवासी झुग्गी मंडी बमौरा सागर, सीमा सौदा (35) पति धर्म सौदा निवासी गरीब नगर छोला मंदिर, निधि सौदा (25) पति राहुल सौदा निवासी तिलक मार्केट मछली बाजार इतवारा तलैया, काजल मेसकर (18) पिता सरबन मेसकर निवासी नागवास रोड झुग्गी मंडी बमौरा सागर और आरती ऊंटबार (25) पति नरेंद्र ऊंटबार निवासी मंडी बमौरा सागर के रूप में हुई।

मजदूरी करने वाले निकले तस्कर

तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से मिले अलग-अलग बैग, झोले एवं प्लास्टिक की बोरियों में ब्राउन रंग के टेप से लिपटे पैकेट मिले। जिन्हें खोलकर देखने पर उनमें हरे रंग का पत्तीदार एवं नमीयुक्त पदार्थ भरा मिला। पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा उक्त पदार्थ को गांजा होना बताया गया। जोकि 36 किग्रा था। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी बाहरी राज्यों से गांजा लाकर भोपाल शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई करने का काम करते थे। दिखाने के लिए सभी मजदूरी करते हैं।

फिर ठंडे बस्ते में हलालपुर पटाखा बाजार की शिफ्टिंग

लालघाटी के पास रिहायशी बस्ती के पास संचालित हो रहा बाजार, कभी भी हो सकता है भीषण हादसा

जागरण संवाददाता, भोपाल। देवास जिले की पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण हादसे के बाद राजधानी भोपाल का हलालपुर पटाखा बाजार एक बार फिर प्रशासन के रडार पर आ गया है, लेकिन कार्रवाई की रफ्तार अब भी सुस्त नजर आ रही है। आबादी के बीच रिहायशी क्षेत्र में संचालित हो रहे इस संवेदनशील बाजार को शहर से बाहर शिफ्ट करने की कवायद पिछले एक दशक से सिर्फ सरकारी फाइलों में ही दौड़ रही है। नियम यह है कि जब भी कोई बड़ा हादसा होता है, तो अफसर आनन-फानन में शिफ्टिंग की बड़ी-बड़ी योजनाएं तैयार करते हैं। लेकिन कुछ ही दिनों में मामला पूरी तरह ठंडा हो जाता है। हालांकि देवास में हुई घटना के बाद कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने एसडीएम बैरागढ़ को पटाखा बाजार का निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि 1997 में कबाड़खाना इलाके में हुए दर्दनाक हादसे के बाद प्रशासन ने पटाखा बाजार को हलालपुर में शिफ्ट कर दिया थी, क्योंकि तब यह इलाका शहर से दूर एकांत में मौजूद था, लेकिन आज की तारीख में पटाखा बाजार के आसपास रिहायशी बस्ती, पेट्रोल पंप और दो बस स्टैंड संचालित हो रहे हैं।

इस कारण बाजार की शिफ्टिंग है जरूरी : हलालपुर पटाख बाजार में 15 से ज्यादा थोक पटाखा दुकानें सड़क किनारे बिजली सब-स्टेशन, हाई-टेंशन ट्रांसफार्मर, पेट्रोल पंप, अस्पताल, बस स्टैंड और रिहायशी कॉलोनियों के बिल्कुल करीब संचालित हो रही हैं। ऐसे में व्यस्त और संवेदनशील इलाके में बारूद का यह कारोबार कभी भी बड़े खतरे का रूप ले सकता है। यदि आगजनी की घटना घटती है, तो तंग रास्तों और घनी बसाहट के कारण स्थानीय लोगों को संभलने और बचाव कार्य शुरू करने का समय भी नहीं मिल पाएगा।

दिवस विशेष — टपरी की 'कटिंग' से लेकर स्टारबक्स के 'लाटे' तक, भोपाल में रोज 15 लाख कप चाय की चुस्कियां

कड़क चाय, नवाबी अंदाज और मॉडर्न कैफे, यही है भोपाल का टी कल्चर

जागरण, भोपाल। झीलों की नगरी भोपाल अपनी तहजीब, नवाबी विरासत और सुकूनभरे मिजाज के साथ-साथ चाय के प्रति दीवानगी के लिए भी खास पहचान रखती है। यहां चाय सिर्फ एक पेय पदार्थ नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी, रिश्तों और बातचीत का अहम हिस्सा है। शहर में सुबह की शुरुआत टपरी पर कड़क चाय से होती है और रातें कैफे की प्रीमियम सिप के साथ खत्म होती हैं। अनुमान है कि भोपाल में रोजाना 10 से 15 लाख कप चाय सुड़क ली जाती है। पुराने शहर की गलियों में नमक वाली सुलेमानी चाय की महक लोगों को अपनी ओर खींचती है, तो दूसरी तरफ स्टारबक्स, नूर-उस-सबाह और नए स्टार्टअप्स ने चाय को आधुनिक लाइफस्टाइल और स्टेटस सिंबल का रूप दे दिया है। यही वजह है कि भोपाल की चाय संस्कृति अब टपरी, कुल्हड़, कैफे और कॉर्पोरेट मीटिंग्स तक फैल चुकी है। पुराने भोपाल की गलियों में शाम ढलते ही सुलेमानी चाय की खुशबू फैलने लगती है। नमक वाली यह खास चाय शहर की पहचान मानी जाती है। इस चाय का इतिहास भी दिलचस्प है। भोपाल की बेगम सिकंदर जहां एक बार तुर्की के दौरे पर गईं और वहां से इस नमक वाली चाय की रेसीपी लेकर आईं। बाद में पंजाब के महाराजा रंजीत सिंह ने भी नवाब हमीदुल्लाह को एक खास चाय के जायके का राज बताया और इस तरह भोपाल की नमक वाली चाय धीरे-धीरे नवाबों के महल में और फिर वहां से निकल कर शहर की होटलों में पहुंची और आज लोगों की आदत बन गई। सुलेमानी चाय बनाने वाले गुड्डू भाई बताते हैं कि इसके लिए एक पात्र में चाय पत्ती, शक्कर और खड़ा नमक डालकर उबाला जाता है। फिर इसे तांबे के 'शमाबार' (एक विशेष बर्तन) में धीमी आंच पर पकाया जाता है और अंत में गर्म दूध में मिलाया जाता है। नवाबी दौर में इसमें मुश्क, अंबर और जाफरान भी मिलाया जाता था। स्वाद के साथ-साथ यह सेहत के लिए भी फायदेमंद है। यह गले की खराश, कफ, सिरदर्द और खांसी में दवा की तरह काम करती है, इसलिए ठंड के मौसम में इसकी मांग और बढ़ जाती है। भोपाल की चाय संस्कृति में एक तरफ जहां जमीन से जुड़ी 'टपरी' है, तो दूसरी तरफ कॉर्पोरेट लाइफस्टाइल को दर्शाने वाला 'स्टारबक्स' है। इन दोनों के अनुभव और गणित में जमीन-आसमान का अंतर है।

शहर के चर्चित चाय स्टार्टअप्स
- वकील चाय वाला
- चाय लीला
- कुल्हड़ वाला
- चाय 34
- चाय काफी

कीमत और परोसने का अंदाज

टपरी पर चाय महज 10 से 20 रुपये में छोटे कांच के गिलासों, पेपर कप या मिट्टी के कुल्हड़ में मिल जाती है। इसके विपरीत, स्टारबक्स में चाय की कीमत 295 रुपये से शुरू होकर 'चाय टी लाटे' के लिए 375 रुपये तक जाती है। वहीं, हेरिटेज होटल नूर-उस-सबाह में एक कप चाय 249 रुपये और आइस्ड टी 299 रुपये की पड़ती है। इन्हें ब्रांडेड लोगो वाले सिरेमिक मग या ढक्कन वाले प्रीमियम कप में परोसा जाता है।

चाय के नए फ्लेवर
- लेमन आइस टी
- पीच आइस टी
- तरबूज आइस टी
- अनानास आइस टी
- ब्लू पंच आइस टी
- पुदीना चाय
- पर्पल चाय
- हिबिस्कस चाय
- माचा चाय
- मोरक्कन पुदीना चाय
- दालचीनी चाय
- वनीला चाय
- चॉकलेट चाय
- ग्रीन टी
- ब्लैक टी

स्वाद और बनाने का तरीका: टपरी की चाय में दूध, चीनी व अदरक या इलायची का कड़क देसी स्वाद होता है, जिसे धीमी आंच पर देर तक उबाला जाता है। वहीं, स्टारबक्स मुख्य रूप से अपनी 'चाय लैटे' या इंटरनेशनल ग्रीन और ब्लैक टी के लिए जाना जाता है, जहां मसालों का स्वाद काफी हल्का और वैश्विक स्तर का होता है।

एम्बियंस: टपरी पर जहां सड़क किनारे खड़े होकर बतरस का आनंद लिया जाता है। वहीं, स्टारबक्स या नूर-उस-सबाह जैसे ठिकाने शांत और आलीशान माहौल देते हैं, जहां लोग मीटिंग्स या लैपटॉप पर काम करते हुए चाय की चुस्कियां लेते हैं।

बड़े अब्बा ने दान में दिया प्लाट बताकर डाला ताला, एफआईआर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। अशोका गार्डन पुलिस ने प्लाट पर कब्जा का केस दर्ज किया है। आरोपी ने बड़े अब्बा ने दान में दिया प्लाट बताकर उस पर कब्जा कर लिया था। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। रहमान खान पीएंडटी चौराहे के पास रहते हैं और कारोबारी है। उन्होंने वर्ष 2025 में सुभाष कालोनी अशोका गार्डन में एक प्लाट 14 लाख में लिया था। इस पर कुछ निर्माण भी है। रहमान ने यह प्लाट मुन्नी बाई से खरीदा था, जिसकी रजिस्ट्री भी करवा ली थी। जनवरी 2026 में इस निर्माणाधीन प्लाट पर साबर खान नाम के युवक ने कब्जा कर ताला डाल दिया। उसका कहना था कि उसे बड़े अब्बा ने यह दान में प्लाट दिया था। शिकायत के बाद पुलिस ने जांच की आरोपी कोई दस्तावेज नहीं दे पाया। जबकि पीड़ित के पास रजिस्ट्री के दस्तावेज थे। इस आधार पुलिस ने आरोपी साबर खान के खिलाफ केस दर्ज किया है।

प्रेम और करुणा में अंतर

प्रेम अक्सर किसी एक के लिए होता है। यह सुंदर हो सकता है, पर यह किसी विशेष के लिए होता है। अगर। दो प्रेमी एक साथ बैठे हों तो वे सारी दुनिया से कट जाते हैं। उन्होंने अपने लिए निकटता की एक अलग ही दुनिया बना ली है। मूल रूप से, यह गोपनीय षड्यंत्र की तरह है, जिसके बारे में कोई दूसरा नहीं जानता।

चिंतन धरोहर

सद्गुरु
आध्यात्मिक गुरु
ईशा फाउंडेशन

आप अपने भीतर जितने भावों को पोषित कर सकते हैं, उन सब में करुणा सबसे कम बंधन और उलझाव पैदा करने वाली है। यह सबसे अधिक मुक्तिदायक भावना है। करुणा भावनाओं का ऐसा आयाम है, जो किसी भी वस्तु या व्यक्ति के साथ नहीं उलझता। अकसर आपके प्रेम का ईंधन उन्माद होता है। करुणा का अर्थ है, उन्माद का विस्तार। जब यह किसी एक के लिए होता है, तो इसे उन्माद कहते हैं, जब यह सबको अपने में सम्मिलित कर लेता है, तो इसे ही करुणा कहते हैं। प्रेम आरंभ में एक प्रकार की पसंद के साथ शुरू होता है, इसलिए यह किसी वस्तु या व्यक्ति पर निर्भर होता है, जो आपके लिए अच्छा हो ! आपका ध्यान हमेशा किसी व्यक्ति या वस्तु की अच्छाई पर लगा रहता है। दूसरे शब्दों में, भाव सीमित हो जाते हैं। जिसे आप प्रेम करते हैं, यदि वह अच्छा है, तभी आप उसे प्रेम करते रह सकते हैं। यदि वह आपको खराब लगने लगता है, तो आप उससे प्रेम नहीं कर सकते। जबकि अगर कोई खराब है, या खराब। हालत में हैं, तब उसके लिए आपकी करुणा अधिक होगी। करुणा अच्छे और खराब के बीच भेद नहीं करती। इसलिए करुणा निश्चित रूप से मुक्तिदायी है।

प्रेम अक्सर किसी एक के लिए होता है। यह सुंदर हो सकता है, पर यह किसी विशेष के लिए होता है। अगर दो प्रेमी एक साथ बैठे हों तो वे सारी दुनिया से कट जाते हैं। उन्होंने अपने लिए निकटता की एक अलग ही दुनिया बना ली है। मूल रूप से, यह गोपनीय षड्यंत्र की तरह है, जिसके बारे में कोई दूसरा नहीं जानता। अधिकतर लोगों के लिए यह षड्यंत्र ही प्रेम का सच्चा आनंद है। वे इसका आनंद उठाते हैं, पर जब उनका विवाह होता है, तो वे इसकी घोषणा कर देते हैं । इस प्रसंग से उनका सारा आनंद जाने लगता है, क्योंकि अब यह गोपनीय नहीं रहा। उनका षड्यंत्र हर कोई जान चुका है। प्रेम को करुणा में बदलकर मुक्ति की ओर बढ़ सकते हैं। अगर प्रेम उन्माद से आरंभ होकर उन्माद पर समाप्त होता है, तो यह आपके लिए उलझन बन जाएगा। लेकिन अगर यह उन्माद करुणा में बदल जाता है, तो यह आपको मुक्त कर सकता है।

प्रेम बंधनकारी है, लेकिन करुणा सभी बंधनों से मुक्त कर देती है...

धर्म की व्यापकता

मानस मर्म

स्वामी मैथिलीशरण
संस्थापक अध्यक्ष,
श्री रामकिंकर
विचार मिशन

युद्ध का आधार मात्र अहंकार होता है। आज वैज्ञानिक प्रचार-प्रसार ने वैमनस्यता को बढ़ा दिया है । कोई ऐसा धर्म नहीं, जो अपना पानी, अपनी वायु, अपना आकाश, सूर्य-चंद्र और पृथ्वी लेकर पैदा हुआ हो? सारा संसार और प्रकृति एक अद्वैत ब्रह्म पर आधारित है, जिसने करुणा के प्रसार के लिए रूप धारण किया और कृपा की.....

ब्रह्म निरूपन धरम बिधि
बरनहिं तत्व बिभाग।
कहहिं भगति भगवंत के
संजुत ग्यान बिराग॥

श्रीरामचरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा निर्दिष्ट ब्रह्म के निरूपण, धर्म के विधान और तत्व विभाग को समझना आवश्यक है। मानस के अनुसार, ज्ञान- वैराग्ययुक्त भक्ति करने से हम संसार में लिप्त नहीं होते हैं। यही है ब्रह्म का निरूपण, धर्म का विधान तथा तत्व का निरूपण । त्रिवेणी तट पर महर्षि भरद्वाज इसी त्रिपुटी के आचार्य हैं। जीवन में भक्ति की गंगा, कर्म की त्रिवेणी और ज्ञान की सरस्वती की आवश्यकता है।

लेकिन आज सारा विश्व लक्ष्मण-रेखा को लांघ रहा है। दूसरे की शांति - सीता का, लक्ष्मी- सीता का शक्ति - सीता का हरण ही रावणत्व की पहचान है, जिसके लिए लक्ष्मण-रेखा को पार करना अपने विनाश को जन्म देने जैसा है। दूसरे की सीमा में जाकर अपने अहंकार की स्थापना ही सबका परम लक्ष्य हो गया है। रावण और रावणत्व का अंत निश्चित होता है। व्यक्तियों, परिवारों, जातियों, देशों में यह रावणत्व परिव्याप्त हो गया है। व्यक्ति जब विवेकहीन हो जाता है, तब वह बाढ़ वाली नदी बन जाता है, जो संहार करती है। विवेकयुक्त होकर प्रवहमान रहना समाज की आवश्यकता भी है और आदर्श भी। हमारे यहां चंद्रमा की पूजा अमृतत्व के लिए होती है, जो धान्य में मिठास भरता है। आकाश हमें शब्द देता है। सूर्य धान्य को पकाता है। पृथ्वी पर हम पैर रखते हैं, वह हमें क्षमा सिखाती है। वायु से हमें सुगंध और दुर्गंध का ज्ञान होता है। अग्नि में हम भोजन पकाते हैं। हम जिन पंचतत्वों का उपयोग करते हैं, ब्रह्म निरूपण, धर्म के विधान तथा तत्व के विभाग करके वैदिक मंत्रों के रूप में मानव मात्र के कल्याण के लिए उनसे अनुकूल बने रहने की प्रार्थना करते हैं।

हमारे देवी-देवता, अलग-अलग पूजन विधि आदि आध्यात्मिक विज्ञान है। यह धर्म की व्यापकता है। यह वही व्यापकता है, जो किसी भी धर्म, जाति, मान्यता या संप्रदाय का व्यक्ति खट्टे को खट्टा कहेगा और मीठे को मीठा। मीठे को खट्टा कहकर हम अपने ही घर-परिवार में अज्ञानी सिद्ध हो जाएंगे। ज्ञान सबको है, पर यह अहंकार धर्म पर डाला हुआ आवरण है। आम, जामुन, पानी, दूध, दही, घी, कड़वा-मीठा सब में सब एक मत हैं, पर ईश्वर और धर्म के संदर्भ में मतभेद हैं। ये मतभेद ईश्वर को न जानने के कारण हैं। हम आम को जानते हैं, ईश्वर को नहीं जानते। भोगों को लेकर सब एक मत हैं, पर ईश्वर को लेकर मतभेद हैं। शोध का विषय जब वेद होंगे तो उस मंथन में अमृत प्रकट होगा। जब हम अहंकार का मंथन करेंगे तो विनाश जन्म लेगा। युद्ध का आधार केवल अहंकार होता है। आज वैज्ञानिक प्रचार-प्रसार ने उस वैमनस्यता को और सुलगा दिया है। किसी को इतना विवेक नहीं है कि क्या कोई ऐसा धर्म है, जो अपना पानी, अपनी वायु, अपना आकाश, सूर्य-चंद्र- पृथ्वी लेकर पैदा हुआ हो ? सारा संसार, प्रकृति एक अद्वैत पर आधारित है, जिसने अपनी कृपा व करुणा के प्रसार के लिए रूप धारण किया और कृपा की। हम न स्वयं चिल्लाते हैं, न दूसरों पर चिल्लाते हैं। हमारे यहां अनहद नाद सुनकर ध्यान में स्थित रहा जाता है।

त्रेता युग में भगवान श्रीराम ने मिटा दिए थे सारे मतभेद

भगवान राम ने त्रेतायुग में प्रकट होकर समस्त मतभेदों को मिटा दिया था। भगवान जब प्रकट होते हैं तो सारे ग्रह, नक्षत्र, योग, लगन, वार, तिथिसब अनुकूल क्यों हो जाते हैं? क्योंकि सबको आनंद देनेवाला, सबको सुख देने वाला, सबकी आवश्यकता और उनके गुणों का सम्मान करने वाला ईश्वर अवतरित होता है। हर एक बंदर का सम्मान, संसार की सारी प्रकृति से प्रेम, कष्ट स्वीकार करके दूसरे को सुख देने के लिए कांटों को स्वीकार कर लेना। धर्म और ईश्वर संसार के किसी दर्शन और दार्शनिक के मतया मतभेद का मोहताज नहीं है। वह बहुत बड़ा है। जो अनिर्वचनीय होते हुए भी गांव के आदिवासियों की भाषा सुनकर न केवल स्वयं आनंद लेता है, अपितु केवट की अटपटी वाणी को सुनकर आनंद लेने के लिए श्रीसीता और अनुज लक्ष्मण को आमंत्रित करता है। भगवान ने अपनी संपूर्ण लीला में कहीं एक बार भी अपने अहंकार को प्रकट नहीं किया, अपितु दूसरों के अहंकार का सम्मान किया। अहंकार आलोचना का पात्र होता ही तब है, जब उसका पोषण हम अपने लिए तो करना चाहते हैं, पर दूसरे के अहंकार को तोड़ना चाहते हैं। आज का विज्ञान पदार्थ के निर्माण पर और उसकी मात्रा को बढ़ाने में अपनी विजय, वीरता और महानता मानता है, पर वह यह नहीं जानता है कि हृदय में प्रवेश किए बिना यदि किसी के घर में प्रवेश करोगे तो खिड़की तोड़कर आना पड़ेगा, खुद को चोर कहलाना पड़ेगा। जबरदस्ती घुसना, जबरदस्ती मनवाना, जबरदस्ती अपनी अनधिकृत सीमाओं को बढ़ाने का कुप्रयास हमसे धर्म के चिह्नों को तो धुलवाता है, पर धर्म के साररूप परम तत्व को न समझ पाने के कारण हम विज्ञान और प्रगति की मिथ्या सफलता को धर्म पालक और धर्मज्ञ की उपाधि से स्वयं को अपने आप ही अभिनंदित करते रहते हैं। अपनी सीमा बना लो, दूसरे को उसकी सीमा का ज्ञान स्वयं हो जाएगा। असीम केवल ईश्वर है । हम अपने क्षुद्र अहंकार को सीमा के अंदर रखें, ताकि सब लोग सीमित साधनों में असीम सुख और शांति का अनुभव कर सकें। राम के द्वारा सीता की कृपा प्राप्त कीजिए और सीता के द्वारा श्रीराम की करुणा को प्राप्त कर धन्य हो जाइए। ईश्वर सूर्य-चंद्र-तारों और सब में बैठकर हमें देख रहा है कि कौन राम है, कौन रावण !

मानवीय मूल्य सिखाता है अध्यात्म

जीवन दर्शन

श्री श्री रविशंकर
आध्यात्मिक गुरु,
आर्ट आफ लिविंग

आध्यात्मिक विकास का अर्थ है कि हमारे भीतर मानवीय मूल्यों का विकास हो। ये मूल्य जीवन में बहुत उपयोगी हैं....

धर्म अहिंसा, शांति, मित्रता, करुणा और सेवा के मूल्यों पर जोर देते हैं। इन सामान्य सिद्धांतों को आरंभ से ही बच्चों को सिखाना चाहिए। क्रोध और घृणा से निपटने में आध्यात्मिक शिक्षा महत्वपूर्ण है। क्रोध और घृणा की स्थिति में व्यक्ति तर्क की दृष्टि खो देता है। जब तर्क करने की क्षमता खो जाती है, तो सहिष्णुता और करुणा जैसे मानवीय मूल्य खो जाते हैं।

हिंसक व्यक्ति के पास जीवन के लिए कोई सम्मान नहीं है। यह आध्यात्मिक शिक्षा की कमी के कारण है। यह कमी एक तरफ घरेलू और सामाजिक हिंसा को जन्म देती है और दूसरी तरफ आत्मघाती प्रवृत्ति को। जब कोई व्यक्ति निराश या क्रोधित होता है, तो आप उससे भाईचारे और अहिंसा की आशा नहीं कर सकते।

समाज से जुड़ाव की भावना इस बात पर निर्भर करती है कि लोग अहिंसा या अहिंसा के सिद्धांत के प्रति कितने उन्मुख हैं। यदि अहिंसा, प्रेम, मित्रता और करुणा के मूल्य किसी व्यक्ति में दृढ़ता से समाहित

हैं, तो वह अपनी निराशा को बेहतर ढंग से संभाल सकता है। हमें दुनिया के हर हिस्से से ज्ञान और बुद्धि को स्वीकार करना सीखना होगा। हम वैश्वीकरण के युग में जी रहे हैं, हमें बुद्धि को भी वैश्वीकृत करने की आवश्यकता है। अगर दुनिया के एक हिस्से में भी मित्रता, सहिष्णुता और करुणा के इन मानवीय मूल्यों की कमी है, तो दुनिया सुरक्षित जगह नहीं होगी, क्योंकि वह हिस्सा हिंसा और आतंकवाद को जन्म दे सकता है।

हमें हिंसा की घटनाओं के मूल कारण तक पहुंचने की आवश्यकता है। समस्या यह है कि शांतिप्रिय लोग समाज में शांति को बढ़ावा देने में सक्रिय नहीं होते हैं और जो सक्रिय होते हैं, उनके भीतर शांति की कमी होती है। आज समाज में शांति और गतिशीलता के संयोजन की आवश्यकता है यह आध्यात्मिक शिक्षा से संभव है। हमें मित्रता, करुणा और अहिंसा के मानवीय मूल्यों के बारे में समाज को शिक्षित करने में भूमिका निभानी चाहिए। मानवीय मूल्य सभी संस्कृतियों और समाजों में सामाजिक प्रगति और आध्यात्मिक विकास का प्रतिनिधित्व करते हैं। जब हम किसी के जीवन के आध्यात्मिक पहलू पर ध्यान देते हैं, तो वह पहलू उसके दायित्व, सेवा भावना, करुणा और पूरी मानवता की देखभाल की भावना जुड़ा होता है।

आध्यात्मिकता जीवन को बनाए रखती है। यह जाति, पंथ, धर्म और राष्ट्र की सीमाओं के परे जीवन के बारे में बात करती है। आध्यात्मिकता व्यक्ति को प्रत्येक जगह उपस्थित जीवन के बारे में जागरूकता देती है। इस जागरूकता और मानवीय चेतना के उत्थान के माध्यम से ही समाज में हिंसा की भावना को समाप्त किया जा सकता है।

भोपाल में 21 साल पुराने जमीन घोटाले में सजा

सुनवाई: आरोपियों ने किसान की 4 एकड़ जमीन 40 हजार में बेची थी, बैंक अफसर समेत 4 को 3-3 साल की जेल

भोपाल। भोपाल में किसान की कृषि भूमि को नियम विरुद्ध बेहद कम कीमत पर नीलाम करने के 21 साल पुराने भ्रष्टाचार मामले में बुधवार को स्पेशल कोर्ट ने बैंक अधिकारियों समेत 4 आरोपियों को 3-3 साल के सजा सुनाई है। कोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की। मामला भोपाल के ग्राम अगरिया का है। यहां किसान गिलेडबिन सहाय ने साल 1974 में खेती के काम के लिए 18 हजार रुपए का लोन लिया था। इसके बदले उसकी जमीन बैंक में गिरवी रखी गई थी।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर किसान की जमीन बेची: बैंक अधिकारियों ने मिलकर किसान की 4.34 एकड़ जमीन साल 2005 में सिर्फ 40 हजार रुपए में बेच दी। जबकि जमीन की कीमत इससे कहीं ज्यादा थी। जांच में सामने आया कि नीलामी के नियमों का पालन नहीं किया गया और फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए। शिकायत के बाद लोकायुक्त पुलिस ने

जांच की। जांच पूरी होने के बाद कोर्ट में मामला पेश किया गया। कोर्ट ने सबूतों और गवाहों के आधार पर चारों आरोपियों को दोषी मानते हुए सजा सुनाई। सरकारी वकील हेमलता कुशवाह ने बताया कि जिला सहकारी एवं ग्रामीण विकास बैंक के अधिकारी हरिहर प्रसाद मिश्रा, अशोक मुखरैया, एपीएस कुशवाह और जमीन खरीदने वाले साजिद कुरैशी को कोर्ट ने दोषी पाया।

राजाभोज एयरपोर्ट की मशीन ने अमचूर को बताया हेरोइन, 10 लाख क्षतिपूर्ति का आदेश

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति दीपक खोत की एकलपीठ ने 16 वर्ष पूर्व अमचूर को हेरोइन बताने के मामले में 10 लाख हर्जाने का आदेश सुनाया। मामला ग्वालियर निवासी इंजीनियर से संबंधित है, जिसे 2010 में भोपाल एयरपोर्ट की मशीन की गलती के कारण 57 दिन की जेल काटनी पड़ी थी। दरअसल, दिल्ली के लिए फ्लाइट पकड़ने भोपाल एयरपोर्ट पहुंचे इंजीनियर अजय सिंह को सुरक्षा जांच के दौरान रोक लिया गया था। उनके बैग में रखे अमचूर पाउडर को एयरपोर्ट की एक्सप्लोसिव ट्रेस डिटेक्टर मशीन ने हेरोइन और अन्य ड्रग्स बताकर अलार्म दे दिया। इसके बाद अजय पर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया था। 57 दिन बाद फारेंसिक जांच में सामने आया कि बैग में रखा पाउडर अमचूर मसाला था। हाई कोर्ट ने राच्य की फारेंसिक जांच व्यवस्था पर तल्ख टिप्पणी करते हुए अजय सिंह के हक में हर्जाना देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने साफ किया कि यदि राच्य की प्रयोगशालाओं के पास जांच के जरूरी उपकरण ही नहीं हैं तो बड़े ढांचे और विशेषज्ञ अधिकारियों की तैनाती का क्या औचित्य है। संसाधनों की कमी से निर्दोष को 57 दिन जेल में रहना पड़ा, जो उसके जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि एक महीने के भीतर प्रदेश की सभी रीजनल फारेंसिक साइंस लेबोरेटरीज का निरीक्षण कर जरूरी उपकरण और स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

एनएचएआई द्वारा किए जा रहे काम के चलते बाधित रहेगी बिजली

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर में आज नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा किए जा रहे लाइन शिफ्टिंग के काम के चलते कई जगहों पर सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक कुल 6 घंटे के लिए बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित रहेगी। जिससे नागरिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसारआज करोंद चौराहा स्थित ब्रिज कॉलोनी, माया एन्क्लेव, करोंद स्क्वायर, सीआईएई नबीबाग, निशातपुरा थाना और गैस राहत कॉलोनी, मौलाना आजाद अस्पताल, मेन रोड के आसपास और न्यू जेल रोड स्थित पलासी गांव, एलेक्जिर ग्रीन, नाइस स्पेस कॉलोनी, राजनगर पलासी, प्रिंस पैराडाइज अन्य रहवासी इलाकों में बिजली सप्लाई 8 से 2 बजे तक बाधित रहेगी।

SECRETARY KRISHI UPAJ MANDI SAMITI BEGAMGANJ, Distt: RAISEN

No./Nirman/26-27/111 Dated : 20.05.2026

NOTICE INVITING TENDER (IInd Call)

Online Percentage Rate E-Tenders are invited from contractors registered with the Office of the Engineer in Chief, M.P. Public Works Department, Government of Madhya Pradesh (Centralized Registration Cell) for Increase of Height in Boundary wall at main mandi yard Begamganj. (Name & Place) of work 01 Tender Number: 2026_MPSAM_508972_1 (PAC amount Rs. 15.71 Lac). The following works Tender to be received Online **up to 17:30 PM on Dated 12.06.2026.** Technical bid documents with EMD & Financial Offer to be received online only as per Detailed NIT. The tender documents can be obtained online on the **http://mptenders.gov.in** as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website **www.mpmandiboard.gov.in**

Note :- Any corrigendum in this NIT, if required, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of Construction/Development works and locations & key dates can also be seen on our website **www.mpmandiboard.gov.in**

M.P. Madhyam/125867/2026 **SECRETARY**

कबीर के निर्गुण भजनों से सजी लोक संगीत की सुरमयी शाम

जागरण, भोपाल। कलाव्योम फाउंडेशन द्वारा मासिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ भव्य लोक गायन संध्या के साथ हुआ। समरज्ञ कबीर फाउंडेशन एवं अक्षदा सोशल वेल्फेयर सोसाइटी के सहयोग से कुबेर बैंक्वेट, बाग मुगालिया में आयोजित कार्यक्रम में पद्मश्री सम्मानित लोक गायक डॉ. कालूराम बामनिया ने कबीर और मालवा अंचल के लोक गीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने 'मन लागो मेरो यार फकीरी में' और 'उड़ जाएगा हंस अकेला' जैसे प्रसिद्ध निर्गुण भजनों की प्रस्तुति दी, जिस पर सभागार तालियों से गूंज उठा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चिंतक डॉ. अमोघ गुप्ता ने कहा कि लोक संगीत समाज की सांस्कृतिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है। अध्यक्षता पद्मश्री 2026 के लिए चयनित वरिष्ठ पुरातत्वविद् डॉ. नारायण व्यास ने की। संस्था के आलोक शर्मा ने बताया कि हर माह के दूसरे शनिवार को ऐसे सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन चित्रांश खरे ने किया, जबकि अंत में कवि डॉ. अरुण खोबरे ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कला प्रेमी और संगीत अनुरागी उपस्थित रहे।

वर्कशॉप के पांचवें दिन नारी सम्मान की थीम पर दिखा भावनात्मक प्रदर्शन

डांस भावनाओं रचनात्मकता की अभिव्यक्ति

जागरण, भोपाल। ब्लेस वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित 15 दिवसीय 'प्रोडक्शन बेस्ड कंटेम्परेरी डांस वर्कशॉप' के पांचवें दिन प्रतिभागियों को कंटेम्परेरी डांस की उन्नत तकनीकों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों और युवाओं ने फ्लोर रोल, स्पाइरल मूवमेंट, रिलीज टेक्नीक, स्विंग मूवमेंट, बॉडी आइसोलेशन, कॉन्ट्रैक्ट एंड रिलीज, लीप्स और बैलेंसिंग जैसी तकनीकों का अभ्यास किया। इसके साथ ही विभिन्न टर्न्स और जंप्स की बारीकियां भी समझाई गई। वर्कशॉप का संचालन कर रहे डांस एक्सपर्ट योगेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि कंटेम्परेरी डांस केवल तकनीक नहीं, बल्कि भावनाओं और रचनात्मकता की अभिव्यक्ति है। उन्होंने बताया कि एक बेहतर डांसर बनने के

लिए बैले, मॉडर्न, जैज, लिरिकल और कंटेम्परेरी जैसी सभी शैलियों की समझ जरूरी है। दूसरे चरण में प्रतिभागियों ने डांस ड्रामा 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते' की थीम पर अभ्यास किया। इस प्रस्तुति के माध्यम से नारी सम्मान, सुरक्षा और महिलाओं के महत्व का संदेश दिया गया। बच्चों और युवाओं ने अभिनय और नृत्य के संयोजन से भावनात्मक दृश्य प्रस्तुत किए।

सात दिन में गणना पत्रक सहित दस्तावेज मुहैया कराएं

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा ने याचिका का इस निर्देश के साथ निराकरण कर दिया कि सात दिन में गणना पत्रक सहित दस्तावेज मुहैया करा दें। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी श्याम मोहन वर्मा ने आरोप लगाया था कि याचिका पर पारित पूर्व निर्देश का समुचित पालन नदारद है। उसे भुगतान तो सही ढंग से किए गए हैं किंतु अपेक्षित दस्तावेज प्रदान करने के निर्देश का परिपालन नहीं किया गया।

मां-बच्चों की जोड़ी ने सुनाए 90 के दशक के हिट गाने

जागरण, भोपाल । रवीन्द्र भवन रविवार को डांस और म्यूजिक की धुनों से गूंज उठा। 'प्रयास सीजन-3' में बच्चों और महिलाओं ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि पूरा ऑडिटोरियम देर तक तालियों से भरता रहा। एवी स्टेप अप स्टूडियो, कोलार रोड के फाउंडर अनूप वर्मा के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम में 110 प्रतिभागियों ने मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाई और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम की खास बात रही 90 के दशक के सुपरहिट गीतों पर बच्चों और मम्मियों की धमाकेदार प्रस्तुतियां, जिसने पूरे ऑडिटोरियम का माहौल उत्साह से भर दिया। मंच पर सालसा, किड्स डांस, सेमी-क्लासिकल और कंटेम्पररी डांस की आकर्षक परफॉर्मेंस देखने को मिलीं।

OFFICE OF THE CHIEF GENERAL MANAGER (BHOPAL REGION)
M.P.MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
Nishtha Parisar, Bijlinagar, Govindpura, Bhopal- 462023
Phone : 0755-2588291, E-mail : sepurchasebr@gmail.com
NIT No. : CGM/BR/02/Pur/1449 Bhopal, Dated : 20.05.2026

NOTICE INVITING E-TENDER (OPEN TENDER)

E-tenders are invites bids from eligible bidders for supply of following item :-

TS No.	Particulars	Approx. Value (In Lakh)	Tender Fee (In Rs.)	EMD (In Rs.)	Date of Opening of Bids Online
CGM/ BR/ TS-162	Supply of Patented Tamper Proof Poly Carbonate Meter Seals	21.53 Lakh	2000/- + GST @ 18 % Extra	43000/-	10.06.2026 at 15:30 Hrs.

Other details, terms and conditions are available on company website : **https://portal.mpcz.in & https://mptenders.gov.in** or the under signed office.
M.P. Madhyam/125878/2026 **CHIEF GENERAL MANAGER (B.R.)**

संक्षिप्त खबरें

केवी-1 में एआई से संस्कृत सीख बच्चों ने किया श्लोकों का वाचन

जागरण, भोपाल। पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 में एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के अंतर्गत चल रहे सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप का आज अत्यंत उत्साहपूर्ण और गरिमामयी वातावरण में शानदार समापन हुआ। आओ सीखें एक और भारतीय भाषा - हमारी प्यारी संस्कृत भाषा के ध्येय के साथ 14 मई को शुरू हुए इस शिविर में बच्चों ने देववाणी संस्कृत को आधुनिक और रोचक तरीके से आत्मसात किया। समापन समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य गौरव कुमार द्विवेदी ने की। प्राचार्य महोदय ने शिविर के दौरान सप्ताह भर आयोजित हुई विभिन्न खेल और शैक्षिक गतिविधियों के विजेताओं को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस सात दिवसीय महोत्सव का मुख्य आकर्षण प्राचीन विद्या और आधुनिक तकनीक (एआई) का अनूठा संगम रहा। संस्कृत प्रशिक्षक आचार्य श्री अभिषेक तिवारी जी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का अभिनव प्रयोग करते हुए बच्चों को खेल-खेल में संस्कृत संभाषण और व्याकरण की बारीकियां सिखाईं। इसके अतिरिक्त, आचार्य तिवारी के निर्देशन में हुए ध्यान के नियमित अभ्यास ने बच्चों के भीतर एक नई दिव्यता का संचार किया। समापन के अवसर पर बच्चों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि ध्यान के माध्यम से उनका मानसिक तनाव काफी हद तक दूर हुआ है और उनकी एकाग्रता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। समारोह के अंतिम दिन विद्यार्थियों की प्रतिभा ने उपस्थित सभी लोगों को चकित कर दिया। कक्षा 8 के छात्र सनातन ने अपनी अद्भुत स्मरण शक्ति का परिचय देते हुए धाराप्रवाह 108 श्लोक एक बार में सुनाकर सबको चौंका दिया। इसके अलावा अथर्व शर्मा ने 62, प्रणव दुबे ने 56 और छात्रा आशी अग्रवाल ने 40 श्लोक एक साथ सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

फल अनुसंधान केंद्र ईंटखेड़ी का विस कृषि विकास समिति ने किया भ्रमण

भोपाल। विधानसभा की कृषि विकास समिति ने मंगलवार को राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विवि ग्वालियर के अंतर्गत संचालित फल अनुसंधान केंद्र ईंटखेड़ी का भ्रमण किया। 21.9 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित फल अनुसंधान केंद्र का निरीक्षण करते हुए समिति सदस्यों ने केंद्र द्वारा किए जा रहे अनुसंधान कार्यों की सराहना की। इस दौरान समिति ने किसानों से प्रत्यक्ष संवाद भी किया। भ्रमण के दौरान समिति ने केंद्र के प्रक्षेत्र में स्थापित आम की (लगभग 50) उन्नत किस्मों जैसे लंगड़ा, दशहरी, बॉम्बे येलो आदि का अवलोकन किया। आम के पेड़ों में आई बहार और लगे हुए फलों को देखकर समिति ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा कृषक भाइयों को आम की उन्नत किस्मों को लगाकर उत्पादन एवं आय बढ़ाने की सलाह दी। समिति को नींबू, अमरूद एवं अन्य फल फसलों की पौध उत्पादन तकनीकों की जानकारी भी दी गई। इस दौरान आर.ए.के. कृषि महाविद्यालय, सीहोर एवं केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा ग्राफ्टिंग, पौध संवर्धन एवं खाद्य प्रसंस्करण प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया। समिति के सभापति ठाकुरदास नागवंशी व सदस्य गण शिवनारायण सिंह, श्रीकांत चतुर्वेदी, जितेंद्र पंड्या ने अपर सचिव उमेश शर्मा, सूचना अधिकारी महावीर सिंह एवं अन्य अधिकारियों के साथ फल अनुसंधान केंद्र ईंटखेड़ी का भ्रमण किया। आरएके कृषि महाविद्यालय सीहोर के अधिष्ठाता एवं फल अनुसंधान केंद्र, ईंटखेड़ी के प्रभारी डॉ. आईएस तोमर ने समिति के सदस्यों का स्वागत किया और केंद्र की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी।

बुजुर्ग का एटीएम कार्ड महिला ने बदला, निकाले एक लाख रुपए

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। जहांगीराबाद इलाके में एक बुजुर्ग का एटीएम बूथ में महिला ने चालाकी से बदल लिया। बाद में उनके खाते से एक लाख रुपए निकाल लिए गए। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, 75 वर्षीय राजेंद्र कुमार मिश्रा तीन मंजिला पुलिस लाइन के पास पायगा कालोनी में रहते हैं। वह पेशे से वकील हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 14 मई की दोपहर वह घर के पास स्थित एटीएम से पैसे निकालने के लिए गए थे। जहां उन्हें एक महिला मिली, जिसने नकाब से मुंह ढंक रखा था। उसने कहा कि अंकल आप उल्टा एटीएम लगा रहे हैं। यह कहते बुजुर्ग ने उसे एटीएम दिया तो उसने चालाकी से एटीएम बदल दिया। बुजुर्ग के पैसे नहीं निकले तो वह चले गए। कुछ देर बाद उनके खाते से 60 हजार रुपए और अगले दिन 40 हजार रुपए निकाल लिए गए। 15 मई को उन्होंने मैसेज देखा तब ठगी का खुलासा हुआ। इसके बाद उन्होंने इसकी रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

हॉकर्स कॉर्नर के लिए दो बार बना प्रस्ताव, लेकिन पूरा नहीं हो सका काम, सड़क पर ठेलों से लग रहा जाम

ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम के अतिक्रमण अमले की कार्रवाई से परेशान हो रहे स्ट्रीट वेंडर्स, हो रहा आर्थिक नुकसान

जागरण संवाददाता, भोपाल। फल सब्जी के साप्ताहिक बाजार और सड़क किनारे फल-सब्जी सहित अन्य सामान की बिक्री करने वाले विक्रेताओं के लिए केंद्र व मप्र सरकार ने अलग अलग दो बार अधिनियम बनाए हैं। इसके तहत नगर निगम द्वारा शहर में दो बार हॉकर्स कॉर्नर बनाने के प्रस्ताव बनाए गए। पहली बार शहर के सभी वार्डों में और दूसरी बार हर जोन में बड़े हॉकर्स कॉर्नर बनाने की घोषणा की गई, लेकिन दोनों ही बार काम पूरा नहीं हो सका। नतीजतन शहर के विभिन्न मार्गों में सब्जी व फल वाले मुख्य मार्गों पर ही ठेले खड़े कर रहे हैं, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या होती है। इस कारण इन स्ट्रीट वेंडर्स को अक्सर ट्रैफिक व अतिक्रमण अमले की कार्रवाई का सामना करना पड़ता है, जिसमें इन वेंडर्स को अक्सर आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। इन वेंडर्स के द्वारा निगम प्रशासन से बिक्री के लिए कई बार सुरक्षित स्थान की मांग की गई है, लेकिन फिलहाल योजना फाइलों में दबी हुई है। वहीं दूसरी ओर शहर में जहां हॉकर्स कॉर्नर का काम पूरा हुआ है। वहां भी इन स्ट्रीट वेंडर्स को दुकानें लगाने नहीं दी जा रही हैं। नतीजतन शहर में आम लोगों को ट्रैफिक जाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। बता दें कि पहली बार केंद्र सरकार ने 3 जून 2014 को पथ विक्रेता अधिनियम बनाया गया। इसके बाद राज्य सरकार ने भी मप्र पथ विक्रेता योजना 2020 को लागू किया, लेकिन फिलहाल स्ट्रीट वेंडर्स सड़कों पर ही खड़े हो रहे हैं।

यह होती है परेशानी

बढ़ते ट्रैफिक और संकरी होती सड़कों के बीच पुलिस और नगर निगम के अतिक्रमण अमले की सबसे च्यादा मार इन्हीं स्ट्रीट वेंडर्स पर पड़ती है। कई बार सामान टूट जाने से काम काज बंद हो जाता है। ऐसे में लोन की किश्तें चुकाने में परेशानी आती है। सब जगह पर रोजाना होने वाली इन्हीं कार्रवाई के चलते स्ट्रीट वेंडर्स मानसिक दबाव में आ जाते हैं और अपना कामकाज बंद कर देते हैं।

इन स्थानों पर बनाए जाने हैं हॉकर्स कॉर्नर

- हॉकर्स कॉर्नर ऐसे स्थानों पर बनाए जाने हैं। जहां खरीदारी करना आसान हो।
- महिलाओं के लिए भी महिला हॉकर्स कॉर्नर बनाए गए हैं। जिससे विधवा और निराश्रित महिलाओं को सुरक्षित मिल सके।
- भीड़ और ट्रैफिक के घनत्व के आधार पर विक्रय क्षेत्र का निर्धारण होगा।
- ठेले पर सब्जी और फल बेचने वालों को ट्रैफिक और पैदल आवागमन को देखने के बाद बिक्री की अनुमति दी जाना ठै।
- हर हॉकर को दो वर्ग मीटर का क्षेत्र बिक्री के लिए दिए जाने का प्रावधान है।
- हर हॉकर के सामने 1 मीटर लंबाई और 2 मीटर चौड़ाई का क्षेत्र खरीदारों के लिए आरक्षित होगा।
- किसी सड़क के दोनों ओर ठेले वालों के खड़े होने के लिए पर्याप्त जगह होगी, तो उन्हें खड़े होने की अनुमति दी जाएगी।

इन जगहों पर नहीं हो सकेगा व्यापार

- सचिवालय, जिला कलेक्ट्रेट, जिला पंचायत, नगर निगम, नगर पालिक, नगर पंचायत, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और राच्य पुरातात्विक स्थलों के 200 मीटर के क्षेत्र में
- क्रॉसिंग के आसपास 50 मीटर का क्षेत्र
- स्थानीय निकाय द्वारा घोषित विरासत संरचना के आसपास
- जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र

एक नजर हॉकर्स कॉर्नर पर

- 1.33 लाख परिवारों का भरण पोषण सड़कों पर लगने वाले ठेलों से होता है।
- 88 हजार ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत 50 हजार का लोन लिया है।
- 27 लाख स्ट्रीट वेंडर्स पूरे प्रदेश में हैं।
- 12 लाख ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत लोन लिया है।

"शासन यदि व्यवस्थित हॉकर्स कॉर्नर बनवाता है, तो ट्रैफिक जाम और सड़कों का अतिक्रमण खत्म होगा। लोगों को व्यवसाय के लिए जगह मिलेगी और नगर निगम सहित अन्य नगरीय निकायों की आय भी बढ़ेगी।

रत्नेश उपाध्याय, प्रदेश अध्यक्ष, मप्र पथ विक्रेता संघ

केंद्र सरकार ने हॉकर्स कार्नर के दिए थे निर्देश

केंद्र सरकार ने पथ विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर्स) को सुरक्षित रोजगार दिलाने के उद्देश्य से 2014 में ही इन्हें सुरक्षित स्थान देने के लिए सभी राज्यों को निर्देश दिए थे। जिसमें मुख्य मार्गों के किनारे आरक्षित स्थान, मुख्य बाजारों के पास बिक्री के लिए हॉकर्स कॉर्नर बनाए जाने थे। इस योजना को अमली जामा पहनाने के लिए दो बार हॉकर्स कॉर्नर बनाए जाने का वादा किया गया, लेकिन दोनों ही बार काम नहीं हो सका।

हर वार्ड में बनना था हॉकर्स कॉर्नर : 2022 में हर वार्ड में हॉकर्स कॉर्नर बनाकर देने का वादा किया गया था, लेकिन कुछ चुनिंदा जगहों पर ही हॉकर्स कॉर्नर बने। अन्य जगहों पर आज भी ठेले वाले रोड पर भी सामान रखकर बिक्री कर रहे हैं। योजना के तहत 85 हॉकर्स कॉर्नर बनाए जाने थे।

हर जोन में हॉकर्स कॉर्नर बनाकर देने का वादा : दूसरी बार हर जोन में हॉकर्स कॉर्नर बनाकर देने का वादा किया गया, जिसके तहत स्ट्रीट वेंडर्स की परेशानी खत्म करने के लिए हर जोन में एक बड़ा हॉकर्स कॉर्नर बनाकर देने की बात कही गई। यह योजना भी आज तक पूरी नहीं हो सकी।

जलगंगा संवर्द्धन अभियान में भी नहीं सुधरी नदी की धारा

भोपाल। शहर के इंडस्ट्रियल एरिया अचारपुरा के पास से बहने वाली बाणगंगा नदी अपना अस्तित्व बचाने के लिए जद्दोजहद करती हुई दिख रही है। दरअसल नदी के किनारों पर भारी मात्रा में डाला जाने वाला सिंगल यूज प्लास्टिक इसके अस्तित्व पर खतरा बन गया है। नदी के दोनों किनारों पर भारी मात्रा में कचरा और प्लास्टिक डंप किया जा रहा है। इसके अलावा नदी के अंदर भी भारी मात्रा में कचरा मौजूद है। वहीं नदी हर साल गर्मी के दौरान पूरी तरह सूख जाती है। वहीं जलगंगा संवर्द्धन अभियान के तहत नदी को साफ भी किया जा चुका है, लेकिन लोगों के जागरूक न होने के कारण इसमें हर बार किनारे पर कचरा डाल दिया जाता है, जिससे नदी प्रदूषित हो जाती है। बता दें कि नल जल योजना के तहत इस नदी के पानी को आसपास की पंचायतों में सप्लाई की योजना भी बनाई जा रही है, लेकिन नदी की स्वच्छता को लेकर पंचायत का अमला संजीदा दिखाई नहीं देता है।

प्रकाश तरण पुष्कर में बच्चों की तबीयत बिगड़ी

सांस लेने में तकलीफ, अस्पताल लेकर दौड़े परिजन

जागरण, भोपाल। राजधानी के लिंक रोड नंबर-1 स्थित प्रकाश तरण पुष्कर में स्विमिंग के दौरान करीब 4 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। परिजन बच्चों को तुरंत जेपी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। बताया जा रहा है कि स्विमिंग के दौरान 2 बच्चों को सांस लेने में दिक्कतें होने लगी। हालांकि, अब बच्चे खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। मामला बुधवार शाम 5 बजे का है। प्रकाश तरण पुष्कर में कई बच्चे स्विमिंग कर रहे थे तभी उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन सचिन जैन ने बताया कि उनकी बेटी आध्या जैन (15) भी प्रकाश तरण पुष्कर गई हुई थी। यहां करीब 20-25 बच्चे थे। जो बच्चे पानी में थे, उनकी अचानक तबीयत बिगड़ने लगी। उनकी बेटी आध्या समेत दो बच्चों को तुरंत अस्पताल में ले जाया गया। जहां सभी प्राथमिक इलाज किया गया। परिजन ने बताया कि जिन बच्चों की तबीयत बिगड़ी है, उनकी सेहत पर 24 घंटे नजर रखने को डॉक्टर ने कहा है। बेटी को महिलाएं जेपी अस्पताल लेकर पहुंची। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज किया।

क्लोरिन गैस की वजह से तबीयत बिगड़ी: प्रकाश तरण पुष्कर के मैनेजर हेमंत जारिया का कहना है कि पाइप की वजह से क्लोरिन गैस लीक हो गई। हवा की वजह से ऐसा हुआ। खांसी की शिकायत होने के बाद बच्चों को अस्पताल भेज दिया गया। अब वे ठीक हैं। गैस लीकेज होने पर तुरंत टंकी बदली गई। सचिन ने बताया कि बेटी की बहुत ज्यादा तबीयत खराब हो गई थी। बेहोशी जैसी स्थिति में थी। यहां मौजूद महिलाएं बिटिया को अस्पताल लेकर पहुंची। उसकी करीब 20 मिनट तक खांसी नहीं रूकी। डॉक्टर ने जरूरी इलाज किया।

प्रदेश को मिला सर्वाधिक राजस्व

भोपाल। कन्दा वन धन विकास केन्द्र जनजातीय महिला उद्यमिता का प्रतीक बन गया है। दक्षिण पन्ना में स्किल इस केन्द्र ने म.प्र. में सर्वाधिक राजस्व प्राप्त किया है। केंद्र द्वारा इस वर्ष लगभग 21.4 लाख रुपये का रिकॉर्ड राजस्व एवं लगभग 5 लाख रुपये का लाभ अर्जित किया है, जो पिछले तीन वर्षों के औसत की तुलना में राजस्व में 400 प्रतिशत से अधिक तथा लाभ में 800 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है। पूर्व वर्षों में केंद्र का राजस्व एवं लाभ क्रमशः वर्ष 2021-22 में 6.5 लाख रुपये एवं 17 हजार रुपये, वर्ष 2022-23 में 4.7 लाख रुपये एवं 67 हजार रुपये, वर्ष 2023-24 में 2.6 लाख रुपये एवं 63 हजार रुपये और वर्ष 2024-25 में 5.1 लाख रुपये एवं 22 हजार रुपये रहा था। यह वृद्धि स्थानीय संग्राहकों को बेहतर मूल्य, गुणवत्तापूर्ण प्रसंस्करण एवं प्रभावी विपणन रणनीतियों का परिणाम मानी जा रही है।

साली पर जानलेवा हमला करने वाला गिरफ्तार

जागरण,भोपाल। स्टेशन बजरिया पुलिस ने साली पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अपनी पत्नी के फोन पर साली से बात करने से नाराज होकर वारदात को अंजाम दिया था। घटना के बाद आरोपी लगातार फरार चल रहा था। इस दौरान वह बार-बार मोबाइल बंद और चालू कर अपनी लोकेशन बदल रहा था। पुलिस के अनुसार शनिवार को फरियादिया राजकुमारी नागवंशी को उसके जीजा दशरथ उर्फ राज ने घर के बाहर बुलाया और जान से मारने की नीयत से पेट में चाकू मार दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। पुलिस ने जांच शुरू की। इस दौरान पुलिस ने बुधवार को आरोपी की लोकेशन ट्रेस कर उसे गिरफ्तार कर लिया। जिसकी पहचान दशरथ उर्फ राज कतिया के रूप में हुई। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में इस्तेमाल की गई छुरी और मोटरसाइकिल भी जब्त की है।

नव आरक्षक बैच का दीक्षांत परेड समारोह, ली शपथ

पुलिस कमिश्नर ने ली सलामी, 521 नव आरक्षक पुलिस विभाग की मुख्यधारा में हुए शामिल

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस की पुलिस प्रशिक्षण शाला भौंरी में बुधवार को चतुर्थ नव आरक्षक बैच का दीक्षांत परेड समारोह आयोजित किया गया। अनुशासन, साहस और देशभक्ति से ओतप्रोत इस समारोह में 521 नव आरक्षक विधिवत रूप से पुलिस विभाग की मुख्यधारा में शामिल हुए। इनमें 322 महिला और 199 पुरुष आरक्षक शामिल हैं। समारोह के मुख्य अतिथि संजय कुमार ने दीक्षांत परेड की सलामी ली और खुली जिप्सी में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया। राष्ट्रध्वज और संविधान को साक्षी मानकर नव आरक्षकों ने ईमानदारी, अनुशासन और जनसेवा की शपथ ली। पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि पासिंग आउट परेड पुलिस जीवन का सबसे महत्वपूर्ण

क्षण होता है। प्रशिक्षण के बाद एक पुलिसकर्मी समाज की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए मैदान में उतरता है। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों में पुलिस ही कमजोर और पीड़ति व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी उम्मीद की किरण होती है और वर्दी केवल व्यक्ति नहीं, पूरे विभाग की छवि का प्रतिनिधित्व करती है।डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान नव आरक्षकों को आधुनिक पुलिसिंग, साइबर अपराध, सामुदायिक पुलिसिंग, कानून व्यवस्था और थाना प्रबंधन जैसे विषयों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही शारीरिक दक्षता, आर्म्स ट्रेनिंग, योगा और हार्टफुलनेस जैसी गतिविधियों के माध्यम से मानसिक संतुलन और सेवा भावना विकसित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण 30 जून 2025 से शुरू हुआ था, जो अब दीक्षांत परेड के साथ पूर्ण हुआ।

6 लाख 50 हजार मकानों की गणना का काम पूरा

भोपाल। भारत की जनगणना-2027 के तहत भोपाल नगर निगम सीमा में प्रथम चरण के तहत अब तक शहर में 6 लाख 50 हजार से ज्यादा मकानों की गणना का काम पूरा कर लिया गया है। इस दौरान 3,284 जनगणना ब्लॉकों में से 1,600 से अधिक ब्लॉकों में सूचीकरण का काम लगभग पूरा हो गया है। माना जा रहा है कि शेष ब्लाकों में भी जनगणना का काम तेजी से पूरा कर लिया जाएगा। बता दें कि जनगणना के तहत बेहतर काम करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को लगातार सम्मानित भी किय जा रहा है। नगर निगम आयुक्त व प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी संस्कृति जैन ने बुधवार को निगम मुख्यालय अटल भवन में प्रशस्ति पत्र भेंटकर 3 जोनल अधिकारियों और 5 सुपरवाइजर्स को सम्मानित किया।

मुखौटा वर्कशॉप का समापन

बच्चों ने बैलून से बनाए आकर्षक मुखौटे

जागरण, भोपाल। चिल्ड्रन्स थिएटर अकादमी, भोपाल द्वारा 5 से 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आयोजित मुखौटा वर्कशॉप का समापन हो गया। यह कार्यशाला 1 मई से शुरू हुई थी, जिसमें कुल 22 बाल प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप के दौरान बच्चों को मुखौटा निर्माण की बारीकियों से अवगत कराया गया। उन्हें बैलून (गुब्बारों) की मदद से मुखौटे बनाना सिखाया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का भरपूर प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने अपने विवेक से मुखौटों में रंग संयोजन

किया और उन्हें अलग-अलग रूप दिए। कुछ बच्चों ने मानव चेहरों के मुखौटे बनाए, जबकि कुछ ने पशु-पक्षियों और विभिन्न जीव-जंतुओं के आकार के मुखौटे तैयार किए। अकादमी के अनुसार, इन तैयार मुखौटों की प्रदर्शनी आगामी नाटक में भी की जाएगी। यह नाटक रूसी लेखक अलेक्जेंडर पुश्किन के प्रसिद्ध नाटक 'किस्सा मछली मछुआरे का' पर आधारित है, जिसका मंचन किया जाना है। मंचन के दौरान दर्शकों को बच्चों द्वारा तैयार किए गए मुखौटों की कला प्रदर्शनी भी देखने को मिलेगी, जिससे प्रस्तुति और अधिक आकर्षक बन जाएगी।

प्रिंटिंग-पैकेजिंग शिक्षा को मिला डिजिटल प्लेटफॉर्म

एमसीयू के अभिषेक पांडेय का 'मास्टर प्रिंटपैक' ऐप लॉन्च

27 छात्रों की टीम ने किया क्लोव्ड टेस्टिंग ऑडिट

जागरण, भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के न्यू मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग ने एक नया शैक्षणिक मोबाइल ऐप विकसित किया है। विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अभिषेक पांडेय द्वारा तैयार 'मास्टर प्रिंटपैक' ऐप अब गूगल प्ले स्टोर पर लॉन्च हो गया है। अभिषेक ने बताया कि यह ऐप प्रिंटिंग और पैकेजिंग तकनीक से जुड़े विद्यार्थियों के

लिए एक इंटरैक्टिव लर्निंग प्लेटफॉर्म के रूप में तैयार किया गया है, जिसमें विषय आधारित प्रश्नों के जरिए सीखने और मूल्यांकन की सुविधा दी गई है। ऐप में 401 एमसीक्यू शामिल किए गए हैं, जो प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, पैकेजिंग डिजाइन, स्पेक्ट्रोडेन्सिटोमेट्री और सस्टेनेबल इंक जैसे तकनीकी विषयों पर आधारित हैं। इन्हें रैंडम शफलिंग सिस्टम के जरिए प्रस्तुत किया जाता है, जिससे छात्रों का आकलन अधिक प्रभावी तरीके से हो सके। ऐप की एक प्रमुख विशेषता लाइव ग्लोबल लीडरबोर्ड है, जिसमें विद्यार्थी अपनी रैंकिंग देख सकते हैं और अन्य छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। डेटा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसमें ईमेल आईडी को सुरक्षित रखने और केवल डिस्प्ले नेम दिखाने की व्यवस्था की गई है। साथ ही ऐप को गूगल एडमॉब से भी जोड़ा गया है ताकि इसका तकनीकी संचालन सुचारु रूप से चल सके। इस ऐप को विकसित करने में लगभग 90 दिन का समय लगा, जबकि 27 छात्रों और फैकल्टी की टीम ने 14 दिनों तक इसका परीक्षण किया। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह ऐप प्रिंटिंग और पैकेजिंग शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल लर्निंग को एक नया आयाम देगा।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

इंतजार नहीं, इबोला से सावधानी जरूरी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने असाधारण तत्परता दिखाते हुए मध्य अफ्रीका में इबोला के प्रकोप को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर की चिंता वाला सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया। यहां तक ??कि उसने परंपरा के मुताबिक विशेषज्ञ पैनलिस्टों की आपातकालीन समिति की सलाह का इंतजार भी नहीं किया। इसके बावजूद, दुनिया के स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा त्वरित कार्रवाई के लिए डब्ल्यूएचओ को सराहा गया है। इसकी वजह यह है कि इस प्रकोप के लिए जिम्मेदार वर्तमान स्ट्रेन – असामान्य बंडीबुग्यो स्ट्रेन – से पैदा होने वाली कई अनिश्चितताएं हैं। इस स्ट्रेन ने अतीत में कम प्रकोप पैदा किए हैं और आम जैरे स्ट्रेन के खिलाफ अत्यधिक प्रभावी टीकों का बंडीबुग्यो स्ट्रेन पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्तमान में परीक्षण नहीं किया गया है।

पूर्वी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में इबोला के नए प्रकोप की सूचना मिली है। ऐसा कहा जाता है कि यह बीमारी छोटी है और दोनों देशों के बीच एक सीमित सीमावर्ती क्षेत्र तक ही सीमित है। लेकिन अभी भी इस बात को लेकर चिंताएं हैं कि इस क्षेत्र में चल रहे संघर्ष और विस्थापन के चलते मामले अनदेखे रह सकते हैं, जिससे यह फैल सकती है और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बाधित हो सकती है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, 16 मई, 2026 तक, डीआरसी के इटुरी प्रांत में प्रयोगशाला द्वारा पुष्टि किए गए आठ मामले, 246 संदिग्ध मामले और 80 संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। युगांडा के कंपाला में प्रयोगशाला द्वारा पुष्टि किए गए दो मामले (जिनमें एक मौत भी शामिल है) सामने आए हैं, जिनका आपस में कोई स्पष्ट संबंध नहीं है। डब्ल्यूएचओ ने कई कारकों – प्रारंभिक नमूनों की उच्च सकारात्मकता दर (13 नमूनों में से आठ सकारात्मक); कंपाला में मामलों की पुष्टि; संदिग्ध मामलों की सिंड्रोमिक रिपोर्टिंग में बढ़ते रुझान; और इटुरी प्रांत में मौतों के समूह – को सूचीबद्ध किया है, जो संभावित रूप से पता लगाए जा रहे प्रकोप से कहीं ज्यादा बड़े प्रकोप की ओर इशारा करते हैं।

बहरहाल, डब्ल्यूएचओ ने 50 फीसदी मृत्यु दर वाली स्थिति से निपटने के लिए जोखिम से बचने का सही रास्ता अपनाया है। हालांकि उसका कहना है कि चिकित्सा देखभाल तक पहुंच और उपचार की रफ्तार के आधार पर वायरल स्ट्रेन से होने वाली मृत्यु दर 25 फीसदी से 50 फीसदी के बीच हो सकती है, लेकिन इस बार बंडीबुग्यो स्ट्रेन के कारण कुछ अनिश्चितताएं सामने आई हैं। इबोला संक्रामक है। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में शरीर के तरल पदार्थों और दूषित सतहों के संपर्क में आने से फैल सकता है और घातक हो सकता है। साल 2014-16 में गिनी, लाइबेरिया और सिएरा लियोन में फैले भयावह प्रकोप के परिणामस्वरूप 28,600 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे और 11,325 मौतें हुई थीं। डब्ल्यूएचओ ने शुरू में ही उच्चतम स्तर की वैश्विक चेतावनी जारी करके इस संकट से निपटने में दुनिया से सहयोग का आह्वान किया है। इस चरण में प्रकोप नियंत्रण गतिविधियों में अनिवार्य रूप से रोगी और संपर्क का कारगर तरीके से पता लगाना, प्रत्येक रोगी के लिए गहन सहायता, सुरक्षित एवं सम्मानजनक अंतिम संस्कार, टीकाकरण (अगर वे कारगर हों) और आम जनता के बीच इस बीमारी के बारे में जानकारी फैलाने के लिए सामाजिक लामबंदी शामिल होनी चाहिए।

डब्ल्यूएचओ ने ज़ोर दिया है कि इबोला वायरस के बुंडिबुग्यो प्रकार पर क़ाबू पाने के लिए फ़िलहाल कोई स्वीकृत टीका (वैक्सीन) या विशिष्ट उपचार उपलब्ध नहीं है. इसका मतलब है कि अनुसन्धान और क्लीनिकल ट्रायल में तेज़ी लाने की ज़रूरत है। डब्ल्यूएचओ ने फिलहाल अन्तरराष्ट्रीय यात्रा या व्यापार पर किसी भी तरह के प्रतिबन्ध की सिफ़ारिश नहीं की है. संगठन ने इसके बजाय, देशों से निगरानी, तैयारियों और सामुदायिक भागेदारी को मज़बूत करने के साथ-साथ, सटीक जानकारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय नेताओं के साथ मिलकर काम करने सहित सामुदायिक भागेदारी को भी बेहद महत्वपूर्ण माना गया है।

प्रसंगवश

संधियों से डीलमेकिंग की डगमग डगर तक

प्रो. पूर्णेंदु रंजन

दुनिया अब टिकाऊ संधियों और संस्थागत ढांचों के तहत परस्पर नहीं जुड़ी है। नियम आधारित व्यवस्था से सौदेबाजी की ओर बढ़ी है। रियलपॉलिटिक में महाशक्तियों का दोहरा खेल जारी है। आर्थिक संबंध भी व रणनीतिक शत्रुता भी। मल्टी अलाइनमेंट के इस दौर में दीर्घकालिक स्थिरता लाना जरूरी है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था संधियों और संस्थागत ढांचों पर टिकी थी। ब्रेटन वुड्स वित्तीय ढांचे से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक, सब कुछ नियम-आधारित था। यह व्यवस्था आदर्शवादी थी, जहां कानून और संधियां स्थायित्व देती थीं लेकिन आज यह ढांचा बिखर चुका है। उसकी जगह आ गई है रियलपॉलिटिक—जहां स्थायी प्रतिबद्धताओं की जगह तात्कालिक सौदेबाजी और लचीले हितों का जाल है। साल 2024-25 में यूक्रेन युद्ध, गाज़ा संकट और ताइवान पर बढ़ते तनाव ने यह साफ कर दिया कि नियमों की दुनिया अब केवल कागज पर है।

दुनिया कठोर किलों से 'लाउंज कूटनीति' की ओर बढ़ी है। शीत युद्ध के नाटो और वारसा पैक्ट जैसी संस्थाएं कठोर थी, उनका उल्लंघन नहीं होता था। साल 1991 में सोवियत पतन के बाद उभरे जी-20, एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंच जानबूझकर गैर-बाध्यकारी रखे गए। वर्ष 2024 की ब्रिक्स शिखर बैठक में सऊदी अरब और ईरान की सक्रिय भागीदारी ने दिखाया कि यह मंच अब 'आ ला कार्टे' कूटनीति का प्रतीक है। देश अपनी सुविधा से आते-जाते हैं। स्थायी प्रतिबद्धता नहीं, सुविधाजनक साझेदारी।

कूटनीति अब औपचारिक संधियों से नहीं, बल्कि फोन कॉल से तय होती है। मसलन, भारत-रूस तेल व्यापार पर अमेरिका का टैरिफ-2024 में एक कॉल में 50 फीसदी से घटकर 18 फीसदी। यही दोहरा खेल अमेरिका रूस के साथ भी खेल रहा है-पुतिन से दोस्ताना संवाद और साथ ही यूक्रेन को गुप्त मदद। अमेरिका वैसे तो पाकिस्तान को आतंकवाद पर कोसता है, लेकिन 2024-25 में उसे 2.5 अरब डॉलर की सहायता भी दी। भारत को सीमित रखने का यही तरीका है। चीन को रोकने के लिए भारत जरूरी है, फिर भी पाकिस्तान को मोहरे की तरह जीवित रखा जाता है। यह दोहरा रवैया बताता है कि सिद्धांतों की जगह केवल रणनीतिक उपयोगिता बची है। मित्र और मोहरा-दोनों एक साथ। नयी वैश्विक व्यवस्था के तहत दोहरे खेल की एक और मिसाल यह कि ताइवान को 2025 में 14 अरब डॉलर का हथियार पैकेज मिला, लेकिन इसे बीजिंग से सौदेबाजी का औज़ार बताया गया। सवाल है, क्या अमेरिका सैनिकों को 9,500 मील दूर भेजेगा? जब सुरक्षा गारंटी भी सौदेबाजी का हिस्सा बन जाए, तो पुरानी लक्ष्मण रेखाएं मिट जाती हैं। यह दिखाता है कि महाशक्ति भी अब अपने वादों को लाभ-हानि के तराजू पर तौल रही है।

नया दौर मिनिलैटरलिज्म का है। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो नियम-आधारित व्यवस्था का वास्तुकार था, अब खुद बहुपक्षवाद से पीछे हट चुका है। क्वाड, ऑकस और आई2यू2 जैसे छोटे, लचीले समूह उभरे हैं। साल 2024 में ऑस्ट्रेलिया ने ऑकस के तहत परमाणु पनडुब्बी समझौते को आगे बढ़ाया, जबकि आई2यू2 ने खाद्य सुरक्षा पर सहयोग किया। यह 'मिनिलैटरलिज्म' बताता है कि बड़ी संधियों की जगह छोटे-छोटे गठजोड़ ही भविष्य है।

भारत इस तरल यानी निरंतर बदलते माहौल में बहु-संरेखण का उदाहरण है। यह रणनीति मल्टी अलाइनमेंट की है। भारत ब्रिक्स और एससीओ में सक्रिय है, साथ ही क्वाड का स्तंभ भी। रूस से संबंध बनाए रखते हुए अमेरिका के टैरिफ और पाकिस्तान नीति को संतुलित करता है। साल 2024-25 में भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ाया, साथ ही अमेरिका से रक्षा सहयोग भी गहरा किया। बीते दौर के संस्थागत किले कठोर थे, पर टिकाऊ थे। वहीं आज की निहित सहनशीलता नाज़ुक है- किसी गलत गणना से ढह सकती है। साल 2024 में गाज़ा युद्ध और 2025 में यूक्रेन मोर्चे पर बढ़ते तनाव ने दिखाया कि मानवीय पीड़ा अब स्वीकार्य कीमत बन गई है। नीति-निर्माताओं के लिए चुनौती अब नए किलों के निर्माण की नहीं, बल्कि इस लेन-देनवादी राजनीति को दीर्घकालिक संयम में बदलने की है।

दरअसल, वर्तमान सौदेबाजी की दुनिया बिना किसी निश्चित दिशा के बह रही है। संधियों की स्याही से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों के बदलते समीकरणों से संचालित हो रही है। यह व्यवस्था लचीली है, पर नाजुक भी। नीति-निर्माताओं के लिए असली चुनौती है-तात्कालिक सौदेबाजी को दीर्घकालिक स्थिरता में बदलना। जब तक यह नहीं होता, रियलपॉलिटिक का यह नया युग महाशक्तियों के दोहरे खेल और छोटे-छोटे क्लबों की राजनीति से ही परिभाषित रहेगा।

भारत-बांग्लादेश

करीब 113 किलोमीटर सीमा ऐसी है, जहां नदी-तालाब की वजह से मुश्किल है बाड़ लगाना

सीमा पर बाड़बंदी एक बड़ी चुनौती

सत्येंद्र प्रताप सिंह

प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह दोनों ही बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कहते रहे कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही 45 दिनों में बंगाल-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी अपनी पहली कैबिनेट के बैठक में पहला निर्णय इसी पर लिया।

बंगाल और बांग्लादेश के बीच 2,216.7 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है। बंगाल के कुल 9 जिले बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। कूच बिहार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद, नदिया और उत्तर 24 परगना। भारत-बांग्लादेश के बीच की अंतर्राष्ट्रीय सीमा की कुल लंबाई 4,096.7 किलोमीटर है। यह भारत की सबसे लंबी स्थलीय सीमा है, जो दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी जमीनी सीमा भी है। यह सीमा भारत के 5 राज्यों से होकर गुजरती है। बंगाल- 2,216.7 किलोमीटर, त्रिपुरा- 856 किलोमीटर, मेघालय- 443 किलोमीटर, मिजोरम- 318 किलोमीटर, असम- 263 किलोमीटर।

बंगाल बांग्लादेश के साथ 2,216.7 किलोमीटर में से करीब 569 किलोमीटर की असुरक्षित सीमा साझा करता है, लेकिन मालदा और मुर्शिदाबाद का इलाका सबसे बदनाम माना जाता है। यहां बाड़ न होने के कारण बांग्लादेशी घुसपैठिए आसानी से सीमा पार कर भारत आ जाते हैं। बिना फेंसिंग के बाकी बचे करीब 113 किलोमीटर सीमा एरिया ऐसा है, जहां नदी-तालाब की वजह से किसी भी सूरत में बाड़बंदी नहीं की जा सकती।

भौगोलिक कारणों से कुछ क्षेत्रों में नदियों और रेतीले किनारों के कारण स्थायी कांटेदार बाड़ लगाना मुश्किल होता है, जिसके लिए सरकार फ्लोटिंग बीओपी और फ्लडलाइटिंग जैसे वैकल्पिक निगरानी उपायों का उपयोग करती है। इस सीमा की सुरक्षा और निगरानी का कार्य सीमा सुरक्षा बल द्वारा ही किया जाता है।

घुसपैठ रही है बड़ी चिंता : पूर्व राज्य सरकार द्वारा जमीन ना मिल पाने की वजह से यहां फेंसिंग नहीं हो पा रही थी। इस वजह से घुसपैठ भी बढ़ रही थी। आंकड़ों पर गौर करें तो 2023 में 1547 और 2024 में 1694 घुसपैठिए बांग्लादेश से लगते बंगाल बॉर्डर से गिरफ्तार किए गए। इनमें 2025 में और बढ़ोतरी हुई। इनमें मवेशियों और ड्रग्स की भी तस्करी हो रही थी।

नकली नोटों (जाली करेंसी), हथियारों और नशीले पदार्थों की बड़े पैमाने पर तस्करी होती है। सीमा पार के अपराधी भारतीय किसानों के खेतों से पकी हुई फसलें और मवेशी चुरा ले जाते हैं। घुसपैठियों की तो पौ बारह थी जो कि पूर्व सरकार के फिक्स्ड वोटबैंक थे। जमीन अब मिलने से इस पूरे इलाके में जल्द बाड़बंदी की जा सकेगी। जिसके बाद इस तरह की अवैध घुसपैठ बंद हो जाएगी। हालांकि, ऐसा नहीं है कि इस बिना बाड़बंदी वाले एरिया में बीएसएफ की निगरानी नहीं है। लेकिन फेंसिंग होने के बाद यह प्रॉपर हो सकेगी, जिसमें कहीं से भी घुसपैठ होने की आशंका बेहद कम हो जाएगी।

दरअसल, घुसपैठ को लेकर सबसे बड़ी समस्या बंगाल-बांग्लादेश सीमा पर ही आ रही थी। जहां 2216.7 किलोमीटर सीमा में से 1647.7 किलोमीटर सीमा एरिया में तो कंटीले तार वाली बाड़ लगा दी गई थी लेकिन बाकी बचे 569 किलोमीटर सीमा इलाके में बाड़ नहीं लग पाया। घुसपैठ के अधिकतर प्रयास इन्हीं बिना फेंसिंग वाले खुले सीमा क्षेत्र से होते हैं।

ममता बनर्जी की हार के बाद अब मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट में बीएसएफ को 45 दिनों में जमीन देने की घोषणा के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय और बीएसएफ ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बंगाल-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा के लिए खास व्यवस्था होगी। सीमा पर स्मार्ट एंटी कट फेंसिंग लगाई जाएगी। सुरक्षा के लिए एआई तकनीक से लैस कैमरे और ड्रोन की भी मदद ली जाएगी। इससे बीएसएफ में भी 12 से 15 बटालियन और बनाने की जरूरत पड़ेगी। सीमा पर बीओपी भी और बनाई जाएंगी।

भारत और बांग्लादेश के बीच 4,096.7 किलोमीटर की सीमा है। यह सीमा भारत की किसी दूसरे मुल्क की तुलना में सबसे ज्यादा लम्बी सीमा है। मालदा में भी कुछ समय पहले इसी प्रकार की परेशानी आई थी। फिर बांग्लादेश ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले के मेखलीगंज में बाड़ लगाने पर आपत्ति जताई।

10 जनवरी को, मेखलीगंज के गांव वालों ने दहाग्राम-अंगरपोटा के बांग्लादेशी एन्क्लेव की सीमा के कुछ हिस्सों में बाड़ लगाना शुरू कर दी। इसे बनाने में लोगों ने बीएसएफ की मदद भी ली। तब बांग्लादेश के बॉर्डर गार्ड ने उन्हें चार फुट ऊंची कांटेदार तार की बाड़ लगाने से रोकने का प्रयास किया। भारत की तरफ गांव वालों का कहना था कि बांग्लादेश के मवेशी वहां भटकते हुए आ जाते हैं और उनकी फसल बर्बाद कर देते हैं, इसलिए बाड़ लगाई गई।

दरअसल 1975 में भारत और बांग्लादेश के बीच हुए एक समझौते के अनुसार सीमा के 150 गज के भीतर दोनों देशों में से कोई भी डिफेन्स इंफ्रास्ट्रक्चर यानी कि रक्षा ढांचा नहीं बना सकता।

हालांकि भारत की तरफ से अलग अलग इलाकों में बाड़ लगाने का काम जारी है। भारत इन्हें रक्षा ढांचा नहीं मानता। भारत कहता है कि बाड़ सीमा पार अपराधों से बचने के लिए है और मवेशी, जो भटकते हुए चरने आ जाते हैं, उन्हें भी यह बाड़ काबू में रखती है।'

भारत और बांग्लादेश की सीमा 1971 में हुए विभाजन के कारण काफी पेचीदा रही है। 'कई गांव सीमा से होकर गुजरते हैं। कहीं कहीं तो घरों के किचन सीमा पर हैं। कहीं फुटबॉल कोर्ट का एक गोल पोस्ट भारत में तो एक बांग्लादेश में है।

बांग्लादेश में आबादी बहुत घनी है और वह एक कृषि आधारित देश है। इस वजह से गांव वालों और मवेशियों का आना-जाना लगा रहता है। लगभग 2200 किलोमीटर की सीमा में बाड़ के अंदर ही बांग्लादेश के कई गांव बसे हैं।

अगर कोई गांव सीमा पर ही है तो फेंसिंग लाइन में कुछ दरवाजे बना दिए गए हैं ताकि लोग आराम से आ-जा सकें। इन दरवाजों के खुलने और बंद होने का अपना समय है। हालांकि आपातकालीन स्थिति में बीएसएफ को सभी दरवाजों को एक साथ और जल्द खोलने के आदेश हैं।

अब बांग्लादेश को आपत्ति ये है कि जब 1975 के समझौते में साफ तौर पर किसी भी तरह का रक्षा निर्माण करना प्रतिबंधित है तो फिर भारत इसका उल्लंघन क्यों कर रहा है। दूसरा तर्क है कि इससे गांव वालों को रोजमर्रा के कामों और आने जाने में दिक्कत होती है।

बांग्लादेश को केवल बाड़ से ही नहीं बल्कि स्मार्ट फेंसिंग से भी दिक्कत है, जो लाजमी है। स्मार्ट फेंसिंग में बाड़ बनती है और निगरानी के लिए उस पर लगते हैं आधुनिक कैमरे और बाकी आधुनिक उपकरण। बांग्लादेश का मानना है कि इन कैमरों के जरिए भारत उनके गांव पर भी नजर रख सकता है। भारत ने सीमा पर पहले ही फ्लैश लाइट लगा दी हैं जिससे बांग्लादेश वाले हिस्से में आगे तक का हिस्सा नजर आता है। भारत के अनुसार यह फेंसिंग सीमा पार अपराधों पर नजर रखने के लिए बनाई गई है और इस पर अभी भी बातचीत जारी है। दोनों पक्ष स्मार्ट फेंसिंग के निर्माण पर 5 सालों से चर्चा कर रहे हैं।

बहरहाल, ममता बनर्जी के बेहद भरोसेमंद और पहली महिला गृह सचिव रहीं नंदिनी चक्रवर्ती को ही विकास कार्यों की प्रधान समन्वयक के रूप में एक सबसे बड़ा काम करना होगा। यह पहला काम राज्य में बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कांटेदार तार की बाड़ लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा कराना होगा।

खुला मंच

अकाल क्षेत्र में ड्यूटी की लालसा

पूरन सरमा

ड्यूटी तो वे कर रहे थे, लेकिन वे संतुष्ट नहीं थे। उन्हें पता लग गया था कि अच्छे लोगों की सरकार को तलाश है ताकि उन्हें अकाल पीड़ित क्षेत्रों में लगाया जा सके। वे भी उनकी सेवा करके इस जन्म को सार्थक कर लेना चाहते थे। परंतु फेमिन में ड्यूटी लगवाना आसान नहीं था। बड़ी एप्रोच की आवश्यकता थी। जिनकी ड्यूटी लगी थी, वे एक माह में ही टमाटर की तरह लाल हो गए थे। बस यही भाव उन्हें सालता था और वे सदैव इस कोशिश में रहने लगे थे कि किसी तरह उनकी ड्यूटी फेमिन में लग जाए। सुबह-सुबह ही आए मेरे घर और बोले- 'शर्मा कोई जुगाड़ बैठाओ।' मैंने पूछा- 'किस बात का?' वे बोले- 'यार मेरी ड्यूटी फेमिन में लगवा दो तो तुम्हारा अहसान जीवन भर नहीं भूलूंगा। यदि अकाल पीड़ित क्षेत्र में ड्यूटी लग जाए तो बहती गंगा में हाथ मैं भी धो लूं।'

'लेकिन भाई तुम्हारा तो सेवा भाव का कोई इतिहास ही नहीं रहा। वहां क्या कर पाओगे? वहां एक्चुएली वर्कर्स की आवश्यकता है। लोग पानी, चारा और अन्न की समस्या से जूझ रहे हैं। उन तक राहत सही रूप में पहुंचनी चाहिए।' वे बोले- 'भाई शर्मा तुम भी कमाल करते हो। मैं वर्कर नहीं हूं, यह तुमने कैसे जाना? मैं पहले कई स्वयंसेवी संगठनों के लिए काम कर चुका हूं। तुम्हें शायद पता नहीं है, जिन्हें फेमिन में लगाया गया है, वे दोनों हाथों से सूंत रहे हैं और मेरे मामले में तुम चरित्र प्रमाणपत्र की आवश्यकता जतला रहे हो। मैंने कहा- 'अकाल राहत मंत्री से सीधी एप्रोच है। ड्यूटी लगी समझो। लेकिन क्या तुम अकाल को शेयर कर सकते हो?'

वे चहके 'अमां यार मेरी अंगुलियां अकेली घी में नहीं भीगेंगी। परन्तु तुमने यह दोगली बात कैसे कर दी। पहले तुम मेरी ईमानदारी पर शक कर रहे थे और अब तुम खुद माल मारने की नीयत बना बैठे हो।'

मैं बोला- 'अकाल को रक्षा सौदों की तरह लेना-देना पड़ता है। भूखे और प्यासे लोगों के पास जितना भी लेकर जाओगे, उन्हें वह भी कम पड़ जाएगा। कोयले की दलाली जैसा हाल है। कुछ भी नहीं करने पर भी लांछन तो लगना है। इसलिए मंत्री जी उन्हीं की ड्यूटी लगा रहे हैं जो घपला करने में निपुण हो।' वे बोले- 'सही कहते हो। मैं सब कुछ करूंगा। तुम्हारी सारी सेवा शर्तें मुझे मंजूर हैं, परन्तु फेमिन में ड्यूटी तो लगवाओ। मानसून सिर पर है। जल्दी करो।'

शिक्षा व्यवस्था

अंतहीन परीक्षाओं और प्रतिस्पर्धाओं की दौड़ में खप रही है युवाओं की ऊर्जा

प्रतिस्पर्धा और बाजार का उपकरण बन रही शिक्षा

सिकंदर बंसल

जब शिक्षा ज्ञान का माध्यम न रहकर केवल प्रतिस्पर्धा और बाजार का उपकरण बन जाए, तब सबसे बड़ा संकट नैतिकता और मानवीय संवेदनाओं पर आता है। 'शिक्षा का उद्देश्य केवल जीविका अर्जन नहीं, बल्कि जीवन का निर्माण है।' यह विचार आज के भारत में कहीं धुंधला पड़ता दिखाई देता है। जिस शिक्षा को कभी मनुष्य के बौद्धिक, नैतिक और आध्यात्मिक उत्थान का माध्यम माना जाता था, वही आज अंकों, रैंक और प्रतियोगिताओं की संकीर्ण परिधि में सिमटती जा रही है। भारत, जो विश्व की सबसे युवा आबादी वाला राष्ट्र कहा जाता है, आज एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रहा है, जहां युवाओं की ऊर्जा ज्ञान-सृजन में नहीं, बल्कि अंतहीन परीक्षाओं और प्रतिस्पर्धाओं की दौड़ में खपती जा रही है। ऐसा प्रतीत होता है मानो पूरा देश एक विशाल परीक्षा केंद्र में परिवर्तित हो चुका हो। हाल ही में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में कथित प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा प्रणाली पर उठे गंभीर प्रश्नों ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को कठघरे में खड़ा कर दिया। लाखों विद्यार्थियों की वर्षों की तपस्या, उनके सपने और परिवारों की आशाएं एक झटके में संदेह के घेरे में आ गईं। जिन युवाओं ने दिन-रात परिश्रम कर अपनी आकांक्षाओं को सींचा, उनके मन में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठा कि क्या आज सफलता का आधार केवल श्रम और प्रतिभा है, अथवा धन, प्रभाव और अनैतिक साधनों का गठजोड़? विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में हर वर्ष लगभग 22 से 25 लाख विद्यार्थी नीट परीक्षा में भाग लेते हैं। इनमें से अधिकांश छात्र ग्रामीण और मध्यमवर्गीय परिवारों से आते हैं, जो सीमित संसाधनों में अपने बच्चों के सपनों को साकार करने का प्रयास करते हैं। परीक्षा में अनियमितताओं की खबरें सामने आने पर इन विद्यार्थियों का आत्मविश्वास डगमगाने लगता है। कई छात्र मानसिक तनाव, अवसाद और हताशा का सामना करते हैं।

नीट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में पेपर लीक या गड़बड़ी की घटनाएं केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी हैं। यदि मेहनत के बजाय अनुचित साधनों से सफलता मिलने लगे, तो यह प्रतिभाशाली और ईमानदार विद्यार्थियों के साथ अन्याय है। इससे युवाओं में व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए चिंताजनक है। विद्यार्थियों का कहना है कि परीक्षा रद्द होने का अर्थ केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता, बल्कि फिर से वही मानसिक दबाव, वही तैयारी और वही अनिश्चितता झेलना पड़ती है। कई छात्र बताते हैं कि परीक्षा के बाद वे मानसिक रूप से थक चुके होते हैं और दोबारा उसी ऊर्जा से तैयारी करना आसान नहीं होता। कुछ विद्यार्थियों को तो यह डर सताने लगता है कि कहीं उनका एक वर्ष व्यर्थ न हो जाए। अभिभावकों की चिंता भी कम नहीं है। आर्थिक बोझ के साथ-साथ वे अपने बच्चों की मानसिक स्थिति को लेकर चिंतित रहते हैं।

वर्तमान व्यवस्था में शिक्षा आत्म-विकास की प्रक्रिया न रहकर केवल प्रतिस्पर्धात्मक अस्तित्व का माध्यम बनती जा रही है। एक बालक जैसे ही विद्यालय में प्रवेश करता है, उसी क्षण से उस पर 'सफलता' का अदृश्य दबाव आरोपित कर दिया जाता है। किंडरगार्टन से ही तुलना का विष उसके मानस में घुलने लगता है। उच्च कक्षाओं तक पहुंचते-पहुंचते कोचिंग संस्थान, परीक्षण श्रृंखलाएं, कटऑफ और रैंक उसकी संपूर्ण चेतना पर अधिकार कर लेते हैं। आज नीट, संयुक्त प्रवेश परीक्षा, केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा, संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, अभियांत्रिकी योग्यता परीक्षा और प्रबंधन प्रवेश परीक्षा जैसी परीक्षाएं युवाओं के जीवन का केंद्रबिंदु बन चुकी हैं। करोड़ों विद्यार्थी इन परीक्षाओं में सम्मिलित होते हैं, किंतु अवसर सीमित हैं। उदाहरणस्वरूप नीट में लाखों विद्यार्थी परीक्षा देते हैं, जबकि एमबीबीएस सीटों की संख्या अत्यंत सीमित है। परिणामस्वरूप असंख्य युवाओं के हिस्से निराशा, अवसाद और आत्मग्लानि आती है। अनेक विद्यार्थी वर्षों तक 'विराम वर्ष' लेकर तैयारी करते रहते हैं।

नीट जैसी परीक्षाओं में दूरदराज के ऐसे अभ्यर्थी भी शामिल होते हैं जो सुविधा संपन्न क्षेत्रों के विद्यार्थियों की तरह कम्प्यूटर पर अभ्यस्त नहीं होते। पहाड़ी और देहात के छात्र इस बिंदु पर पीछे रह सकते हैं। हालांकि, सरकार चाहे तो ऐसी बाधाओं को आसानी से दूर कर सकती है। इसके लिए मजबूत इच्छा शक्ति की दरकार है। कुछ टीचर पैसा बनाने के फेर में पेपर लीक कांड से जुड़े पाए जा रहे हैं। यह शर्म की बात है? कुछ राष्ट्र निर्माता क्यों राष्ट्र को नुकसान पहुंचा रहे हैं? क्यों कथित कोचिंग इंडस्ट्री देश के छात्रों की नैसर्गिक काबलियत बर्बाद कर रही है? मां-बाप की मेहनत की कमाई कोचिंग माफिया खाये जा रहा है। क्या सरकारें छात्रों को इनके जाल से निकाल सकेंगी? इसके बारे में सामाजिक जिम्मेवारी से सोचना होगा। कुल मिला कर, छात्रों का भविष्य नियत करने वाली कोई भी प्रवेश परीक्षा नजर का धोखा साबित नहीं होनी चाहिए। आज सबसे बड़ा सवाल अब सिर्फ प्रवेश परीक्षा पर नहीं, बल्कि इसको संचालित करने वाले सिस्टम की विश्वसनीयता पर खड़ा हो गया है। क्यों न छात्रों के भविष्य को एक ही प्रवेश परीक्षा पर निर्भर रहने से दूर किया जाए? स्कूल परीक्षाओं के प्रदर्शन का भी क्या महत्व नहीं है? केंद्रीकृत परीक्षाएं उन बच्चों को फायदा देती हैं जो कोचिंग का खर्च उठा सकते हैं और हजारों गरीब और मेधावी छात्र संसाधनों की कमी के कारण डाक्टर बनने से रह जाते हैं। हमें इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

यह संघर्ष अब केवल शैक्षणिक नहीं रह गया, बल्कि मानसिक, आर्थिक और सामाजिक त्रासदी का रूप धारण कर चुका है। सबसे अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि शिक्षा के इस तीव्र बाजारीकरण ने नैतिकता को हाशिये पर धकेल दिया है।

जीवन दर्शन

चुनौतियां दीवार नहीं, जीवन को निखारती हैं

चुनौतियां और कठिनाइयां उन भ्रमों को मिटा देती हैं, जिनमें हम जी रहे होते हैं। वे मजबूर करती हैं कि हम अपने भीतर उस जगह तक जाएं, जहां हमारी असली शक्ति छिपी होती है। मनुष्य अपने बारे में सबसे कम उस समय जानता है, जब जीवन सहज और आरामदायक चल रहा होता है। आराम हमें शांति तो देता है, पर वह हमें हमारे असली रूप से परिचित नहीं कराता। हमारी असली पहचान तब सामने आती है, जब जीवन हमें चुनौती देता है, जब हमें रास्ते बंद नजर आते हैं, जब हमारे भीतर भय घर करने लगता है और जब दुनिया हमें यह विश्वास दिलाने लगती है कि अब आगे बढ़ पाना संभव नहीं है। मुश्किल हालात में लोग अक्सर यह सोचने लगते हैं कि जीवन उनके विरुद्ध हो गया है।

मैंने संघर्ष को बहुत करीब से देखा है। मैंने उन चेहरों को देखा है, जो डर से कांप रहे थे, लेकिन फिर भी अन्याय के सामने खड़े थे। मैंने उन लोगों को देखा है, जिनके पास पैसा नहीं था, शक्ति नहीं थी, सुरक्षा नहीं थी, फिर भी उनके भीतर ऐसा साहस था, जो किसी साम्राज्य की ताकत से भी ज्यादा था। तभी मैंने समझा कि चुनौतियां हमारे रास्ते की दीवार नहीं हैं, बल्कि वे हमें बताने आती हैं कि हम वास्तव में कौन हैं। जब जीवन आसानी से गुजर रहा होता है, तब हम भ्रम में जीते हैं। हमें लगता है कि हम साहसी हैं, धैर्यवान हैं या मजबूत हैं। पर जब संकट आता है, तभी इन शब्दों की सच्चाई सामने आती है। मैंने अपने जीवन में देखा है कि कई लोग खुद को कमजोर समझते हैं, पर हालात उन्हें ऐसी जगह ले जाते हैं, जहां उन्हें अपने भीतर छिपी शक्ति का पता चलता है। कितनी विचित्र बात है कि अधिकांश लोग अपनी महानता से तब तक परिचित नहीं होते, जब तक कि जीवन उन्हें संघर्ष के बीच खड़ा नहीं कर देता। मुझे याद है, जब लोग अन्याय के विरुद्ध सड़कों पर उतरते थे, तब उनके सामने डर ही डर था। मैंने देखा कि वही लोग, जो आम दिनों में साधारण दिखाई देते थे, संघर्ष के समय असाधारण बन गए थे। यही जीवन का रहस्य है। जब दुनिया हमारे खिलाफ हो और तब भी हम अपने भीतर की करुणा, सत्य व साहस को बचाए रखें, तभी हमारा वास्तविक चरित्र प्रकट होता है। यही कारण है कि मैं चुनौतियों को पीड़ा के रूप में नहीं देखती। वे जीवन के कठोर शिक्षक हैं। चुनौतियां हमें मजबूर करती हैं कि हम अपने भीतर उस जगह तक जाएं, जहां हमारी असली शक्ति छिपी होती है। चुनौतियां केवल हमें ही नहीं बदलतीं, समाज को भी बदलने की क्षमता रखती हैं। यदि जीवन में कभी ऐसा समय आए, जब आपको लगे कि सब कुछ आपके खिलाफ हो गया है, तो तुरंत यह मत मान लीजिए कि जीवन आपको समाप्त करना चाहता है। शायद जीवन आपको आपके भीतर छिपे उस व्यक्ति से मिलाने आया है, जिससे आप अभी तक परिचित नहीं हैं। शायद वह संघर्ष आपको यह दिखाने आया है कि आप जितना सोचते हैं, उससे कहीं अधिक मजबूत हैं। शायद वह पीड़ा आपको उस गहराई तक ले जाना चाहती है, जहां से आपका नया जन्म शुरू होगा।

बर्निस जॉनसन रीगन

॥ गीता ज्ञान ॥

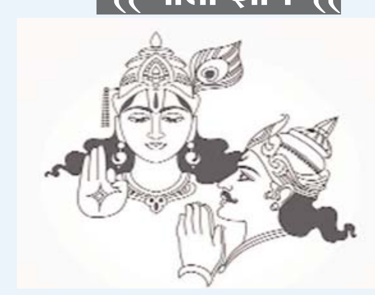

श्लोक

परो अपि हितवान् बन्धुः बन्धुः अपि अहितः परः ।
अहितः देहजः व्याधिः हितम् आरण्यं औषधम् ॥

भावार्थ

अर्थ- कोई अपरिचित व्यक्ति भी अगर आपकी मदद करे, तो उसे परिवार के सदस्य की तरह महत्व देना चाहिए। और अगर परिवार का कोई अपना सदस्य भी आपको नुकसान पहुंचाए, तो उसे महत्व देना बंद कर देना चाहिए। ठीक उसी तरह जैसे शरीर के किसी अंग में कोई बीमारी हो जाए, तो वह हमें तकलीफ पहुँचाने लगती है। जबकि जंगल में उगी हुई औषधी हमारे लिए लाभकारी होती है।

रहने के लिए पहली पसंद वन ट्री हिल्स एवं निर्मल नर्सरी, दामों में हुई बढ़ोतरी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर जो पूर्व में बैरागढ़ के नाम से जाना जाता था, की बसावट 1948 से शुरू हुई थी। विभाजन के बाद पश्चिमी पाकिस्तान से आने वाले सिंधी हिन्दु विस्थापितों को यहां दूसरे विश्व युद्ध के दौरान इटेलियन कैदियों के लिए बनाई गई ऊंची ऊंची बैरिकों में विस्थापित किया गया था। समय और जरूरत के साथ लोगों ने इन बैरिकों में बदलाव किया और जैसे जैसे परिवार बढ़ते गए, कव्वेलू की जगह पक्की छत डाली, जिसके बाद बैरिकों का स्वरूप भी बदल गया।

1988 में वन ट्री हिल्स: विभाजन के दौरान पश्चिमी पाकिस्तान से आकर बैरिकों में बसाए गए विस्थापित परिवारों की संख्या चूंकि अधिक थी, इस कारण जो परिवार बसावट से रह गए थे, उन्हें दूसरी बार 1988 में वन ट्री हिल्स के नीचे 90 एकड़ जमीन 500 परिवारों को आवंटित की गई। इसके लिए तीन गृह निमार्ण समितियों का गठन हुआ जिसमें गांधीनगर सुधार गृह निर्माण समिति को 100 एवं भारतीय सिंधु गृह निर्माण एवं नव युवक गृह निर्माण समिति को दो दो सौ भूखण्डों का आवंटन किया गया। प्रत्येक परिवार को 1200 वर्गफीट का भूखण्ड दिया गया। जिसके बाद हर आवंटी ने अपने अपने हिसाब से इस पर निर्माण किया। चूंकि पहले पहल इतना पैसा नहीं था इस कारण काफी सालों तक कई प्लाट खाली पड़े रहे, लेकिन पिछले डेढ़ दशक में निर्माण का जो क्रम

चला तो वर्तमान में 99 प्रतिशत भूखण्डों पर आलीशान मकान बन चुके हैं और वर्तमान दौर में वन ट्री हिल्स कालोनी रहने के लिए पहली पसंद है, इसकी वजह यह है कि इसके चारों तरफ सड़कें हैं, चाहे भोपाल इंदौर राजमार्ग से आरा मशीन रोड, निरंकारी मण्डल रोड, पंजाब नेशनल बैंक रोड, चंचल रोड, डा. सुरेश भंभानी क्लीनिक रोड, पार्किंग शापिंग काम्पलेक्स रोड या एफ वार्ड रोड हो, ये सभी सड़कें प्रेम रामचंदानी मार्ग पर आकर खत्म होती हैं, जहां से ही वन ट्री हिल्स कालोनी प्रारंभ होती है। अगर वन ट्री हिल्स कालोनी में 1200 वर्गफीट खाली भूखण्ड जो बहुत ही कम संख्या में बचे हैं, की बात की जाए, तो उसकी कीमत 1.25 से लेकर 1.50 करोड़ तक पहुंच चुकी है। इस तरह इस कालोनी में प्रति वर्गफीट भूखण्ड की कीमत लगभग 15000 रूपए पहुंच गई है, जो एक रिकार्ड है।

दूसरी पसंद निर्मल नर्सरी: हालांकि बीते दो दशक में ओल्ड डेयरी फार्म रोड के बाद लक्ष्मण नगर भी बना, जहां भी आलीशान बंगले व फ्लेट बन चुके हैं, लेकिन इससे पूर्व विद्या सागर पब्लिक स्कूल के समीप की सड़क पर छोटी सी कालोनी निर्मल नर्सरी घर बनाने व रहने के मामले में दूसरी सबसे अच्छी पसंद मानी जाने लगी है इस कालोनी में मुश्किल से दो दर्जन ही घर हैं, लेकिन चूंकि बिना किसी शोर शराबे के साफ सुथरी कालोनी होने के कारण यहां बने मकानों का दाम वन ट्री हिल्स कालोनी के मकानों व भूखण्डों से भी अधिक हो गया है।

पुरानी बैरिकों में बने क्वाटरों को लोग कह रहे अलविदा

"अब समय आ गया है जब मास्टर प्लान जल्द से जल्द लाकर सीहोर रोड स्थित जमीनों को व्यवसायिक एवं आवासीय में बदला जाए, ताकि लोगों के कारोबार एवं घर का सपना साकार हो सके।
किशोर तेजवानी, बर्तन कारोबारी

"संत हिरदाराम नगर में अब कारोबार एंव आवासीय जमीन बची नहीं है। सांसद आलोक शमा ने सीहोर रोड पर टेक्सटाइल हब के लिए जमीन दिलाने का वादा किया था, उस पर अमल होना चाहिए।
कन्हैयालाल इसरानी, अध्यक्ष, कपड़ा एसोसियेशन

लिंक्डइन स्किल्स से निखर रही युवा प्रोफेशनल पहचान

एमबीए कालेज में इंटरैक्टिव सत्र आयोजित

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट फॉर वीमेन भोपाल में छात्राओं की डिजिटल प्रोफेशनल उपस्थिति को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लिंक्डइन प्रोफाइल बिल्डिंग विषय पर एक ज्ञानवर्धक एवं इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उद्योग उद्योग विशेषज्ञ मुकेश जाटव, संस्थापक दि लीगल ट्रेंड्स बिजनेस कंसल्टिंग ने अपने अनुभवों के आधार पर छात्राओं को व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने प्रभावी प्रोफेशनल नेटवर्क बनाने, आकर्षक प्रोफाइल एवं हेडलाइन तैयार करने, विजिबिलिटी स्ट्रेटेजी समझने, एंगेजिंग कंटेंट क्रिएट करने तथा पर्सनल ब्रांडिंग को सशक्त बनाने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। सत्र में जॉब अवसरों, इंटर्नशिप, रिक्रूटर्स की अपेक्षाओं एवं लिंक्डइन के प्रभावी उपयोग के डूज एवं डोंट्स पर भी चर्चा की गई। सत्र को अत्यंत रोचक एवं सहभागितापूर्ण बनाया गया। छात्राओं ने इस दो घंटे के सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया और लिंक्डइन को एक प्रभावी करियर निर्माण प्लेटफॉर्म के रूप में उपयोग करने की समझ विकसित की। प्रबंध संचालक हीरो ज्ञानचंदानी, समूह सलाहकार पीएस. राठौर ने इस सफल आयोजन के लिए ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की सराहना की।

स्पीड बनी जनलेवा, स्कार्पियो ने ऑटो को उड़ाया

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। भले ही स्थानीय पुलिस चोर उच्चकों पर अंकुश के लिए व्यापारियों के सहयोग से जगह जगह सीसी कैमरा टीवी लगाने की कवायद में लगी हो, लेकिन असामाजिक तत्व हैं कि तेज गति से वाहन दौड़ाने में कोई संकोच नहीं कर रहे हैं, फिर भले ही किसी जान क्यों न चली जाए। बुधवार दोपहर के समय प्रेम रामचंदानी मार्ग पर उस समय भीषण हाद्सा हुआ, जब एक लोडिंग आटो चालक सड़क किनारे पेड़ के नीचे आटो खड़ी कर बैठे बैठे पानी पी रहा था, उस दौरान पीछे से लगभग 100 की स्पीड में दौड़ रही स्कार्पियो ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर में जहां आटो के चालक की सीट पर बैठा व्यक्ति उसमें लहुलुहान होकर फंस गया, वहीं समीप खड़ी एक बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार बूढ़ाखेड़ा निवासी राजेन्द्र रजक लोडिंग आटो चलाता है। वह किसी के घर सामान छोड़कर प्रेम रामचंदानी मार्ग स्थिति शासकीय कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल की दीवार के बाहर लगे पेड़ के नीचे आटो में

ही बैठकर पानी पी रहा है, उसी दौरान डा. टीके ज्ञानचंदानी क्लीनिक की तरफ से लगभग 100 की स्पीड में आ रही स्कार्पियों ने इतनी जोरदार टक्कर मार दी कि ड्राइवर राजेन्द्र रजक न केवल पूरी तरह से लहुलुहान हुआ बल्कि आटो की सीट में बुरी तरह से फंस किया। इस जोरदार टक्कर के बाद स्कार्पियो क्रमांक एमपी 04 जेड 9087 का चालक समाज सेवी ईश्वरदास हिमथानी के निवास की गेट पर रूकने के बाद फरार हो गया। उसकी कार भी क्षतिग्रस्त हुई। इधर वहां से गुजर रहे लोगों ने किसी तरह आटो की सीट पर फंसे ड्राइवर को निकाला बाद में उसे कृष्णाणी अस्पताल ले जाया गया।

नहीं आई एम्बुलेंस

किसी भी इलाके में सड़क दुर्घटना के चंद मिनटों में घटना स्थल पर पहुंचने का दावा करने वाली राजधानी की एम्बूलेंस सेवा की भी कलई खुल गई। घटना स्थल पर पहुंचे इस प्रतिनिधि ने एक अन्य व्यक्ति के मोबाइल पर एम्बूलेंस का नम्बर 102 डायल किया जिसमें उसे नम्बर 108 पर डायवर्ट कर दिया गया जहां से आवाज आई कि एम्बूलेंस उपलब्ध नहीं है, अभी जस्ट गाड़ी गई है, पन्द्रह बीस मिनट रूकना पड़ेगा। लहुलुहान सड़क पर पड़े आटो चालक को बाद में किसी तरह अन्य आटो रिक्शा से डा. कृष्णानी अस्पताल ले जाया गया। इसी बीच पुलिस भी घटना स्थल पर पन्द्रह से बीस मिनट के बाद पहुंची जबकि घटना स्थल और पुलिस थाने की दूरी मुश्किल से पौन किलो मीटर होगी। पुलिस ने आकर दुर्घटना के कारण दुर्घटनाग्रस्त आटो को साइड में लगाकर रास्ता खुलवाया।

डॉजबॉल प्रतियोगिता का आगाज 17 राज्यों के खिलाड़ी ने लेंगे भाग

मंडीदीप। नगर में राष्ट्रीय स्तर की डॉजबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ मंगलवार को उत्साह और खेल भावना के साथ किया गया। देशभर से आए खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों की मौजूदगी ने आयोजन को विशेष ऊर्जा और आकर्षण प्रदान किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी माहौल को उत्सवमय बना दिया। प्रदेश डॉजबॉल एसोसिएशन के सचिव प्रवीण सांगते ने जानकारी देते हुए बताया कि उद्घाटन मुकाबला महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की टीमों के बीच खेला गया। बेहद रोमांचक रहे इस मुकाबले में महाराष्ट्र की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। खिलाड़ियों के जोश और रणनीतिक खेल ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। देश के 17 राज्यों से लगभग 600 बालक एवं बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इसका उद्देश्य युवाओं में खेल प्रतिभा को बढ़ावा देना, अनुशासन और टीम भावना विकसित करना तथा डॉजबॉल जैसे तेजी से लोकप्रिय हो रहे खेल को राष्ट्रीय पहचान दिलाना है।

नगर विकास अधूरा, जनप्रतिनिधियों की वादाखिलाफी से नाराज दुकानदार

जागरण, ओबेदुल्लागंज। नगर विकास के नाम पर एक बर्ष पूर्व आज के ही दिन करीब तीन सौ दुकानदार को स्थानीय नगर परिषद प्रशासन द्वारा हटाया गया था। आश्वासन दिया गया था कि बर्षो से जो फुटकर दुकानदार सक किनारे अपना रोजगार चला रहे हैं उन्हें पक्की दुकाने बनबाकर देगें। पूरा साल बीत जाने के बाद जनप्रतिनिधियों का वादा अधूरा है। अब पीति प्रभावित परिवार जनप्रतिनिधियों की झूठी वादाखिलाफी से नाराज नजर आ रहे है। 300 दुकानदारों के बेरोजगार होने का मतलब है कि लगभग 1,500 से अधिक लोग (उनके परिवार) पिछले एक साल से आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। अब तक दुकानों के निर्माण के लिए कोई बजट आवंटित नहीं किया गया। गौरतलब है कि अतिक्रमण हटाने

के बाद स्थानीय नपा अध्यक्ष और क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा ने प्रभावित दुकानदारों का जल्द विस्थापन का वादा किया था।

गर्भवती महिलाओं व बच्चों की जिंदगी से हो रहा है खिलवाड़

जागरण, नजीराबाद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नजीराबाद के अंतर्गत आने वाले सैकड़ों गांवों के उप स्वास्थ्य केंद्रो में वर्षों से महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भारी कमी बनी हुई है। जिसके कारण गर्भवती महिलाओं और मासूम बच्चों की जिंदगी तक दांव पर लगी हुई है। हालात इतने खराब हैं कि कई गांवों में न तो गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच हो पा रही है और न ही बच्चों का समय पर टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही का खामियाजा सीधे ग्रामीण गरीब परिवार भुगत रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों को समस्या की पूरी जानकारी होने के बावजूद जिम्मेदार आंख मूंदे बैठे हैं। वर्षों से खाली पड़े पदों को भरने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की गई, जिससे पूरे क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है।

किसानों के मुद्दे लेकर गांव-गांव पहुंचेगी कांग्रेस

जागरण, कलारा। जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल ग्रामीण की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक मैरिज गार्डन फंदा-खजूरी स्थित मीटिंग हॉल में संपन्न हुई। बैठक में संगठन विस्तार, किसान समस्याओं और आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनोखी मानसिंह पटेल ने की। बैठक में नव नियुक्त जिला प्रभारी मनोज राजानी, विधानसभा बेरसिया प्रभारी राजकुमारी रिंकी रघुवंशी सहित जिले के ब्लॉक अध्यक्ष, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक में किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामभाई मेहर ने किसानों की बिजली, खाद, बीमा और फसल खरीदी से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। किसानों की समस्याओं का समाधान युद्ध स्तर पर कराया जाना चाहिए। संगठन को ग्राम पंचायत और बूथ स्तर तक सक्रिय और मजबूत बनाना समय की आवश्यकता है।

Can Fin Homes Ltd
(Sponsor: CANARA BANK)
HOME LOANS • DEPOSITS
Translating Dreams into Reality

रजिस्टर्ड ऑफिस- 29/1, प्रथम तल, सर एम एन कृष्ण राव रोड, लालबाग वेस्ट गेट के पास, बसवनगुडी, बैंगलुरू-560004
Website: www.canfinhomes.com

शाखा स्थानांतरण सूचना

हम अपने सभी ग्राहकों को यह सूचित करते है कि हमारी भोपाल शाखा दिनांक 19.08.2026 से एक नए परिसर में स्थानांतरित हो जाएगी और कार्य करना शुरू कर देगी।
हमारी नई शाखा का पता - कैनफिन होम्स लिमिटेड, पहली मंजिल, प्लॉट नंबर 131/8, नगर निगम पार्किंग के सामने, प्रगति पेट्रोल पंप जोन-2 के पास, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल, मध्य प्रदेश-462011
स्थान: भोपाल
दिनांक : 21.05.2026
हस्ता./-
वरिष्ठ प्रबंधक

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स
जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई. डी. नं. 0498000202,
आवेदन क्रमांक- 10952, आवेदन दिनांक-03/02/2026
क्रमांक 1039 /राजस्व /भौविप्रा/ 26 भोपाल
दिनांक: 18/02/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की साकेत नगर योजना में स्थित भूखण्ड क्रमांक 202 सेक्टर 09 बी, श्री एच.सी. सक्सेना आ. श्री दुर्गा प्रसाद के नाम पर आवंटित है। आवंटी श्री एच.सी. सक्सेना का स्वर्गवास दिनांक 24/04/2021 को हो जाने के कारण आवंटी के वारिसगण श्रीमती विमलेश सक्सेना पत्नी स्व. श्री एच.सी. सक्सेना एवं प्रीति सक्सेना आ. स्व. श्री एच.सी. सक्सेना द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड अपने संयुक्त नाम पर नामांतरण चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्ये दस्तावेजो के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/ उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/ दस्तावेजो के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।
राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण,
भोपाल

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY)
हाउसिंग फॉर ऑल प्रकोष्ठ (HFA CELL)
चतुर्थ तल, नगर निगम मुख्यालय भवन, सेकण्ड स्टाप तुलसी नगर भोपाल-462003

NIT No. - 06/HFA / BMC/2026 Date - 20/05/2026

:: निविदा आमंत्रण ::
निविदा क्रमांक 2026_UAD_509148_1

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत अरहेड़ी आवासीय परियोजना (रेरा पंजीयन नं. P-BPL-26-6468) स्थल पर निर्माणाधीन 21 टाईप 2 Duplex house स्वतंत्र आवासों का व्ययन उच्चतम निविदा दर के आधार पर किये जाने हेतु ई-निविदा पद्धति के अन्तर्गत www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन निविदाऐं दिनांक 25.05.2026 समय 14:30 PM से 26.06.2026 समय 17:30 PM बजे तक आमंत्रित की जा रही हैं, जिसकी तकनीकी निविदा दिनांक 29.06.2026 को समय 10:30 AM बजे खोली जावेंगी। तकनीकी मूल्यांकन उपरांत योग्य निविदाकारों की वित्तीय निविदा खोली जावेगी । निविदा प्रपत्र, अनिवार्य शर्तें एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को मध्यप्रदेश शासन के ई-निविदा के पोर्टल www.mptenders.gov.in पर प्राप्त होंगी।

उक्त निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन होने पर उसे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा।
नोट :- ऑनलाईन, ई - निविदा में समस्या होने पर ईमेल- bmcmp.hfa@gmail.com पर मेल करें, अथवा मोबाइल नंबर 9424499880 पर संपर्क करें।

जोनल अधिकारी (HFA)
नगर निगम, भोपाल
नि.क्र. 199/026/027

आम जाहिर सूचना

कृषि भूमि खसरा नंबर 70/1/1/2 कुल रकबा 0.810 हेक्टेयर में से 1.00 एकड़ स्थित ग्राम फन्दा कलां, तहसील हुजूर, जिला भोपाल म.प्र.

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने सजिद मेहमूद इमाम आत्मज श्री शेख इमाम, निवासी हुदा हाईट्स, बंजारा हिल्स, लाटेस पोड, खैरताबाद, हैदराबाद, तेलंगाना । हाल मुकाम ए-301, गुलमोहर हाईट्स, ग्रीन वैली, एयरपोर्ट रोड, भोपाल के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि खसरा नंबर 70/1/1/2 (S) कुल रकवा 0.810 में से रकवा 1.00 एकड़ स्थित ग्राम फन्दा कलां, पटवारी हल्का नं. 63, तहसील हुजूर, जिला भोपाल म.प्र. में है, को क्रय करने हेतु बयाना राशि का भुगतान किया है। जिसकी चतुर्थ सीमायें इस प्रकार है पूर्व में : राजकुमारी दांगी की भूमि, पश्चिम में: रास्ता, उत्तर में : विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण में : राजकुमारी दांगी की भूमि है। उक्त भूमि अथवा उसके किसी भाग पर किसी व्यक्ति, संस्था का कोई ऋण, भार, दान, बंधक, विक्रय, विक्रय अनुबंध हो अथवा कोई आपत्ति हो तो वह व्यक्ति, बैंक, संस्था इस आम सूचना के प्रकाशन से 10 (दस) दिवस की अवधि में मय दस्तावेजों साक्ष्य सहित मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा एवं अवधि व्यतीत होने के पश्चात् मेरे पक्षकार उक्त संपति के विक्रय पत्र का पंजीयन कराये जाने हेतु स्वतंत्र होंगे ऐसी स्थिति में कोई आपत्ति मान्य व स्वीकार नहीं होगी।

भवदीय **विजय कुमार लोदवाल** एडवोकेट
बैठक स्थान : तहसील कार्यालय, तहसील हुजूर, भोपाल (म. प्र.) मो- 7470448996

आम सूचना
भूखंड क्रं.-15, ग्राम-करोंदकलां, प.ह.नं.-21/88 वार्ड नम्बर-78 जिला भोपाल के संबंध में

मेरे पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अक्षय उपरीत आत्मज श्री अखिलेश उपरीत निवासी-151, राजेन्द्र कालोनी, कोच फेक्ट्री के पास, भोपाल से उनके मालिकी, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक किता भूखण्डक्रमांक 15 का दक्षिणी भाग जिसे सेक्टर-ए का नाम दिया गया है, जो कि ग्राम करोंदकलां, प.ह.नं.-21/88, रा.नि.मं.-02/12, वार्ड नम्बर-78, विकास खंड फंदा तहसील हुजूर जिला भोपाल मे स्थित है जिसका भूमि खसरा क्रं.-72/2/1/1/2 (एस) एवं बटान नक्शा अनुसार खा.क्रं.- 72/2/1/1/2-73-74-77-80 रकबा 0.0476 हेक्टेयर (साईज 102.5X50=5125 वर्गफिट) है जिसकी चतुर्थ सीमाऐं पूरब में-16 फिट चौड़ा रोड, पश्चिम में- सुधा गौर/के.टी.आर. कन्सट्रक्शन की भूमि, उत्तर में-श्रीमति इन्द्रा गुप्ता का भूखण्ड, दक्षिण में-भूखंड क्रमांक-14 शर्मा जी का है, को क्रय करने का निश्चय करते हुये टोकन/बयाना राशि अदा कर दी हैं व उक्त सम्पत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी या निजी साहूकार, बैंक, या अन्य किसी शासकीय, आशासकीय, अर्द्धशासकीय निगम, संस्था इत्यादि का कोई वाद विवाद लेनदारी या अन्य प्रकार का प्रभार व किसी भी प्रकार का स्वामित्व संबंधी विवाद आदि विद्यमान उक्त के संबंध में कोई विक्रय अनुबंध पत्र निष्पादित किया गया हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 (सात) दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में लिखित रूप में वैधानिक आपत्ति प्रस्तुत कर रसीद प्राप्त करें, अवधि व्यतीत होने पर मेरे पक्षकार पर कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी और मेरा पक्षकार उपरोक्त भूमि के विक्रय-पत्र का पंजीयन अपने पक्ष में करने के लिये स्वतंत्र होगा।

भवदीय **महेश कुमार पाल** अधिवक्ता
पाल लॉ चेम्बर-कार्यालय-पटेल मार्केट के सामने, भानपुर चौराहा, विदिशा रोड, भोपाल मोबाइल-9669480151

आम सूचना
भूखंड क्रं.-15, ग्राम-करोंदकलां, प.ह.नं.-21/88 वार्ड नम्बर-78 जिला भोपाल के संबंध में

मेरे पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति इन्द्रा गुप्ता पत्नी श्री वंशीलाल गुप्ता, निवासी-रिसालदार कालोनी, छेला नाका, भोपाल से उनके मालिकी, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक किता भूखंडक्रमांक 15 का उत्तरी भाग जिसे भूखंड क्रमांक-15/1 सेक्टर-ए का नाम दिया गया है, जो कि ग्राम करोंदकलां, प.ह.नं.-21/88, रा.नि.मं.-02/12, वार्ड नम्बर-78, विकास खंड फंदा तहसील हुजूर जिला भोपाल मे स्थित है जिसका भूमि खसरा क्रं.-72/2/1/1/2 (एस) एवं बटान नक्शा अनुसार खा. क्रं.-72/2/1/1/2-73-74-77-80 रकबा 0 0476 हेक्टेयर (साईज 102.5X50=5125 वर्गफिट) है जिसकी चतुर्थ सीमाऐं पूरब में-रास्ता, पश्चिम में-के.टी.आर. कन्सट्रक्शन की भूमि, उत्तर में-अन्य की सम्पत्ति, दक्षिण में- अक्षय उपरीत की सम्पत्ति (15-ए का दक्षिणी भाग) है, को क्रय करने का निश्चय करते हुये टोकन/बयाना राशि अदा कर दी हैं व उक्त सम्पत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी या निजी साहूकार, बैंक, या अन्य किसी शासकीय, आशासकीय, अर्द्धशासकीय निगम, संस्था इत्यादि का कोई वाद विवाद लेनदारी या अन्य प्रकार का प्रभार व किसी भी प्रकार का स्वामित्व संबंधी विवाद आदि विद्यमान उक्त के संबंध में कोई विक्रय अनुबंध पत्र निष्पादित किया गया हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 (सात) दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में लिखित रूप में वैधानिक आपत्ति प्रस्तुत कर रसीद प्राप्त करें, अवधि व्यतीत होने पर मेरे पक्षकार पर कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी और मेरा पक्षकार उपरोक्त भूमि के विक्रय-पत्र का पंजीयन अपने पक्ष में करने के लिये स्वतंत्र होगा।

भवदीय **महेश कुमार पाल** अधिवक्ता
पाल लॉ चेम्बर-कार्यालय-पटेल मार्केट के सामने, भानपुर चौराहा, विदिशा रोड, भोपाल मोबाइल-9669480151

SUDOKU 42

		2	8	1		9		
3					6		5	2
	9			3		7		
1		5			7			
	6			8		5		4
8			5		9		1	
	5			6		4		9
2			4		8		6	
	8							3

SOLUTIONS 41

5	7	1	6	2	3	8	4	9
9	4	3	5	8	1	2	7	6
2	6	8	9	7	4	1	5	3
3	8	7	4	6	9	5	2	1
6	1	5	2	3	7	4	9	8
4	9	2	1	5	8	3	6	7
7	2	6	8	1	5	9	3	4
8	3	9	7	4	2	6	1	5
1	5	4	3	9	6	7	8	2

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन पुराने रिश्तों की मिठास और नई खुशियों की सौगात लेकर आ सकता है। पुराने दोस्तों से मुलाकात यादों का खजाना खोल देगी। व्यापार में आर्थिक उन्नति मिल सकती है।

वृषभ : आज सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी होगी। बिजनेस में आपकी लंबी योजनाएँ धीरे-धीरे सफलता की राह पकड़ेंगी।

मिथुन : आज प्रॉपर्टी और निवेश के मामलों में किस्मत आपका साथ दे सकती है। नई प्रॉपर्टी खरीदने का विचार लाभकारी साबित होगा।

कर्क : आज नई संभावनाएं और अवसर आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकते हैं। नई नौकरी का ऑफर उत्साह बढ़ा सकता है। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता लोगों को प्रभावित करेगी।

सिंह : आज सोच-समझकर कदम बढ़ाना ही आपके लिए फायदेमंद रहेगा। नए काम में जल्दबाज़ी करने से बचें और हर व्यक्ति को पहचानकर ही भरोसा करें। मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

कन्या : आज का दिन आपके लिए नई पहचान और नई उपलब्धियों का संकेत दे रहा है। बिजनेस को आगे बढ़ाने की आपकी मेहनत रंग लाएगी।

तुला : आज आलस्य आपके लिए सबसे बड़ी रुकावट बन सकता है। प्रॉपर्टी के मामलों में सतर्क रहें, क्योंकि धोखे की संभावना है। रिश्तों में आपसी सम्मान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : आज सफलता की राह पर आपके कदम तेजी से बढ़ सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को चुनौतियाँ मिलेंगी। रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है।वाहन सुख में वृद्धि होगी।

धनु : आज का दिन खुशी और मौज-मस्ती से भरा रह सकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से रुका हुआ काम पूरा होने के संकेत हैं।

मकर : आज धन और समृद्धि में बढ़ोतरी के संकेत हैं। बिजनेस की योजनाएँ उम्मीद से बेहतर परिणाम दे सकती हैं। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

कुंभ : आज मेहनत और नए आइडिया आपकी सफलता की चाबी बन सकते हैं। बिजनेस में नई सोच आपको आगे बढ़ाने में मदद करेगी।

मीन : आज पारिवारिक उलझनें आपके मन को थोड़ा परेशान कर सकती हैं। भाई-बहनों के बीच छोटी बातों पर तनाव बढ़ सकता है। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाने में सफल रहेंगे।

आज का पंचांग : 21 मई गुरुवार 2026। **दिशाशूल :** दक्षिण दिशा में रहेगा।विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल वसंत ऋतु अधिक ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष की पंचमी 03 घंटे 27 मिनट तक, तत्पश्चात षष्ठी पुष्य नक्षत्र 26 घंटे 50 मिनट तक, तत्पश्चात अश्लेषा नक्षत्र गंड योग 10 घंटे 59 मिनट तक तत्पश्चात वृद्धि योग कर्क में चंद्रमा। **राहुकाल** : दोपहर 02:00 बजे से 03:43 बजे तक।

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
Office of The Dy. General Manager (O&M) Division, Guna
Power House Campus, Station Road, Guna-473001, E-mail : dgmguna@gmail.com
DGM/O&M/GNA/Pur/2026-27/1134 Guna, Dated : 20.05.2026

NOTICE INVITING E-TENDER

M.P.M.K.V.V.CO.Ltd. Hereby invites E-Tendering offier/rate for hiring the below mentioned type of vehicle in the following locations:-

Name of Unit/ Office	Particulars	Tender Fee (In Rs.)	Date of online Sale of Bid Documents	Date of Opening of Bids online
Guna (R) sub Division Under DGM (O&M) Division Guna	**Type F3,** Mini pickup double cabin with ladder/any low-end SUV half open from backside for carriage of man, material, Ladder etc. (Model 2026) (Agreement period 1 year.)	500/- + GST@18% = 590/-	20.05.2026, 17:00 Hrs. up to 28.05.2026, 16:00 Hrs.	29.05.2026 at 13:00 Hrs.

Other details, terms and conditions are available on company website: **https://portal.mpcz.in** & **https://mptenders.gov.in** or the under signed office.
M.P. Madhyam/125881/2026 DGM (O&M) DIVISION, GUNA

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

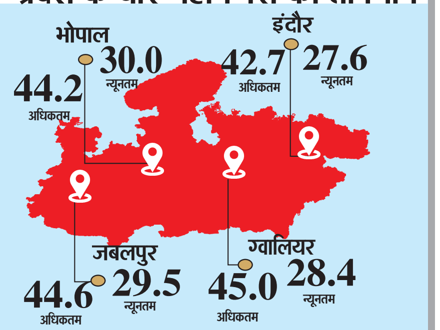

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	45.1	28.2
मुंबई	33.5	27.5
चेन्नई	40.3	22.2
कोलकाता	35.4	29.2

सूर्यास्त 6:56 PM
सूर्योदय 5:38 AM
चन्द्रोदय 4.43 PM
चन्द्रास्त 10:03 AM

गांजा तस्करी में फंसाने का डर दिखाकर व्यापारी से वसूली, टीआई सहित तीन सस्पेंड

पन्ना का मामला, जांच में शिकायत सही होने के बाद एसपी ने की कार्रवाई

जागरण, पन्ना। प्रदेश के पन्ना में पुलिस विभाग की छवि खराब करने वाला गंभीर मामला सामने आया है। दरअसल मंडला थाना क्षेत्र में एक व्यापारी को गांजा तस्करी के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर उससे 95 हजार की अवैध वसूली करने का आरोप लगा है। मामले की शिकायत पहुंचने के बाद एसपी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक रीवा निवासी व्यापारी मोहनलाल सोनी अपने मित्र से मिलने पन्ना आए थे। महुदा क्षेत्र में मित्र से मुलाकात के बाद व्यापारी पेट्रोल पंप के पास अपनी बाइक के पास खड़े थे। इसी दौरान मंडला थाने के दो आरक्षक वहां पहुंचे और वाहन चेकिंग के नाम पर व्यापारी को रोक लिया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने बाइक की डिग्गी में एक छोटा बैग रखते हुए व्यापारी पर गांजा रखने का आरोप लगाया और कार्रवाई करने की धमकी दी। पीड़ित व्यापारी का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उसे डराकर एक लाख रुपए मांगे। इस दौरान वहां स्थानीय शराब ठेके का एक मैनेजर भी मौजूद था। व्यापारी ने खुद को बचाने परिजनों से संपर्क किया और दो अलग-अलग खातों में 50 हजार और 45 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कराए। कुल 95 हजार रुपए मिलने के बाद व्यापारी को छोड़ दिया।

एसडीओपी को सौंपी विस्तृत जांच

सूत्रों के मुताबिक मामले की विस्तृत जांच एसडीओपी पन्ना को सौंपी गई है। पुलिस विभाग अब पूरे घटनाक्रम की गहराई से जांच कर रहा है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि इस अवैध वसूली में और कौन-कौन शामिल था। घटना के सामने आने के बाद जिले में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। फिलहाल सभी की नजरें जांच रिपोर्ट और आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं।

घबराए व्यापारी ने रीवा लौटकर की शिकायत

घटना से सहमा व्यापारी वापस रीवा लौट गया, किंतु बाद में उसने पूरे मामले की लिखित शिकायत एसपी पन्ना से की। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए एसपी निवेदिता नायडू ने तत्काल जांच के आदेश दिए। प्रारंभिक जांच में शिकायत सही पाए जाने पर महुदा थाना प्रभारी रचना पटेल, आरक्षक रज्जाक खान और रामशरण को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

विवाद खत्म कराने टीआई और आरक्षक ने की मारपीट

जागरण, कटनी। जिले के माधवनगर थाना प्रभारी पर दबंगई दिखाने का आरोप लगा है। आरोप है कि लेन-देन के विवाद को खत्म कराने के दबाव में टीआई ने आरक्षक के साथ मिलकर दंपत्ति से मारपीट की। घटना के बाद पीड़ित एसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने माधवनगर टीआई संजय दुबे और आरक्षक पर मारपीट, अभद्रता और धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पीड़िता आकांक्षा उर्फ काव्या अपने पति गोविंद इदनानी और ससुर के साथ एसपी कार्यालय पहुंची थीं। पीड़िता का आरोप है कि रवि और महेश भाजपा से जुड़े प्रकाश आहूजा के करीबी हैं और उनके इशारे पर माधवनगर टीआई दुबे अपने थाना क्षेत्र से बाहर कोतवाली इलाके में पहुंचे और आरक्षक के साथ मिलकर उनके परिवार की बेरहमी से पिटाई की। उन्होंने आरोप लगाया कि माधवनगर पुलिस राजनीतिक दबाव के कारण कार्रवाई नहीं कर रही। पीड़ित दंपत्ति ने एसपी अभिनय विश्वकर्मा को मेडिकल रिपोर्ट और सीसीटीवी फुटेज सौंपते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने निष्पक्ष जांच कर वैधानिक कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

कटनी एसपी आफिस पहुंचे पीड़ित दंपत्ति ने लगाए आरोप

तीन महीने से लापता नाबालिग प्रेमी जोड़े के जंगल से मिले कंकाल

रीवा का मामला, कपड़ों और चश्मे से हुई शिनाख्त

जागरण, रीवा। प्रदेश के रीवा जिले के तराई अंचल से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिले के जवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जनकहाई जंगल में तीन महीने से लापता एक नाबालिग प्रेमी जोड़े के कंकाल बरामद हुए हैं। घने जंगल के बीच दो कंकाल मिलने की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कंकाल में तब्दील हो चुके हैं शव : बुधवार दोपहर को जब कुछ लोग जनकहाई जंगल की तरफ गए, तब उन्होंने वहां दो शवों को देखा और पुलिस को सूचित किया। पुलिस के अनुसार, लाशें तकरीबन दो से तीन महीने पुरानी हैं, जिसके कारण दोनों शव अब पूरी तरह से कंकाल में तब्दील हो चुके हैं। घटना स्थल पर कपड़ों और चश्मे जैसी अन्य सामग्रियों के आधार पर शवों की शिनाख्त की गई।

जांच में जुटी पुलिस और फॉरेंसिक टीम : फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में ले लिया है। दोनों की मौत आखिर किन परिस्थितियों में हुई और यह आत्महत्या का मामला है या हत्या का, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। मौत के असली कारणों का पता लगाने के लिए कंकाल बन चुके शवों को फॉरेंसिक जांच और पीएम के लिए रीवा मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा है। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर गहराई से मामले की जांच कर रही है।

वैलेंटाइन-डे से लापता थे दोनों

शुरुआती जांच और स्थानीय लोगों की मदद से मृतकों की पहचान नीवा गांव के रहने वाले नाबालिग किशोर और किशोरी के रूप में हुई है। दोनों तीन माह पहले वैलेंटाइन-डे से अचानक रहस्यमय ढंग से लापता हो गये थे। परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद जवा थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। हालांकि, पिछले तीन महीनों से पुलिस और परिजनों के हाथ खाली थे और उनका कहीं कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था।

शिविर के दौरान बंदरों का हमला, दो छात्राओं घायल

जागरण, ग्वालियर। शहर के एक निजी कॉलेज में आयोजित शौर्य संकल्प प्रशिक्षण शिविर के दौरान तब अफरा-तफरी मच गई जब बंदरों ने छात्राओं पर हमला बोल दिया। बंदर के हमले में दो छात्राएं घायल हो गईं। जानकारी के मुताबिक शहर के एक निजी कॉलेज में शौर्य संकल्प प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया था। इसमें प्रशिक्षण के लिए करीब 175 छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे। बताया जा रहा है कि यह घटना तब हुई जब कुछ छात्राएं कैंपस के पार्क में खाना खा रही थी। बंदरों ने छात्राओं पर तब हमला किया जब कुछ छात्राएं रूम के बाहर कैंपस के ही पार्क में खाना खा रही थी। इस हमले में दो छात्राएं रूबी और माया घायल हुई हैं। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

'नेकी की दीवार' पर मिला नवजात का शव

जागरण, टीकमगढ़। शहर के सिविल लाइन रोड स्थित नगर पालिका की 'नेकी की दीवार' परिसर में बुधवार दोपहर एक नवजात बच्चे का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चे को जिला अस्पताल भिजवाया गया। घटना सर्किट हाउस के सामने स्थित उस परिसर की है, जहां जरूरतमंदों के लिए लोग कपड़े दान करते हैं। इसी स्थान पर दीनदयाल रसोई और फायर ब्रिगेड कार्यालय भी संचालित है। दोपहर के समय लोगों की नजर कपड़ों के ढेर में पड़े नवजात पर पड़ी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बच्चे के शरीर पर चींटियां लगी हुई थीं, जिससे अंदेशा जताया जा रहा है कि शव काफी देर से वहां पड़ा था। कोतवाली थाना प्रभारी रवि भूषण पाठक ने बताया कि जिला अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टर विजय जैन ने जांच के बाद बच्चे की उम्र करीब एक सप्ताह बताई है। डॉक्टर के अनुसार, बच्चे के हाथ पर मिले निशानों से यह संभावना जताई जा रही है कि उसका जन्म किसी निजी अस्पताल में हुआ होगा। हालांकि, मौत कब और किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। नवजात को वहां छोड़ने वाले व्यक्ति की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में दुख और आक्रोश का माहौल है।

वन विभाग ने 19 कट्टों से की 575 किलो सलाई गोंद जब्त

प्रतिबंधित है गोंद, 1.15 लाख रुपए बताई जा रही कीमत

जागरण, बुरहानपुर। वन विभाग की टीम ने अवैध सलाई गोंद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम खड़की में दबिश दी। इस दौरान टीम ने यहां से 19 कट्टों में भरा 575 किग्रा सलाई गोंद जब्त किया है। जब्त गोंद की कीमत 1 लाख 15 हजार रुपए बताई जा रही है।

दरअसल मुखबिर से वन विभाग को सूचना मिली थी कि खड़की गांव में अवैध रूप से सलाई गोंद का संग्रह किया गया है। इसके बाद वन परिक्षेत्र अधिकारी रितेश उईके के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। कार्रवाई में बीट गार्ड अंबा झोली सुरेश कुमार दांगी, बीट रायतलाई कचरू गुर्जर सहित वन विभाग का स्टाफ व सुरक्षा श्रमिक शामिल थे।

कच्ची टपरी से बरामद हुआ गोंद : टीम ने शेख रफीक के घर के पास छानबीन की। इस दौरान एक कच्ची टपरी से 19 कट्टों में भरा सलाई गोंद बरामद किया गया। वन विभाग ने पंचनामा बनाकर मामला दर्ज कर लिया है। वन विभाग के अनुसार बुरहानपुर जिले में सलाई गोंद निकालने पर प्रतिबंध लगा है। इसके बावजूद अवैज्ञानिक तरीके से गोंद निकाला जा रहा है और उसकी तस्करी की जा रही है। वन विभाग इससे पहले भी कई बार कार्रवाई कर चुका है, लेकिन अवैध कारोबार पर रोक नहीं लग पाई है। बुरहानपुर एसडीओ अजय सागर ने बताया कि अवैध सलाई गोंद संग्रहण और तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कॉलेज जा रहे दो छात्रों को कंटेनर ने कुचला

जागरण, सागर। सड़क हादसों में कमी आने की जगह इनमें वृद्धि ही होती जा रही है। हादसों को रोकने के लिए जिला प्रशासन वर्षों से माथापच्ची कर रही है लेकिन आज भी सड़कें लोगों के लिए सुरक्षित नहीं हैं। बुधवार की सुबह कंटेनर की चपेट में आने से कॉलेज जा रहे दो छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। कंटेनर चालक फरार है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

शहर के कैंट थाना क्षेत्र में बुधवार को नेशनल हाईवे-44 पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कॉलेज जा रहे बाइक सवार दो छात्रों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत कराया और ट्रक को जब्त कर लिया है। मृतकों की पहचान संजय उम्र 20 वर्ष पिता महेश रजक निवासी सेमरा हाट और नितिन उम्र 20 वर्ष पिता लखन अहिरवार निवासी कोलुआ के रूप में हुई है। दोनों छात्र बीएससी प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहे थे। जानकारी के अनुसार बुधवार को दोनों एक ही बाइक पर सवार होकर अपने गांव से कॉलेज के लिए सागर आ रहे थे। तभी रानीपुरा के पास यह हादसा हो गया। घटना करीब साढ़े 10 बजे की बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रानीपुरा के पास नेशनल हाईवे पर पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने छात्रों की बाइक को टक्कर मार दी थी। इसी दौरान वे ट्रक के पहिए की चपेट में आ गए, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। गौरतलब है कि वाहन चालक तेज गति से वाहन दौड़ाते हैं, जिससे आए दिन इस तरह के हादसे होते रहे हैं और लोग घायल हो जाते हैं।

ट्रक ने कार को मारी टक्कर तीन सहायक सचिव की मौत

जागरण, देवास। प्रदेश के देवास में उज्जैन रोड पर अमलतास अस्पताल के पास ब्रिज पर मंगलवार देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रतलाम जिले के तीन सहायक सचिवों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य गंभीर घायल हो गए। सभी सहायक सचिव भोपाल में आयोजित महासम्मेलन में शामिल होने जा रहे थे। जानकारी के अनुसार रतलाम जिले के शिवगढ़ क्षेत्र से सहायक सचिव मंगलवार रात तूफान वाहन से भोपाल के लिए रवाना हुए थे। रात दो बजे उज्जैन रोड टोल के बाद कार गलती से देवास की ओर जाने वाले मार्ग की बजाय सीधे ब्रिज पर चढ़ते हुए इंदौर रूट पर चली गई थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सड़क से 15 फीट दूर खेत में जा गिरी। हादसे में कार में सवार सहायक सचिव हुरजी मेड़ा निवासी कुवरपाड़ा और लखन कमोदिया निवासी करिया की मौत हो गई। वहीं बरड़ा ग्राम पंचायत के सहायक सचित प्यारेलाल खराड़ी ने शाम को दम तोड़ दिया कार में सवार 10 अन्य सहायक सचिव गंभीर घायल हो गए।

प्रताड़ना से तंग आकर युवती ने दी अपनी जान

जागरण, नीमच। जिले के सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम बोरखेड़ी में 23 वर्षीय युवती ने अपनी जान दे दी। एक युवक की प्रताड़ना से तंग आकर उसने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक रिया के माता-पिता दोनों नेत्रहीन हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बोरखेड़ी निवासी रिया पुत्री गोवर्धन का मनासा बरड़िया निवासी नीरज नामक युवक से परिचय था। परिजनों ने बताया कि नीरज पिछले कुछ समय से रिया को मानसिक रूप से परेशान और प्रताड़ित कर रहा था। इसी प्रताड़ना से तंग आकर रिया ने यह कदम उठाया। जब काफी देर तक रिया का पता नहीं चला और घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला, तो पड़ोसियों को संदेह हुआ। पड़ोसियों ने दरवाजा तोड़कर रिया को अचेत अवस्था में पाया और तुरंत जिला चिकित्सालय ले गए। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। नीमच सिटी थाना पुलिस ने जिला अस्पताल में मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच और रिया को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले आरोपी युवक नीरज के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

महिला मित्र से बातचीत बनी हत्या की वजह, दो नाबालिगों को पकड़ा

जागरण, उमरिया। जिले की मानपुर पुलिस ने 15 वर्षीय किशोर की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए दो नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू, टेप, मोबाइल फोन और खून से सने कपड़े बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हत्या की वजह आरोपी की महिला मित्र से मृतक की बातचीत थी। जानकारी के अनुसार, कटनी जिले के विजयराघवगढ़ निवासी 15 वर्षीय किशोर अपने रिश्तेदारों के यहां मानपुर घूमने आया था। 14 मई की शाम बाजार से लौटने के बाद वह अचानक लापता हो गया। परिजनों ने उसके मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन बंद मिला। इसके बाद 16 मई को मानपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। पुलिस जांच के दौरान 17 मई को सिगुड़ी क्षेत्र के जंगल में किशोर का शव बरामद हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर एक नाबालिग संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने हत्या की पूरी साजिश कबूल कर ली। आरोपियों ने किशोर को रील और वीडियो बनाने के बहाने जंगल में बुलाया था। वहां 'किडनैपिंग सीन' शूट करने का झांसा देकर उसके हाथ और मुंह टेप से बांध दिए और फिर चाकू से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने हत्या की धाराएं जोड़ते हुए दोनों नाबालिगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

इटारसी से निकलते ही ट्रेनों पर पथराव

शर्मनाक घटनाएं: गोबर फेंक रहे शरारती तत्व, पॉलिटेक्निक का छात्र घायल

जागरण, इटारसी। रेलवे जंक्शन इटारसी से जबलपुर रेल खंड की ओर सफर करने वाले रेल यात्रियों की सुरक्षा भगवान भरोसे है। इटारसी से महज कुछ किलोमीटर आगे बढ़ते ही ट्रेनों पर अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा पथराव करने, धूल और गोबर फेंकने की बेहद गंभीर और शर्मनाक घटनाएं सामने आ रही हैं। इस जानलेवा हरकत के कारण रोजाना अप-डाउन करने वाले स्कूल-कॉलेज के छात्र, रेल यात्री और उनके परिवार खौफ के साए में सफर करने को मजबूर हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इस गंभीर समस्या से रेलवे का आला प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अनजान बनी बैठी हैं, जिससे यात्रियों में भारी आक्रोश है। इस पूरे मामले में रेलवे सुरक्षा बल की व्यवस्था और तकनीकी सीमाओं का एक बड़ा खेल सामने आया है। दरअसल, इटारसी रेलवे स्टेशन से महज एक किलोमीटर आगे बढ़ते ही ट्रेन भोपाल रेल मंडल से निकलकर जबलपुर रेल मंडल (डिवीजन) की सीमा में प्रवेश कर जाती है। घटना स्थल इटारसी जंक्शन से कुछ किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन रेल मंडल की सीमा बदलने के कारण इटारसी आरपीएफ और स्थानीय रेल अधिकारी इस मामले में कार्रवाई करने से यह कहकर खुद को असहाय बताते हैं कि यह क्षेत्र उनके अधिकार में नहीं आता। अब इस महज दो से तीन किलोमीटर के टुकड़े की सुरक्षा की जिम्मेदारी यहां से 70 किलोमीटर दूर बैठे पिपरिया आरपीएफ की है।

रोज सफर करते सैकड़ों छात्र, दूध और सब्जी विक्रेता

पिपरिया, सोहागपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से रोज सैकड़ों युवा इटारसी के पॉलिटेक्निक कॉलेज सहित अन्य शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करने आते हैं। इसके अलावा आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में छोटे व्यवसाई, दूध और सब्जियां बेचने के लिए इन्हीं सवारी गाड़ियों से इटारसी आते-जाते हैं। इन शरारती तत्वों की हरकतों से कामकाजी महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को खिड़की के पास बैठने में भी डर लगने लगा है।

प्रमुख प्रभावित ट्रेनें : बीना एक्सप्रेस (शाम 4:20), संघमित्रा एक्सप्रेस (दोपहर 2:35)।

संवेदनशील इलाका : इटारसी से 2-3 किमी दूर, पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास वाली नहर।

भुगतभोगी : पिपरिया, सोहागपुर के अप-डाउनर्स, छात्र और दूध-सब्जी विक्रेता।

बड़ी लापरवाही : घटना स्थल के पास वाली इटारसी आरपीएफ असहाय, 70 किमी दूर पिपरिया आरपीएफ के भरोसे ट्रैक।

एयर एंबुलेंस से अमदरा टीआई दिल्ली रेफर

जागरण, मैहर। ड्यूटी के दौरान अमदरा थाना प्रभारी (टीआई) टीकाराम कुर्मी हादसे का शिकार हो गए थे। उनके बेहतर इलाज के लिए एयर एंबुलेंस से दिल्ली भेजा है। वे सोमवार-मंगलवार की रात हुए हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसा एनएच-30 पर रोहनिया के पास हुआ। टीआई टीकाराम कुर्मी अपनी टीम के साथ एक सड़क दुर्घटना के बाद बचाव कार्य में लगे थे। वे एक ट्रैक्टर में फंसे ड्राइवर को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे थे, तभी पीछे से आए एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टीआई कुर्मी सड़क पर गिर गए और उनका बायां पैर ट्रक के टायर के नीचे आ गया। हादसे में उनके दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें पहले कटनी और फिर वहां से जबलपुर रेफर किया गया था। जबलपुर के निजी अस्पताल में शुरुआती इलाज के बाद डॉक्टर्स ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाने की सलाह दी। बुधवार को प्रशासन ने एयर एंबुलेंस का इंतजाम किया और उन्हें दिल्ली एम्स (एम्स) पहुंचाया गया।

अवैध शराब पकड़ने गई आबकारी टीम पर हमला

चार लोगों पर एससी-एसटी एक्ट में केस

जागरण, श्योपुर। प्रदेश के श्योपुर जिले के मानपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पिपलमेटा में अवैध शराब पकड़ने गई आबकारी टीम पर हमला हो गया। आरोपियों ने टीम के साथ बदसलूकी की और सरकारी काम में रुकावट डाली और उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ भी की। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मालूम हो कि आबकारी उप निरीक्षक संजीव कुमार धुर्वे अपनी टीम के साथ बुधवार को पिपलमेटा गांव में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंचे थे। आरोप है कि इसी दौरान दिलीप रायसिक्ख, रंजीत रायसिक्ख, सतनाम रायसिक्ख और सुमित्रा रायसिक्ख ने टीम के सदस्यों को घेर लिया। उन्होंने अधिकारियों के साथ गाली-गलौज की और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए अपमानित किया। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने न सिर्फ सरकारी काम रोका, बल्कि आबकारी टीम की गाड़ी पर हमला कर उसमें तोड़फोड़ भी की। हमलावरों ने टीम के सदस्यों को जान से मारने की धमकी भी दी। इस घटना के बाद मानपुर थाना पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। मामले की जांच निरीक्षक सतीश दुबे कर रहे हैं। फिलहाल आरोपियों की तलाश जारी है।

सिंगरौली के देवसर-जियावन मार्ग पर हादसा

शराब से भरा ट्रक पलटा ग्रामीणों ने लूटीं बोतलें

जागरण, सिंगरौली। प्रदेश के सिंगरौली जिले के देवसर-जियावन नेशनल हाईवे पर बुधवार देर शाम शराब से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। यह हादसा जियावन डाड़ इलाके के पास हुआ, जिसके बाद सड़क पर शराब की पेटियां बिखर गईं। ट्रक पलटते ही वहां ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि ट्रक पलटने के कुछ ही देर बाद आसपास के लोग सड़क पर बिखरी शराब की पेटियां और बोतलें उठाने लगे। वहां शराब लूटने जैसी स्थिति बन गई और लोग पेटियां कंधे पर रखकर भागते नजर आए। इस वजह से रास्ते पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। यह ट्रक रीवा के वेयरहाउस से शराब भरकर कचनी की दुकान पर ले जा रहा था। बताया जा रहा है कि ड्राइवर का संतुलन बिगड़ने की वजह से ट्रक सड़क किनारे पलट गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में ड्राइवर को गंभीर चोट नहीं आई और वह सुरक्षित बच गया। इस पूरी घटना का वीडियो वहां से गुजर रहे लोगों ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बदलाव अब टिकट लेकर सीधे गर्भगृह से कर सकेंगे दर्शन, सिंहस्थ से पहले सुविधाओं का विस्तार

काल भैरव मंदिर में शुरू हुई 500 रुपए की शीघ्र दर्शन व्यवस्था

जागरण उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री काल भैरव मंदिर में अब श्रद्धालुओं के लिए शीघ्र दर्शन व्यवस्था शुरू कर दी गई है। बुधवार से लागू हुई इस नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु 500 रुपए का टिकट लेकर सीधे गर्भगृह से दर्शन कर सकेंगे। मंदिर प्रशासन ने शुरुआत में यह सुविधा ऑफलाइन रखी है, जिसे जल्द ही ऑनलाइन करने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

मंदिर परिसर के बाहर बनाए गए टिकट काउंटर से सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक टिकट मिलेंगे। टिकट लेने वाले श्रद्धालुओं को विशेष मार्ग से प्रवेश दिया जाएगा, जिससे वे सामान्य कतार से अलग सीधे गर्भगृह तक पहुंच सकेंगे। उल्लेखनीय है कि श्री महाकालेश्वर मंदिर के बाद अब काल भैरव मंदिर में भी यह व्यवस्था लागू होने से बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। विश्व प्रसिद्ध काल भैरव मंदिर में भगवान काल भैरव को मदिरा का भोग लगाने की अनूठी परंपरा है। इसी कारण देशभर से प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। बढ़ती भीड़ और सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को देखते हुए मंदिर परिसर में करीब 125.17 करोड़ रुपए की लागत से कॉरिडोर और अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मंदिर प्रशासन का कहना है कि कई बार श्रद्धालु शीघ्र दर्शन के नाम पर ठगी का शिकार हो जाते थे।

फैक्ट फाइल

- मंदिर के बाहर काउंटर से लेना होगा 500 रुपए का टिकट
- टिकट सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक उपलब्ध
- विशेष मार्ग से मिलेगा प्रवेश
- सीधे गर्भगृह तक पहुंच सकेंगे श्रद्धालु
- शुरुआत में ऑफलाइन व्यवस्था लागू
- जल्द शुरू होगी ऑनलाइन बुकिंग

मंदिर की खासियत....

- भगवान काल भैरव को लगाया जाता है मदिरा का भोग
- देशभर से पहुंचते हैं हजारों श्रद्धालु
- सिंहस्थ-2028 को देखते हुए हो रहा विस्तार
- 125.17 करोड़ से बन रहा कॉरिडोर

बाजार पर नजर

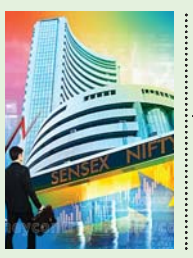

शेयर बाजार में आज

118 ▲ 75,318

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Hindalco	1,090.00	3.55%
Reliance	1,362.90	2.80%
Bajaj Auto	10,483.00	2.52%
Bajaj Finserv	1,780.00	1.27%
Grasim	2,988.00	1.22%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Bharat Elec	407.00	-2.28%
Tech Mahindra	1,434.70	-1.92%
Eternal	242.30	-1.57%
Tata Steel	203.04	-1.09%
HUL	2,201.00	-1.06%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
डॉलर	96.8200
यूरो	112.21
येन	0.6087
पौंड	129.60

एआई पर 190 अरब डॉलर का निवेश करेगी गूगल: सुंदर पिचाई

करीब 85 लाख से अधिक डेवलपर्स गूगल एआई मॉडल का कर रहे इस्तेमाल

नई दिल्ली, जेएनएन। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि 85 लाख से अधिक डेवलपर्स हर महीने कंपनी के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल का इस्तेमाल कर ऐप बना रहे हैं। पिचाई ने ब्लॉग में कहा कि गूगल इस साल एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर में 190 अरब डॉलर निवेश करने की योजना बना रहा है, जो कि एआई डेटा सेंटर्स, कस्टम सिलिकॉन और मॉडल ट्रेनिंग पर केंद्रित होगा। पिचाई ने आगे कहा कि कंपनी अपने एआई इकोसिस्टम में तेज ग्रोथ देख रही है, और डेवलपर्स, उद्यमों और उपभोक्ताओं के बीच इसकी मांग बढ़ रही है।

गूगल के अनुसार, इसके मॉडल एपीआई अब प्रति मिनट लगभग 19 अरब टोकन प्रोसेस कर रहे हैं, जबकि पिछले वर्ष के दौरान 375 से अधिक गूगल क्लाउड ग्राहकों ने प्रत्येक ने एक ट्रिलियन से अधिक टोकन प्रोसेस किए। गूगल के एआई उत्पादों के बढ़ते उपयोग का जिक्र करते हुए पिचाई ने कहा कि कंपनी के जेमिनी ऐप के मासिक सक्रिय यूजर्स की संख्या 900 मिलियन से अधिक हो गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है।

एआई-संचालित सर्च को भी जबरदस्त लोकप्रियता मिल रही है, एआई ओवरव्यू के मासिक यूजर्स की संख्या 2.5 अरब से अधिक हो गई है और एआई मोड के मासिक सक्रिय यूजर्स की संख्या एक अरब से अधिक हो गई है। कंपनी ने कई नए एआई टूल और अपग्रेड भी पेश किए, जिनमें जेमिनी 3.5 फ्लैश शामिल है, जो कोडिंग और रिल्य वर्ल्ड वर्कफ्लो पर केंद्रित एक तेज एआई मॉडल है और जेमिनी स्पार्क, एक नया व्यक्तिगत एआई एजेंट है जिसे यूजर्स की ओर से कार्य करने के लिए डिजाइन किया गया है। गूगल ने अपने एआई इंफ्रास्ट्रक्र में कई अपडेट पेश किए हैं, जिनमें नवीनतम पीढ़ी के टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट (टीपीयू) शामिल हैं, जो बड़े पैमाने पर एआई प्रशिक्षण और अनुमान प्रक्रिया को तेज करने में सहायक हैं। पिचाई ने कहा कि गूगल अपनी एआई-प्रथम रणनीति के प्रति प्रतिबद्ध है और एआई को कंपनी के मिशन को आगे बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सबसे परिवर्तनकारी तकनीक बताया।

प्रति मिनट 19 बिलियन टोकन प्रोसेस

हर महीने 85 लाख (8.5 मिलियन) से अधिक डेवलपर्स गूगल के एआई मॉडल्स का इस्तेमाल करके एप्लिकेशन बना रहे हैं। कंपनी का मॉडल एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) वर्तमान में प्रति मिनट लगभग 19 बिलियन टोकन प्रोसेस कर रहा है। एंटरप्राइज सेक्टर में, गूगल क्लाउड के 375 से अधिक बड़े ग्राहकों ने पिछले एक साल में एक-एक ट्रिलियन से अधिक टोकन प्रोसेस किए हैं। गूगल का मुख्य 'जेमिनी' ऐप अब 90 करोड़ (900 मिलियन) मंथली एक्टिव यूजर्स का आंकड़ा पार कर चुका है, जो पिछले साल के मुकाबले दोगुने से भी ज्यादा है। गूगल के इंटीग्रेटेड सर्च टूल्स का इस्तेमाल भी तेजी से बढ़ा है; सर्च में मिलने वाले 'एआई ओवरव्यूज' अब हर महीने 2.5 बिलियन यूजर्स तक पहुंच रहे हैं, जबकि समर्पित 'एआई मोड' के मंथली एक्टिव यूजर्स की संख्या 1 बिलियन (1 अरब) के पार हो गई है।

एनवीडिया पर निर्भरता कम करेगा गूगल

पिचाई ने संकेत दिए कि कंपनी अब तीसरे पक्ष की चिप कंपनियों, खासकर एनवीडिया, पर निर्भरता कम करना चाहती है। गूगल अपने खुद के एआई चिप्स और टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट डेवलपमेंट पर तेजी से काम कर रहा है। एनवीडिया का यह खर्च 2022 के 31 अरब डॉलर के मुकाबले करीब छह गुना ज्यादा है। कंपनी का मानना है कि एआईकी बढ़ती मांग को देखते हुए यह निवेश लंबे समय में फायदेमंद साबित होगा। पिचाई ने कहा कि गूगल का फुल-स्टैक एआईअप्रोच कंपनी के हर बिजनेस सेक्टर को मजबूत कर रहा है। गूगल क्लाउड बिजनेस भी तेजी से बढ़ रहा है। 2026 की पहली तिमाही में क्लाउड रेवेन्यू में 63 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

यूके ने रूसी कच्चे तेल से बने फ्यूल खरीदने को दी मंजूरी

अमेरिका पहले ही प्रतिबंधों में दे चुका है छूट

लंदन, जेएनएन। ईरान और अमेरिका-इजरायल संघर्ष की वजह से पूरी दुनिया में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं। इस संकट के मद्देनजर ब्रिटेन सरकार ने रूस के कच्चे तेल से विदेशों में बने डीजल और जेट ईंधन के आयात को मंजूरी दी है। यह छूट ऐसे समय में दी गई है जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने और मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने से वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हो रही है। मंगलवार को ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। अमेरिका पहले ही रूसी तेल संबंधी कुछ प्रतिबंधों में छूट दे चुका है। अब ब्रिटेन भी उसी राह पर चल पड़ा है। ब्रिटेन ने रूस के सखालिन-2 और यामल एलएनजी प्रोजेक्ट से जुड़ी गैस ढुलाई और सेवाओं को भी जनवरी 2027 तक छूट दे दी है। जापान की ताइयो ऑयल कंपनी भी रूस से गैस खरीदने की तैयारी कर रही है।

युद्ध ने बदली गणित

अमेरिका और यूरोपीय देश लंबे समय से रूस को तेल से पैसा कमाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे ताकि यूक्रेन युद्ध में उसकी आर्थिक मदद न हो। अब पश्चिम एशिया संघर्ष ने पूरी गणित बदल दी है और रूस के दुश्मन देश खुद उसके तेल से बने उत्पाद खरीद रहे हैं। वैश्विक बाजार में तेल की कमी के कारण कीमतें बढ़ रही हैं, जिसका सीधा फायदा रूस को हो रहा है। रूस पहले से ही अपने तेल को कम दाम पर चीन और भारत जैसे देशों को बेच रहा था। अब पश्चिमी देश भी अप्रत्यक्ष रूप से रूसी तेल खरीदने लगे हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड नर्मदापुरम्

दूरभाष क्रमांक 07574-253119
Email Address-eephedhos@mp.nic.in

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा ऑनलाईन वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय एवं ऑनलाईन प्रस्तुत किये जावेंगे। ऑनलाईन वित्तीय ऑफर दिनांक 01.06.2026 शाम 17.00 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

निविदा सूचना क्रमांक	ई-टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (PAC) (रु. में)	धरोहर राशि (e-EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	रिमार्क
02/26-27 Date 18-05-2026	2026_PHED_508320_1	Hiring of 01 no. inspection vehicle (Diesel Car/Jeep of Ex. show room price upto Rs. 6.50 Lacs) for hand-pumps water supply, schemes and other govt. works in rural areas under Sub Division- Sohagpur for one year.	216000/-	4320/-	2000/-	365 दिवस वर्षाकाल सहित)	

जी-13160/26

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
नर्मदापुरम्

शांति अधिनियम ने भारत में वाणिज्यिक परमाणु उद्योग के लिए अनेक अवसर खोल दिए : अमेरिकी प्रतिनिधि

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की यात्रा पर आए शीर्ष अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शांति अधिनियम, 2025 ने वाणिज्यिक परमाणु उद्योग के लिए साथ काम करने के अनेक अवसर खोल दिए हैं। अमेरिकी वाणिज्यिक परमाणु उद्योग के लिए 'लॉबी ग्रुप' न्यूक्लियर एनर्जी इंस्टीट्यूट (एनईआई) और अमेरिका भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के संयुक्त नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह भारत में है। इसमें परमाणु ऊर्जा से जुड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं।

एनईआई की अध्यक्ष और सीईओ मारिया कोर्सनिक ने कहा कि हम देश में परमाणु संयंत्र बनाने के लिए भारतीय वाणिज्यिक परमाणु क्षेत्र और सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि शांति अधिनियम ने हमें अमेरिकी उद्योग और भारतीय उद्योग के बीच संबंध स्थापित करने का अवसर प्रदान किया है। सोमवार को प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्रियों मनोहर लाल खट्टर और जितेंद्र सिंह से मुलाकात की तथा स्वच्छ ऊर्जा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में भारत-अमेरिका सहयोग के दायरे को बढ़ाने पर चर्चा की।

2008 में भारत और अमेरिका के बीच हुआ था एक समझौता

आपको बता दें कि भारत-अमेरिका द्वारा 2008 में असैन्य परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद, गुजरात में छायामिथी विर्दी और आंध्र प्रदेश में कोववाड़ा नामक दो स्थलों को अमेरिकी कंपनियों को 1000 मेगावाट के परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए आवंटित किया गया था। भारत और अमेरिका छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) में सहयोग की संभावनाएं भी तलाश रहे हैं, जिन्हें परमाणु ऊर्जा का भविष्य माना जाता है, खासकर कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के स्थलों का पुन-उपयोग करके इन्हें आसानी से स्थापित किया जा सकता है।

चांदी 1,411 रुपए गिरी सोना भी हुआ सस्ता

नई दिल्ली, जेएनएन। बुधवार को सोने-चांदी के दामों में गिरावट देखने को मिली। 10 ग्राम सोने की कीमत 522 रुपए हुई यह 1.59 लाख रुपए में बिका। वहीं 1 किलो चांदी की कीमत 1,411 रुपए कम होकर 2.67 लाख रुपए पर आ गई। सोने में इस साल की शुरुआत में तेजी दिखी लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुनाफावसूली और वैश्विक कारणों से इसमें गिरावट आई है। गिरावट के मुख्य कारण मेटल छोड़कर कैश पर भरोसा, आमतौर पर जंग के माहौल में सोने-चांदी के दाम बढ़ते हैं, लेकिन इस बार स्थिति पश्चिम एशिया जंग के कारण निवेशक जोखिम नहीं लेना चाह रहे हैं। वे अपने गोल्ड और सिल्वर को बेचकर कैश इकट्ठा कर रहे हैं।

रुपया 13 पैसे गिरकर 96.83 पर हुआ बंद

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और महंगाई की चिंताओं ने रुपये की गिरावट को बढ़ावा दिया। डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे टूटकर 96.83 (अस्थायी) के नए निचले स्तर पर बंद हुआ। मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉंड प्रतिफल में उछाल के कारण यह गिरावट आई है। लगातार नौवें सत्र में गिरावट दर्ज करते हुए डॉलर के मुकाबले रुपया बुधवार को 13 पैसे टूटकर 96.83 (अस्थायी) के नए निचले स्तर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया संकट के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी ने महंगाई की चिंताओं को और बढ़ा दिया। विदेशी मुद्रा बाजार में, डॉलर के मुकाबले रुपया 96.89 पर खुला, फिर और कमज़ोर होकर 96.95 के रिकॉर्ड निचले स्तर और 96.65 के उच्चतम स्तर को छुआ, और अंत में 96.83 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

रिलायंस और हिंडाल्को ने पलटी बाजी, सेंसेक्स 118 अंक उछला

नई दिल्ली, जेएनएन। एशियाई बाजारों में गिरावट और मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार में गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स में करीब 600 अंक की गिरावट आई जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स करीब 23,450 अंक से नीचे आ गया। लेकिन दोपहर बाद मामला बदल गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और बजाज ऑटो में तेजी से शेयर मार्केट पॉजिटिव हो गया। सेंसेक्स 117.54 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 75,318.39 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 41 अंक यानी 0.17 प्रतिशत ऊपर 23,659 अंक पर बंद हुआ। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस का शेयर 3 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, इंडिगो, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट में तेजी रही। दूसरी ओर बीईएल, टेक महिंद्रा, इटरनल, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, भारती एयरटेल और इन्फोसिस में गिरावट आई। निफ्टी के शेयरों में हिंडाल्को में 3.5 फीसदी से अधिक तेजी आई। ब्रॉडर बाजार में निफ्ट मिडकैप में 0.49 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 फीसदी तेजी रही। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी ऑटो में तेजी रही जबकि निफ्टी मीडिया और निफ्टी एफएमसीजी में सबसे ज्यादा गिरावट आई।

आईआरएस पर दायर केस ट्रंप ने वापस लिया

अमेरिका, जेएनएन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को आंतरिक राजस्व सेवा (आईआरएस) के खिलाफ दायर केस वापस ले लिया है। 2019 में उनके टैक्स रिकॉर्ड को आईआरएस ने प्रेस में लीक कर दिया था जिससे नाराज होकर ट्रंप ने जनवरी में आईआरएस के खिलाफ 10 अरब डॉलर का मुकदमा दायर किया था। सार्वजनिक किए गए एक समझौता दस्तावेज के अनुसार, अमेरिकी सरकार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ टैक्स दावों को स्थायी रूप से वापस ले लेगी। कार्यकारी शक्ति का यह एक ऐसा असाधारण उपयोग है जो राष्ट्रपति को उनके वित्तीय और कानूनी आचरण की आगे की जांच से प्रभावी रूप से बचाने में मदद कर सकता है।

मुथूट होमफिन (इंडिया) लिमिटेड

मुथूट होमफिन

कॉर्पोरेट कार्यालय : यूनिट नंबर 19-एनई, 19वीं मंजिल, द रूबी, सेनापति बापट मार्ग, रूपारेल कॉलेज के पास, दादर (पश्चिम), मुंबई, महाराष्ट्र- 400 028

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत, जिसे प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के साथ पढ़ा जाए।

नीचे हस्ताक्षर करने वाला व्यक्ति, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (उक्त अधिनियम) के तहत मुथूट होमफिन (इंडिया) लिमिटेड (एमएचआईएल) का प्राधिकृत अधिकारी है। उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिसे सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ा जाए, प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस जारी किए हैं, जिसमें निम्नलिखित प्रतिभूतियों/उधार प्रतिभूतियों ('उक्त प्रतिभूतियों') से यह मांग की गई है कि वे उन्हें जारी किए गए संबंधित मांग नोटिस/नोटिसों में उल्लेखित राशियों का पुनर्भुगतान करें; ये नोटिस नीचे भी दिए गए हैं।
उपरोक्त के संबंध में, उक्त आवंटन को एक बार फिर यह नोटिस दिया जाता है कि वे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर एमएचआईएल को, नीचे बताई गई राशियों का भुगतान करें। इसके साथ ही, उक्त आवंटन नोटिस में बताए गए विवरण के अनुसार, नीचे दी गई तारीखों से लेकर भुगतान और/या वसूली की तारीख तक, 2% प्रति माह की दर से अतिरिक्त ब्याज का भुगतान भी करना होगा। यह भुगतान ऋण समझौते और, यदि कोई हो, उक्त आवंटन द्वारा निष्पादित अन्य आवंटन/लेखों के अनुसार देय है। ऋण के उचित पुनर्भुगतान की सुरक्षा के तौर पर, उक्त आवंटन द्वारा एमएचआईएल के पास क्रमश: निम्नलिखित संपत्तियां गिरवी रखी गई हैं।

क्र. सं.	नाम उधारकर्ता(ओं)/ सह-उधारकर्ता(ओं)/ गारंटर/लोन खाता संख्या/शाखा	कुल बकाया राशि (रु.)	डिमांड नोटिस की तिथि	सुरक्षित संपत्ति (अचल संपत्ति) का विवरण
1.	1.माखन राजपूत/ सरजू बाई / बृजेश राजपूत बीएचओ-एचएल-001183/भोपाल	रु. 17,79,197/- (सत्रह लाख उन्यासी हज़ार एक सौ सन्तानवे रुपये मात्र)	24-अप्रैल-2026	वह समस्त संपत्ति, अर्थात् एक प्लॉट संख्या 10, जिसका क्षेत्रफल 1500 से 2026 वर्ग फुट है। यह राजस्व निरिक्षण नं. 494/1/2/1(एस) और 506 (494/1/2-506) की भूमि का एक हिस्सा है। यह ग्राम बसाई, पटवारी हल्का संख्या 111/24, वार्ड संख्या 18, तहसील बैरसिया, जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है। इसकी सीमाएँ निम्नानुसार हैं: पूर्व में- सड़क, पश्चिम में - प्लॉट संख्या 21, उत्तर में- प्लॉट संख्या 09 और दक्षिण में-प्लॉट संख्या 11

यदि उक्त उधारकर्ता एमएचआईएल को ऊपर बताए अनुसार भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो एमएचआईएल अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के तहत, ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करेगा, इस कार्रवाई से जुड़े सभी खर्चों और परिणामों का पूरा जोखिम उक्त उधारकर्ताओं का ही होगा। उक्त उधारकर्ताओं को अधिनियम के तहत, एमएचआईएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना, ऊपर बताई गई संपत्तियों को हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है—चाहे वह बिक्री, पट्टे या किसी अन्य माध्यम से किया जाए। कोई भी व्यक्ति जो उक्त अधिनियम के प्रावधानों, या उसके तहत बनाए गए नियमों का उल्लंघन करता है (या उल्लंघन में सहायता करता है), वह अधिनियम के तहत निर्धारित कारावास और/या जुर्माने का भागी होगा।

तारीख : 21 मई, 2026
स्थान : भोपाल

हस्ताक्षर/- अधिकृत अधिकारी,
मुथूट होमफिन (इंडिया) लिमिटेड

भीम यूपीआई ऐप के उपयोग में हुई 300 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, जेएनएन। ऑटो रिक्शा या दूध-दही-पनीर की दुकान हो या पंक्चर लगाने वाला हो, सभी भीम-यूपीआई का उपयोग कर रहे हैं। तभी तो भीम पेमेंट ऐप पर वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान ट्रांजेक्शन वॉल्यूम में 301 फीसदी की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एनपीसीआई भीम सर्विस लिमिटेड के अनुसार अब किराने का सामान, फूड, ऑनलाइन शॉपिंग और बिल पेमेंट जैसी रोजमर्रा की भुगतान आवश्यकताओं के लिए लोग इस प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। तभी तो पिछले साल इसके ट्रांजेक्शन वॉल्यूम में 301 प्रतिशत का उछाल आया है। यदि मंथली ट्रांजेक्शन की बात करें तो साल 2025 के अप्रैल महीने में 5.93 करोड़ ट्रांजेक्शन हुए थे। यह मार्च 2026 में 21.6 करोड़ पर पहुंच गया। साल भर के अंदर ही यह तीन गुने से अधिक की बढ़ोतरी दर्शाता है। अप्रैल 2026 के दौरान इस ऐप के माध्यम से 26,040 करोड़ रुपये के मूल्य के 22.49 करोड़ ट्रांजेक्शन दर्ज किए गए। यदि भीम यूपीआई ऐप के सबसे तेज बढ़ते बाजार की बात करें तो पता चलता है कि पश्चिम बंगाल इसके लिए तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक के रूप में उभरा।

मर्चेंट ट्रांजेक्शन में कौन आगे

यदि हम मर्चेंट ट्रांजेक्शन की बात करें तो इस प्लेटफार्म पर ट्रांजेक्शन का सबसे बड़ा हिस्सा ग्रोसरी यानी किराने के सामानों का रहा। कुल ट्रांजेक्शन में इसकी हिस्सेदारी 22.5त्र की थी। उसके बाद फूड आउटलेट और रेस्टोरेंट में सबसे ज्यादा भीम यूपीआई का उपयोग हुआ। कुल ट्रांजेक्शन में इसकी हिस्सेदारी 18.7 प्रतिशत की रही। क्विक कॉमर्स का हिस्सा भी 6.4 प्रतिशत था, जबकि ई-कॉमर्स और फ्यूल स्टेशन ने क्रमशः 3.9 प्रतिशत और 3.4 प्रतिशतका योगदान दिया।

लोगों का बढ़ रहा है विश्वास

एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड की एमडी एंड सीईओ ललिता नटराज का कहना है कि यह वृद्धि डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म में लोगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। यह सरल और सुलभ होने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। उनका कहना है 'पश्चिम बंगाल में, हम देख रहे हैं कि दैनिक जीवन के विभिन्न कार्यकलापों में लोग इसे अपना रहे हैं। इसका किराने के सामान की खरीदारी, खाने-पीने के सामानों की खरीदारी, भाड़ा-किराया के भुगतान और ऑनलाइन खरीदारी में भी खूब उपयोग हो रहा है। यह दिखाता है कि डिजिटल पेमेंट दैनिक जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन रहे हैं।'

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड IREL (India) Limited
Formerly Indian Rare Earths Limited
(भारत सरकार का उपक्रम)
(A Government of India Undertaking)
CIN : U15100MH1950GOI008187 Website : www.irel.co.in
ISO 9001: 2015, ISO 14001: 2015 & ISO 45001 : 2018 Company
Unleashing Value
आज़ादी का अमृत महोत्सव

संदर्भ - विज्ञा 26-27/3 निविदा नोटिस दि. 16.05.2026 / Ref: ADVT. NO.26-27/3 TENDER NOTICE Date: 16.05.2026
IREL (India) Limited, Chavara invites Bid for the following items / job descriptions.

कार्य नं./ Event No. (GeM)	काम/मद विवरण/ Job / Item Description
GEM/2026/B/7548510	Collection, Loading and Transportation of Dredged out mineral sand from Edathuruthu area to IREL Chavara Plant- For 1,00,000 MT

बिड्डर निविदा फार्म http://irel.co.in or http://gem.gov.in वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते है। निविदा में कोई शुद्धिपत्र / विस्तार वेबसाइट में ही डाल सकते है।
Bidder may download tender document from http://irel.co.in or http://gem.gov.in website. Any corrigendum/extension to above tenders shall be hosted in above websites only.

Cbc 48139/11/0004/2627

ह. प्रधान, चवरा / -Sd/- Head, Chavara

पश्चिम मध्य रेल

पत्र सं बिक्री/1402/मु-भं/डब्ल्यू सी आर ई-नीलामी/प्रोग्राम/2025-26
विषय: मई एवं जून 2026 का ई-नीलामी कार्यक्रम।
दिनांक : 15.05.2026

मई एवं जून-2026 के दौरान विभिन्न लोकेशन में मौजूद रद्दी माल की ई-नीलामी कार्यकम है :-

निलामी का स्थान सम्बंधित व्यक्ति	सडिपुका भोपाल, उप मुख्य सा. प्र., भोपाल 0755-2747414
मई -2026	25.05.2026
जून 2026	24.06.2026

नीलामी आइटम

अनुपयोगी रेल और अन्य पी-वे सामग्री कार्यालय से जारी सभी अनुपयोगी कास्ट आयरन् अनुपयोगी रोलिंग स्टॉक नॉन फेरस एवं नॉन मेटॉलिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग,, प्रयुक्त तेल, पेंट ड्रम,, अनुपयोगी मशीनरी प्लांट अनुपयोगी वाहन अनुपयोगी कार्यालय उपकरण, एमएस/जी आई पाइप, फाउंड्री स्लैग और अन्य विविध स्कैप आदि। **नोट-** ई-नीलामी की बिक्री की शर्तो, नीलामी सूची आदि के लिए और ई-नीलामी में भाग लेने के लिए कृपया www.Ireps.gov.in पर जाएं। 1. बिक्री सामान्य और विशेष शर्ट वेबसाइट www.Ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं।, 2. नीलामी सूची निलामी से कम से कम सात दिन पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी।, 3. नीलामी के दिन अवकाश होने की स्थिति में इसे अगले दिवस पर आयोजित किया जा सकता है।, 4. नीलामी बंद होने से पहले घोषणा करके नीलामी जारी रखी जा सकती है या अगले दिन आयोजित की जा सकती है।

हस्ता.
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/बिक्री, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर पालिका परिषद सारनी जिला-बैतूल (म.प्र.)

Email: cmosarni@mpurban.gov.in, Fax / Phone : 07146-256400

क्रं. नपा/लो.नि.वि./2026/223 सारनी, दिनांक 15/05/2026

// द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना//

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में शासन के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD_507825_1	Interception & Diversion of Nallahs with STP works Project of Sarni town Under SBM 2.0	18 माह (वर्षाकाल सहित) 29,68,52,000.00	50000.00 1484260.00	29-05-2026

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सारनी

Piramal Finance

पंजीकृत कार्यालय का पता:- यूनिट नं. 601, 6वीं मंजिल, पिरामल अमिति बिल्डिंग, पिरामल अगस्त्य कॉर्पोरेट पार्क, कामानी जंक्शन, फायर स्टेशन के सामने, एलबीएस मार्ग, कुर्ला (पश्चिम), मुंबई - 400 070.
CIN: L65910MH1984PLC032639, वेबसाइट:- www.piramalfinance.com

मांग सूचना

सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 की धारा 13(2) के तहत, जिसे सिक्योरिटी इंटरेस्ट (एनफोर्समेंट) रूल्स, 2002 के नियम 3(1) के साथ पढ़ा जाए, मैं, नीचे हस्ताक्षरकर्ता, सिक्योरिटाइजेशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 के तहत पिरामल फाइनेंस लिमिटेड (पीएफएल) (पूर्व में पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड) का अधिकृत अधिकारी हूँ। (उक्त अधिनियम) के तहत नियुक्त है। उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिसे सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ा जाए, अधिकृत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस जारी किए हैं। इन नोटिसों के माध्यम से निम्नलिखित उधारकर्ता(ओं) ('उक्त उधारकर्ता(ओं)') से यह मांग की गई है कि वे उन्हें जारी किए गए संबंधित मांग नोटिस(ओं) में उल्लिखित राशियों का भुगतान करें, जिनका विवरण नीचे भी दिया गया है। उपरोक्त के संबंध में, उक्त उधारकर्ता(ओं) को एक बार फिर यह नोटिस दिया जाता है कि वे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर पीएफएल को नीचे दर्शाई गई राशियों का भुगतान करें। इस राशि में उक्त मांग नोटिस(ओं) में विस्तृत रूप से बताया गया अतिरिक्त ब्याज भी शामिल होगा, जिसकी गणना नीचे उल्लेखित तारीख(ओं) से लेकर भुगतान और/या वसूली की तारीख तक की जाएगी। यह राशि ऋण समझौते के तहत, और यदि कोई अन्य दस्तावेज/लेख उक्त उधारकर्ता(ओं) द्वारा निष्पादित किए गए हैं, तो उनके साथ पढ़े जाने पर देय है। ऋण के उचित पुनर्भुगतान की सुरक्षा के तौर पर, निम्नलिखित संपत्तियां उक्त उधारकर्ता(ओं) द्वारा क्रमशः पीएफएल के पास गिरवी रखी गई हैं।

क्रम सं.	उधारकर्ता(ओं)/ गारंटर(र्स) का नाम	मांग नोटिस की तिथि और राशि, एनपीए तिथि सहित	सुरक्षित संपत्ति (अचल संपत्ति) का विवरण
1.	(एलसी नं. HLSA000A29FA सागर ब्रांच) आरती प्रजापति (कर्जदार) भोलाराम प्रजापति (सह-कर्जदार 1)	दिनांक : 29-04-2026/ रु. 20,27,408/- (केवल बीस लाख सत्ताईस हजार चार सौ आठ रुपये) एनपीए (03-06-2026)	प्लॉट नंबर 29 खसरा नंबर 44/2, 48/2, 48/5,46/3, 48/4,47/1, 48/3, 49, 50/1, 50/2 का वह सारा टुकड़ा और पार्सल, प्लॉट का क्षेत्रफल 108 वर्ग मीटर, वार्ड नंबर 16 बिट्ठल नगर वार्ड छत्रसाल कॉलोनी ग्राम मदिया कबूला प.ह.नं. 79 नया प.ह.नं. 66 सागर 01 तहसील एवं जिला सागर मध्य प्रदेश-470001

यदि उक्त उधारकर्ता पीएफएल को ऊपर बताए अनुसार भुगतान करने में विफल रहते हैं, तो पीएफएल अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के तहत, ऊपर बताई गई सुरक्षित संपत्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करेगा; इस कार्रवाई से जुड़े सभी खर्चों और परिणामों का पूरा जोखिम उक्त उधारकर्ताओं का ही होगा। उक्त उधारकर्ताओं को अधिनियम के तहत, पीएफएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना, ऊपर बताई गई संपत्तियों को हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है—चाहे वह बिक्री, पट्टे या किसी अन्य माध्यम से किया जाए। कोई भी व्यक्ति जो उक्त अधिनियम के प्रावधानों, या उसके तहत बनाए गए नियमों का उल्लंघन करता है (या उल्लंघन में सहायता करता है), वह अधिनियम के तहत निर्धारित कारावास और/या जुर्माने का भागी होगा।

तारीख: 21 मई, 2026
स्थान: सागर

हस्ता/- (प्राधिकृत अधिकारी),
पिरामल फाइनेंस लिमिटेड

कोलकाता ने मुंबई को चार विकेट से हराया, प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार

कोलकाता, जेएनएन। केकेआर ने पहले शानदार गेंदबाजी और फिर दूसरी पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस को 4 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ केकेआर ने अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को बनाए रखा है जबकि मुंबई की इस टीम में ये 13वें मैच में ये 9वीं हार रही। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का 65वां मुकाबला ईडन गार्डन स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जा रहा है। अजिंक्य रहाणे की अगुआई वाली केकेआर (कोलकाता नाइट राइडर्स) ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मुंबई ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 147 रन बनाए और केकेआर को जीत के लिए 148 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में केकेआर ने 18.5 ओवर में 6 विकेट पर 148 रन बनाकर मैच को जीत लिया।

रोहित शर्मा ने बनाए 15 रन

मुंबई के ओपनर रोहित शर्मा ने सिर्फ 15 रन की पारी खेली जबकि रयान रिकेल्टन ने 6 रन पर अपना विकेट गंवा दिया। नमनधीर तो खाता तक नहीं खोल पाए और पवेलियन लौट गए। सूर्यकुमार यादव का बल्ला नहीं चला और वो 6 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए। तिलक वर्मा ने काफी स्लो बैटिंग की और वो 32 गेंदों पर 20 रन की पारी खेलकर अपना विकेट गंवा बैठे। कप्तान हार्दिक पंड्या 27 गेंदों पर 26 रन बनाकर आउट हो गए। विल जैक्स केकेआर के खिलाफ 14 रन बनाकर रन आउट हो गए। कार्बिन बॉश ने नाबाद 32 रन की पारी खेली जबकि दीपक चाहप 10 रन बनाकर आउट हो गए। केकेआर के लिए कैमरन ग्रीन, सौरव दुबे और कार्तिक त्यागी ने 2-2 विकेट लिए।

कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरुआत नहीं रही खास

मुंबई इंडियंस के दिए 148 रनों की लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। पहले ही ओवर में दीपक चाहर ने फिन एलन को चलता किया। एलन 5 गेंद पर 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कार्बिन बॉश ने कप्तान अजिंक्य रहाणे को पवेलियन का रास्ता दिखाया। रहाणे 17 गेंद पर 21 रन बनाए।

कप्तान अजिंक्य रहाणे ने खेली 21 रन की पारी

केकेआर के कप्तान व ओपनर रहाणे ने 21 रन की पारी खेली जबकि फिन एलन 8 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठे। कैमरन ग्रीन ने निराश किया और 8 गेंदों पर 4 रन की धीमी पारी खेली। मनीष पांडे ने 33 गेंदों पर 45 रन की शानदार पारी खेली और बुमराह की गेंद पर आउट हुए। रोवमेन पॉवेल ने 30 गेंदों पर 40 रन की पारी खेली और आउट हुए। तेजस्वी दाहिया ने 11 रन बनाए और अपना विकेट गंवा दिया। रिंकू सिंह इस मैच में 9 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि अनुकूल रॉय 4 रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के लिए कार्बिन बॉश ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

बारिश की वजह से एक घंटे की हुई देरी

बुधवार को ईडन गार्डन्स में कोलकाता ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। बारिश के कारण मैच में एक घंटे की देरी हुई। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 147 रन बनाए। टीम ने 84 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। कप्तान हार्दिक पंड्या ने 26 रन बनाकर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन सुनील नरेन ने उन्हें बोल्ड कर दिया। आखिरी ओवरों में कॉर्बिन बॉश ने 18 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाए, जिससे मुंबई सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची। कोलकाता की ओर से कैमरन ग्रीन, सौरभ दुबे और कार्तिक त्यागी ने 2-2 विकेट लिए।

ऑरेंज कैप: टॉप पर वैभव

नई दिल्ली, जेएनएन। राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स का मंगलवार को आईपीएल 2026 के 64वें मुकाबले में आमना-सामना हुआ। आरआर ने जयपुर के मैदान पर खेले गए हाई स्कोरिंग मैच में एलएसजी को सात विकेट से शिकस्त दी। लखनऊ ने 220/5 का स्कोर खड़ा किया। राजस्थान ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 225 रन बनाकर विजयी परचम फहराया। आरआर को ना सिर्फ धमाकेदार जीत मिली बल्कि सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के सिर पर फिर से ऑरेंज कैप सज गई। वह आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में नंबर-1 बन गए हैं। उन्होंने 13 मैचों में 44.53 के औसत से 579 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतकीय पारियां हैं। वह एलएसजी के खिलाफ शतक जड़ने से सिर्फ सात रनों से चूके गए। 15 वर्षीय सूर्यवंशी ने 38 गेंदों में सात चौकों और 10 छक्कों की बदौलत 93 रन बनाए। एलएसजी के ओपनर मिचेल मार्श के हाथ ऑरेंज कैप लगी थी लेकिन सूर्यवंशी ने आरआर की पारी के दौरान छीन ली। उन्होंने 57 गेंदों में 96 रन बटोरे, जिसमें 11 चौके और पांच छक्के हैं। वह 11 स्थान की छलांग लगाकर नंबर-1 बने थे लेकिन कुछ देर बाद दूसरे पायदान पर खिसक गए। मार्श ने 13 मैचों में 563 रन जुटाए हैं, जिसमें 43.30 का औसत रहा। उनके बल्ले से एक शतक और तीन पचास प्लस स्कोर निकले हैं। हेनरिक हैं तीसरे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के हेनरिक क्लासेन तीसरे पायदान पर हैं।

आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी

आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी के कुल 53 छक्के हो गए हैं। इसी के साथ वह आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने आंद्रे रसल का रिकॉर्ड तोड़ा। आंद्रे रसेल के नाम 52 छक्के दर्ज हैं। इसके अलावा वैभव आईपीएल के इतिहास में एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं। साथ ही उनके 50 चौके भी पूरे हो गए। वैभव ने 13 मैचों में 244.74 की स्ट्राइक रेट से 579 रन बनाए हैं।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

वैभव सूर्यवंशी (राजस्थान)	579
मिचेल मार्श (लखनऊ)	563
क्लासेन (हैदराबाद)	555

पर्पल कैप (गेंदबाज)

भुवनेश्वर (बेंगलुरु)	24
कगीसो रबाडा (गुजरात)	21
अंशुल कंबोज (चेन्नई)	20

बाउंड्री मीटर

1246	छक्के
2005	चौके
134	अर्धशतक

सूर्यकुमार यादव का बल्ला इस मैच में भी नहीं चला और वो 6 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
बेंगलुरु	13	9	4	18	1.065
गुजरात	13	8	5	16	0.400
हैदराबाद	13	8	5	16	0.350
राजस्थान	13	7	6	14	0.083
पंजाब	13	6	6	13	0.227
कोलकाता	13	6	6	13	0.227
चेन्नई	13	6	7	12	-0.016
दिल्ली	13	6	7	12	-0.871
मुंबई	13	4	9	8	-0.510
लखनऊ	13	4	9	8	-0.702

सीएसके को हराकर शीर्ष दो में जगह बनाने के लिए उतरेगी गुजरात टाइटंस

अहमदाबाद, जेएनएन। प्लेऑफ में पहले ही अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी गुजरात टाइटंस की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखकर शीर्ष दो में जगह पक्की करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। लीग चरण में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीम को फाइनल में पहुंचने के दो अवसर मिलते हैं। गुजरात टाइटंस अभी 16 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (18 अंक) पहले स्थान पर है। इन दोनों के अलावा सनराइजर्स हैदराबाद (16 अंक) भी शीर्ष दो में जगह बनाने की दौड़ में है। इन तीनों टीम ने पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

हेड टू हेड: दोनों टीम का एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड अभी 4-4 से बराबर है। हालांकि गुजरात ने इस सत्र के शुरू में चेपॉक में चेन्नई को आठ विकेट से हराया था। पिछले मुकाबले में कैगिसो रबाडा ने तीन विकेट लेकर सीएसके के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था।

गुजरात का रन रेट सनराइजर्स से बेहतर

अगर गुजरात टाइटंस सीएसके की खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करता है तो वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के (+1.065) नेट रन रेट से भी आगे निकल सकता है। अगर सनराइजर्स अपने आखिरी लीग मैच में आरसीबी को हरा देता है तो पहले दो स्थान के लिए फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा। अभी गुजरात टाइटंस का नेट रन रेट (+0.400) है जो सनराइजर्स (+0.350) से बेहतर है।

सनराइजर्स को प्रतिष्ठा बचानी होगी

पिछले मैच में सनराइजर्स के हाथों हार के कारण सीएसके की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। ऐसे में पांच बार की पूर्व चैंपियन सीएसके सत्र के अपने संभावित अंतिम मैच में प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश करेगी। रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है और प्लेऑफ में अंतिम स्थान के लिए दावेदारी में बने रहने के लिए उसे गुजरात के खिलाफ जीत के साथ अन्य मैचों के परिणाम भी अपने अनुकूल रहने के लिए प्रार्थना करनी होगी।

बांग्लादेश ने किया पाकिस्तान का सूपड़ा साफ, सीरीज 2-0 से जीती

हारा पाक, नुकसान हुआ टीम इंडिया को डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में छठे स्थान पहुंची

दुबई, जेएनएन। बांग्लादेश का पाकिस्तान के खिलाफ अपनी घरेलू धरती पर खेली गई टेस्ट श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप करने के कारण भारतीय क्रिकेट टीम को नुकसान हुआ है और वह नवीनतम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) रैंकिंग में छठे स्थान पर खिसक गई है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट मैच में 78 रन से हराया। इससे पहले उसने मीरपुर में पहला टेस्ट मैच 104 रन के बड़े अंतर से जीता था। इससे उसकी टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के डब्ल्यूटीसी तालिका में नवीनतम अपडेट में भारत से आगे निकल गई है। बांग्लादेश के अब चार टेस्ट मैचों में दो जीत, एक हार और एक ड्रॉ के साथ 58.33 प्रतिशत अंक हैं, जबकि भारत के नौ टेस्ट मैचों में चार जीत, उतनी ही हार और एक ड्रॉ के साथ 48.15 अंक हैं। पहले दो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम अब एशियाई देशों की रैंकिंग में

पाकिस्तान से ऊपर है। शुभमन गिल की अगुवाई वाली इस टीम ने इस साल अभी तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। भारत अब अफगानिस्तान के खिलाफ छह जून से एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगा लेकिन यह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है। भारतीय टीम को इस साल के आखिर में श्रीलंका और न्यूजीलैंड का दौरा करना है, जहां वह दो-दो टेस्ट मैच खेलेगी। उसे फिर 2027 में अपने घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है। भारत को घरेलू टेस्ट श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था।

आस्ट्रेलियाई टीम है नंबर एक पर ऑस्ट्रेलिया ने मौजूदा चक्र में अब तक आठ टेस्ट मैचों में सात जीत और एक हार दर्ज की है। वह 87.50 प्रतिशत अंकों के साथ डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है। न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर है, जिसने तीन टेस्ट मैचों में दो जीत और एक ड्रॉ के बाद 77.78 अंक प्राप्त किए हैं। दक्षिण अफ्रीका तीसरे और श्रीलंका चौथे स्थान पर है।

आर्सेनल ने 22 साल में पहली बार प्रीमियर लीग का खिताब जीता

लंदन, जेएनएन। आर्सेनल का प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब जीतने का पिछले 22 साल से चला आ रहा लंबा इंतजार आखिरकार मंगलवार को मैनचेस्टर सिटी और बोर्नमाउथ के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ छूटने के साथ ही खत्म हो गया है। इस मैच के बराबर रहने से मिकेल आर्टेटा की टीम 2004 के बाद पहली बार प्रीमियर लीग चैंपियन बन गई। इस प्रतियोगिता में अभी एक दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं लेकिन आर्सेनल ने 37 मैच में 82 अंक के साथ चार अंकों की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। दूसरे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर सिटी के अब 37 मैच में 78 अंक हैं। आर्सेनल के मिडफील्डर डेक्लन राइस ने सोशल मीडिया पर अपने और अपने साथियों के जश्न मनाते हुए एक तस्वीर पोस्ट की जिसका शीर्षक है, मैंने आपसे कहा था न, हमने कर दिखाया। मैनचेस्टर सिटी को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए यह मैच जीतना जरूरी था। इस तरह से पेप गार्डियोला का सिटी के साथ खिताब जीतने का आखिरी मौका भी उनके हाथ से चला गया क्योंकि इस दिग्गज कोच ने उन खबरों को खारिज नहीं किया था कि वह सत्र के अंत में क्लब छोड़ने वाले हैं।

प्रशंसकों ने मनाया जश्न: एमिरेट्स स्टेडियम के बाहर आर्सेनल के प्रशंसकों ने जमकर जश्न मनाया, पटाखे जलाए और सड़कों पर पार्टी की। क्लब के ट्रेनिंग ग्राउंड में भी जश्न का माहौल था, जहां खिलाड़ी मैच देखने के लिए इकट्ठा हुए थे। जूनियर क्रूपी के पहले हाफ के गोल के बाद एर्लिंग हालैंड ने स्टॉपेज टाइम में बराबरी का गोल करके मैच को रोमांचक बनाया लेकिन सिटी के पास विजयी गोल करने के लिए समय नहीं था। आर्सेनल के पास अभी चैंपियंस लीग का खिताब जीतने का भी मौका है जिसके फाइनल में उसका सामना 30 मई को पेरिस सेंट जर्मेन से होगा।

2004 में भी बिना हारे जीता था खिताब

आर्सेनल की टीम 2023 और 2024 के लगातार दो सत्र में उप विजेता रही थी। सिटी ने 2023 जबकि लिवरपूल ने 2024 में खिताब जीता था। एक बार फिर आर्सेनल ने इस पूरे अभियान में अधिकतर समय तक बढ़त बनाए रखी और बीच में केवल दो अंकों की बढ़त रहने के बावजूद वह आखिर में खिताब हासिल करने में कामयाब रहा। आर्सेनल की आखिरी चैंपियन टीम 2004 की 'अजेय' टीम थी, जिसने लीग में एक भी मैच हारे बिना खिताब जीता था। यह आर्सेनल का कुल 14वां खिताब है।

भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने बुधवार को उद्धव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल साई सेंटर में सीरीज के चौथे और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही ऑरोरा कोवासेविच (8') के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने जल्द जवाब दिया और कप्तान स्वीटी कुजूर (13') ने शुरुआती क्वार्टर खत्म होने से पहले पहला गोल कर टीम को बराबरी दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत की दीया (25') ने गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम हाफटाइम तक 2-1 से आगे रही। भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में नियंत्रण बनाए रखा और तीसरे क्वार्टर में प्रियंका मिंज (44') के गोल से अपनी बढ़त 3-1 की कर ली। नौशीन नाज (50') ने आखिरी क्वार्टर में एक और गोल किया और भारत की बढ़त 4-1 करते हुए जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम के लिए यह जीत बहुत अहम रही। इस जीत के बाद इस महीने के आखिर में जापान में शुरू

होने वाले अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा। हालांकि 4 मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 1-3 से जीत दर्ज की। सीरीज के पहले मैच में भारत को 3-4 से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मैच में भारतीय टीम को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 1-2 से हराया था।

खेल एक नजर

इंग्लैंड से लौटे सॉल्ट इस हफ्ते आरसीबी में वापसी करेंगे

बेंगलुरु, जेएनएन। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ओपनर फिल सॉल्ट फिंगर इंजरी के बाद इस हफ्ते भारत लौट रहे हैं। 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में उन्हें फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी। सॉल्ट के बाएं हाथ की उंगली में इंजरी थी। इसके बाद वह इलाज के लिए अपने देश इंग्लैंड लौट गए थे। सॉल्ट की गैरमौजूदगी में जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ ओपनिंग की। हालांकि बेथेल का प्रदर्शन खराब रहा। वह 7 पारियों में सिर्फ 96 रन बना सके हैं, जिसमें 27 रन उनकी बेस्ट पारी रही है। इसके बावजूद बेथेल 22 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आपीएल के लीग का आखिरी मुकाबला खेल सकते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सॉल्ट ने आईपीएल में फॉर्म में वापसी की थी। उन्होंने इस सीजन 6 पारियों में 168.33 की स्ट्राइक रेट से 202 रन बनाए थे। पिछले सीजन टीम की खिताबी जीत में उनकी अहम भूमिका थी। उन्होंने 2025 में 175.98 की स्ट्राइकर रेट से 403 रन बनाए थे। आरसीबी ने प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली है। टीम ने 17 मई को पंजाब किंग्स को 23 रन से हराकर टॉप-4 में जगह बनाई। अगर नेट रन रेट में बड़ा उलटफेर नहीं हुआ, तो टीम 26 मई को धर्मशाला में क्वालीफायर-1 खेलेगी।

थक गया था इसलिए मैंने छोड़ दी थी टेस्ट की कप्तानी: विराट

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने स्वीकार किया है कि भारत की कप्तानी छोड़ने के बाद वह मानसिक रूप से कठिन और परेशान करने वाले दौर से गुजर रहे थे, लेकिन उन्होंने पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर का आभार व्यक्त किया, जिनकी मदद से उन्हें फिर से क्रिकेट का आनंद लेने में सहायता मिली। कोहली ने 2022 में कप्तानी छोड़ी थी और उसी वर्ष टेस्ट क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा था। कोहली का कहना है कि वे पूरी तरह से इससे थक चुके थे और इसी वजह से टेस्ट टीम कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था। उन्होंने कहा, मैं उस समय ऐसी स्थिति में पहुंचा गया था, जहां पर बल्लेबाजी और कप्तानी पर सबकुछ केंद्रित था। मुझे इस बात का एहसास नहीं था कि दोनों चीजें मेरे जीवन पर कितना असर डाल सकती हैं।

मानव ने किया अमेरिकी ओपन में क्वालीफाई

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय-अमेरिकी गोल्फर मानव शाह ने आईजीपीएल के लिए इतिहास रचा जब वह पिछले साल इस लीग की शुरुआत के बाद इस टूर से 2026 अमेरिकी ओपन में जगह बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। मानव ने डलास एथलेटिक क्लब में 36 होल के अंतिम क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में 66 और 71 के स्कोर से कुल पांच अंडर के स्कोर से चौथे स्थान पर रहते हुए अमेरिकी ओपन में अपनी जगह पक्की की। इस 33 वर्षीय गोल्फर ने मौजूदा सत्र में आईजीपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है और चार टूर्नामेंट में तीन बार शीर्ष सात और एक बार संयुक्त 11वें स्थान पर जगह बनाने में सफल रहे।

पिकलबॉल वर्ल्ड रैंकिंग में दुर्गा सुर ने जीते गोल्ड सहित 4 पदक

ताजा रैंकिंग में भारत में 7वां स्थान हासिल किया

भोपाल। शहर के दुर्गा सुर ने पिकलबॉल वर्ल्ड रैंकिंग 400 पॉइंट्स टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण सहित चार पदक अर्जित किए। इसमें तीन रजत भी शामिल हैं। इंडियन पिकलबॉल एसोसिएशन और मप्र पिकलबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में सॉफ्ट सर्व पिकलबॉल क्लब द्वारा यह प्रतियोगिता इंदौर में 15 से 17 मई तक आयोजित की गई थी, जिसमें 150 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। 30+ महिला डबल्स में असम की जोड़ीदार मनस्विनी हजारिका के साथ दुर्गा ने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 30+ महिला सिंगल्स, इंटरमीडिएट ओपन

महिला सिंगल्स और 30+ मिक्स्ड डबल्स में मप्र के अमरदीप सिंह के साथ जोड़ी बनाकर रजत पदक हासिल किया। इस सफलता के आधार पर दुर्गा की रैंकिंग को फायदा मिला। इंडियन पिकलबॉल एसोसिएशन की ताजा रैंकिंग के अनुसार, दुर्गा ने 30+ सिंगल्स महिला वर्ग में भारत में 7वां स्थान हासिल कर लिया है। इस टूर्नामेंट के समाप्त होने के बाद भोपाल के सलैया स्थित एस पिकलबॉल क्लब में 5 से 7 जून तक तीन दिवसीय पिकलबॉल वर्ल्ड रैंकिंग 200 पॉइंट्स का आयोजन होने जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बद्रीनाथ में हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

टिहरी गढ़वाल, जेएनएन। बद्रीनाथ धाम से देहरादून लौट रहे श्रद्धालुओं के हेलिकॉप्टर की बुधवार को टिहरी गढ़वाल में तकनीकी खराबी के कारण इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान के दौरान हेलिकॉप्टर अनबैलेंस होने लगा था, जिसके बाद महिला पायलट ने खेत में उतारने का फैसला लिया था। लैंडिंग के समय हेलिकॉप्टर का पिछला हिस्सा 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन से टकरा गया, जिससे वह हल्का क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बावजूद पायलट ने हेलिकॉप्टर को सुरक्षित उतार लिया। हेलिकॉप्टर में पायलट समेत 7 लोग सवार थे। सभी सुरक्षित हैं। यात्री दिल्ली के पंजाबी बाग निवासी एक ही परिवार के हैं। घटना सुबह करीब पौने 9 बजे हुई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम पहुंची।

सीबीआई ने कर्नल को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय सेना की टेंडर प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने आर्मी ऑर्डिनेंस कॉर्प्स की ईस्टर्न कमांड, फोर्ट विलियम कोलकाता में तैनात कर्नल हिमांशु बाली को गिरफ्तार कर लिया है। उन पर 50 लाख रुपए की रिश्वत लेने और एक निजी कंपनी को टेंडर दिलाने में मदद करने का आरोप है। सीबीआई की इस कार्रवाई के बाद सेना से जुड़े टेंडरों में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार को लेकर फिर सवाल उठने लगे हैं। सीबीआई की एफआईआर के मुताबिक कर्नल हिमांशु बाली पर आरोप है कि, उन्होंने कानपुर स्थित कंपनी ईस्टर्न ग्लोबल लिमिटेड को अनुचित फायदा पहुंचाया। जांच एजेंसी का दावा है कि, अधिकारी ने टेंडर प्रक्रिया में हेरफेर कर कंपनी को फायदा दिलाया।

नोएडा बवालः न्यायमूर्ति ने खुद को किया अलग

प्रयागराज, जेएनएन। नोएडा श्रमिक आंदोलन और बवाल मामले में गिरफ्तार वरिष्ठ पत्रकार एवं सत्यम वर्मा से संबंधित बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई में बुधवार को महत्वपूर्ण और नाटकीय मोड़ आ गया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। इसके बाद न्यायालय ने मामले को मुख्य न्यायाधीश से उपयुक्त पीठ नामित कराए जाने के उपरांत 22 मई को नई वाद सूची में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मामले की सुनवाई शुरू होने पर वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी एवं अधिवक्ता शाश्वत आनंद ने सत्यम वर्मा की ओर से पक्ष रखते हुए गिरफ्तारी की वैधता, कथित अवैध निरुद्धि तथा याचिका के गुण-दोष पर सुनवाई किए जाने का आग्रह किया। हालांकि, कार्यवाही के दौरान अप्रत्याशित घटनाक्रम में न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने मामले से स्वयं को अलग कर लिया।

कोलकाता से एनआईए ने गिरफ्तार किया जासूस

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया है। यह जासूस पिछले काफी समय से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के अधिकारियों के संपर्क में था। एजेंसी ने इसके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया था। इसके खिलाफ और सबूत जुटाने की प्रक्रिया चल रही थी, तभी इसे हिरासत में ले लिया गया। एजेंसी के मुताबिक आरोपी जफर रियाज उर्फ रिजवी ने एक शादी पाकिस्तानी महिला से की थी, जिससे उसके बच्चे भी पाकिस्तानी नागरिक हैं। एजेंसी की तरफ से जारी बयान में कहा गया कोलकाता निवासी रियाज उर्फ रिजवी 2005 के बाद से लगातार अपनी ससुराल पाकिस्तान की यात्रा करता रहा है। इसी दौरान पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के अधिकारियों ने उससे संपर्क साधा।

रोशनी का अद्भुत नजारा

चीन के गुआंगजौ में 16वें पर्यटन दिवस के अवसर पर कैंटन टॉवर के पास आसमान में 5,190 ड्रोनों ने शानदार आकृतियां बनाईं, जिन्हें देखकर लोग तस्वीरें खींचते नजर आए।

ज्वेलर्स की दुकान से 2 करोड़ का सोना चोरी

16 साल पुराने कर्मचारी ने ही किया हाथ साफ आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, जेएनएन। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक ज्वेलर्स की दुकान से 2 करोड़ का सोना चोरी हो गया। दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी ने ही इस चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। हैरानी ये है कि ये कर्मचारी पिछले 16 साल से इस दुकान में काम कर रहा था। दुकान के कर्मचारी ने दो करोड़ के जेवर दुकान में रखने के बजाय अपने पास रख लिए। ये वारदात रायपुर के सदर बाजार स्थित मनोहरमल एंड कम्पनी की बताई जा रही है। वहीं कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

जेवर को लॉकर में रखने की थी जिम्मेदारी: पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता कारोबारी सुरेश बंसाली सदर बाजार के जाने-माने सोने-चांदी के गहनों के शोरूम 'मनोहरलाल एंड कंपनी ज्वेलर्स' के मालिक हैं। आरोपी कर्मचारी की पहचान सूरज साहू के रूप में हुई है, जो पिछले 16 साल से स्टोर में काम कर रहा था। उसे रोजाना दुकान बंद होने के बाद डिस्प्ले में रखे गहनों को लॉकर में सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी दी गई थी। पुलिस ने बताया कि 9 अप्रैल 2026 को दुकान बंद होने के बाद सूरज साहू ने कथित तौर पर गहनों को लॉकर में रखने के बजाय अपने पास रख लिया। शुरुआत में किसी को गहनों के गायब होने का पता नहीं चला। यह चोरी 13 अप्रैल को स्टॉक वेरिफिकेशन के दौरान सामने आई, जब करीब 1495 ग्राम 670 मिलीग्राम सोने के गहने गायब मिले।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में देशभर में 15 लाख दवा दुकानें बंद

छोटी दुकानों को बचाने और नकली पर्चियों को रोकने के लिए केमिस्टों का आंदोलन

मध्यप्रदेश, चंडीगढ़, बिहार में लोग परेशान दिखे, अस्पतालों के मेडिकल स्टोर रहे खुले

नई दिल्ली, जेएनएन। दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और बड़ी कंपनियों के कॉम्पिटीशन के विरोध में बुधवार को देशभर के 15 लाख से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद हैं। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एआईओसीडी ने एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया है।

बंद का मामूली असर दिख रहा है। पटना के आईजीआईएमएस के बाहर मरीज और उनके परिवार वाले दवाओं के लिए परेशान दिखे। वहीं, चंडीगढ़ के पीजीआई में इलाज कराने आए कश्मीर के एक परिवार को भी दवाई नहीं मिल सकी। उसने कहा, 'दवाएं नहीं मिल रही हैं।' हालांकि, एआईओसीडी ने कहा था कि बंद के दौरान भी अस्पतालों से जुड़े मेडिकल स्टोर खुले रहेंगे। इमरजेंसी दवाओं की सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी।

कोविड-19 के दौरान सरकार ने ई-फार्मा को छूट दी: कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत सरकार ने लॉकडाउन में लोगों तक जरूरी दवाइयां पहुंचाने के लिए ई-फार्मा स्टोर्स ऑनलाइन मेडिकल स्टोर्स को कई बड़ी रियायतें दी थीं। इधर, हड़ताल के बीच प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र रिटेलर एसोसिएशन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। एसोसिएशन ने घोषणा की है कि देशभर के जन औषधि केंद्र इस हड़ताल में शामिल नहीं होंगे। सामान्य दिनों की तरह खुले रहेंगे। जिससे लोगों को राहत मिली।

ठाणे में बुधवार को ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में दवा और औषधि दुकानों के मालिकों ने एक दिवसीय हड़ताल की और दुकानें बंद रहीं।

दवा दुकानदारों की 4 मांगें

- बिना नियमों के चल रही ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से मोहल्ले की छोटी दुकानों को नुकसान हो रहा है और लोगों की सेहत के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। इसे रोका जाए।
- इस पूरे विवाद से जुड़े सरकार के दो नियम जीएसआर 220ई और जीएसआर 817ई हैं। संगठन के मुताबिक इन नियमों की कमियों का फायदा उठाकर ही ऑनलाइन दवा कंपनियां ऐसा कर रही हैं। इसे वापस लिया जाए।
- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 'गलत या नकली पर्चियों' का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए ई-फार्मेसी के लिए नए सख्त नियम बनाए जाएं।
- लोकल दुकानदार ऑनलाइन कंपनियों के 20 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक के डिस्काउंट का मुकाबला नहीं कर सकते।

देश के चार राज्यों में हड़ताल का असर

- **बिहार: अस्पतालों में मरीज के अटेंडेंट परेशान:** बिहार में 40 हजार से ज्यादा दवा दुकानें हड़ताल में शामिल हैं। बिहार केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन और पटना केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से इस आंदोलन का समर्थन किया है। संगठनों ने सभी दवा विक्रेताओं, फार्मासिस्टों और थोक व्यापारियों से सक्रिय भागीदारी की अपील की है।
- **मध्यप्रदेश: भोपाल में 3 हजार से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद:** मध्य प्रदेश में बुधवार को दवा दुकानें बंद रहेंगी। अकेले भोपाल में 3 हजार से ज्यादा मेडिकल स्टोर्स इस बंद में शामिल हैं। सिर्फ अस्पतालों के अंदर संचालित मेडिकल स्टोर्स को ही खुला रखा गया है।
- **छत्तीसगढ़: 18 हजार मेडिकल स्टोर्स खुले नहीं:** छत्तीसगढ़ में करीब 18 हजार मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे, जिनमें थोक और रिटेल दोनों दुकानें शामिल हैं। रायपुर में 3 हजार से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। बस्तर जिले में 300 और जगदलपुर शहर में करीब 120 मेडिकल दुकानें बंद हैं।
- **पंजाब: चंडीगढ़ में 25 हजार मेडिकल स्टोर बंद:** पंजाब और चंडीगढ़ में लोगों को दवाइयां लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चंडीगढ़ के पीजीआई में इलाज कराने आए कश्मीर के एक परिवार को भी दवाई नहीं मिल सकी।

द टॉप इंडिया सर्वेः बॉलीवुड में संकट

क्रू मेंबर्स की कमाई में 50-60 प्रतिशत की गिरावट

बॉलीवुड का एक छिपा हुआ संकट अभी-अभी सामने आया है। द टॉप इंडिया के सर्वे से पता चला है कि कमाई में 50-60 प्रतिशत की गिरावट पर्दे के पीछे काम करने वाले क्रू मेंबर्स को बुरी तरह तोड़ रही है। असिस्टेंट डायरेक्टर से लेकर लाइटमैन तक, मई 2026 में हजारों लोग वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं।

100% से 200 प्रतिशत तक आय का हिस्सा सिर्फ किराए में खर्च

20 सालों से बॉलीवुड में लगातार उछाल 2026 में थमी

1,000 से अधिक फिल्म, टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म व मनोरंजन कर्मी के बीच किया गया सर्वे

50-60% की गिरावट दर्ज की अधिकांश उत्तरदाताओं ने कमाई में, जिससे लोगों का खर्च भी नहीं निकल रहा

50,000 तक पहुंच गया है मुंबई में रहने का खर्च, इससे रहने का खर्च ही कमाई के मुकाबले 200 प्रतिशत पहुंचा

मनोरंजन के पूरे इकोसिस्टम से गायब होती नौकरियां

असिस्टेंट डायरेक्टर, लाइटमैन, कैमरा ऑपरेटर, मेकअप आर्टिस्ट और उपकरण किराए पर देने वाले सभी एक साथ आय के संकट का सामना कर रहे हैं। प्रोडक्शन का काम आपस में इस कदर जुड़ा हुआ है कि एक प्रोजेक्ट के रुकने का असर सैकड़ों सहायक नौकरियों पर पड़ता है। जब प्रोडक्शन रुकता है, तो सेट वर्कर्स, कॉस्ट्यूम वेंडर्स, ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स और टेक्निकल क्रू सभी की आय एक साथ खत्म हो जाती है।

टेलीग्राम चैनलों पर पेपर लीक की अफवाहों को रोकें : प्रधान

नीट-यूजी की पुनः परीक्षा तैयारी को लेकर बैठक

नई दिल्ली, जेएनएन। नीट पेपर लीक को लेकर एक तरफ जहां देशभर में प्रदर्शन हो रहे हैं वहीं नीट-यूजी की दोबारा होने वाली परीक्षा से पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक हाई लेवल मीटिंग बुलाई, इस बैठक में तमाम खुफिया एजेंसी के अधिकारियों के अलावा सोशल मीडिया कंपनियों के प्रतिनिधि भी शामिल रहे। सोशल मीडिया कंपनियों से कहा गया है कि वे खुद आगे आकर गलत खबरें फैलाने वाले नेटवर्क का पता लगाएं और उन्हें बंद करें। खासतौर पर टेलीग्राम चैनलों पर सख्ती से नजर रखने के लिए कहा गया है।

समीक्षा बैठक में शिक्षा मंत्री ने नीट-यूजी की दूसरी परीक्षा के लिए मदद मांगी और इस बात पर जोर दिया कि परीक्षा को पूरी तरह सुरक्षित और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए कड़ी निगरानी और पुख्ता इंतजाम किए जाएं। इस बैठक में शिक्षा मंत्रालय के बड़े अधिकारी और

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक (डीजी) भी शामिल हुए।

इसी के साथ सोशल मीडिया कंपनियों जैसे मेटा, गूगल और टेलीग्राम के प्रतिनिधियों के साथ भी एक बैठक हुई। इसमें प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी गलत खबरों, खासकर टेलीग्राम चैनलों और अनजान ऑनलाइन ग्रुपों पर फैलने वाली अफवाहों पर गहरी चिंता जताई गई। अधिकारियों ने बताया कि कई ऐसे चैनल बड़ी परीक्षाओं से ठीक पहले काफी एक्टिव हो जाते हैं। ये चैनल पेपर लीक होने के झूठे दावे, लोगों को फंसाने वाली खबरें और बिना जांच की जानकारियां फैलाते हैं।

केरलम में सीएम के पास वित्त समेत 35 विभाग

नई दिल्ली, जेएनएन। केरलम में नई सरकार बनने के बाद अब मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा भी तय हो गया है। 20 मई यानी बुधवार को यूडीएफ सरकार में मंत्रियों की जिम्मेदारियों की आधिकारिक सूची जारी कर दी गई। इस सूची में सबसे ज्यादा मंत्रालय मुख्यमंत्री वीडी सतीशन के पास है। मुख्यमंत्री खुद वित्त, कानून, सामान्य प्रशासन और पोर्ट्स समेत कुल 35 विभाग संभालेंगे। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मुख्यमंत्री सतीशन की सिफारिश को मंजूरी दे दी है।18 मई को मुख्यमंत्री सतीशन और उनकी कैबिनेट के मंत्रियों ने शपथ ली थी। इसके बाद सरकार का अगला बड़ा काम यह तय करना था कि किस मंत्री को कौन सा विभाग दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों के विभागों की सूची तैयार कर राज्यपाल को भेजी थी, जिसे अब मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही साफ हो गया है कि नई सरकार में किस मंत्री के पास कौन सी जिम्मेदारी रहेगी। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला को गृह और विजिलेंस समेत पांच विभागों की जिम्मेदारी दी गई है।

गोलमाल 5: अजय देवगन और अक्षय कुमार साथ में मचाएंगे धमाल

रोहित शेट्टी की 'गोलमाल 5' में अजय देवगन और अक्षय कुमार एक साथ हैं। जिनकी ऑफिशियल तौर पर फिल्म में एंट्री हो चुकी है। साथ ही 'गोलमाल 5' का शूट शुरू हो चुका है, जो अगले साल रिलीज होगी।

'गोलमाल 5' का अगला बड़ा शेड्यूल जून के तीसरे हफ्ते से शुरू होने की उम्मीद है। फिलहाल मेकर्स ने फिल्म का अब तक का सबसे बड़ा हिस्सा प्लान किया है, जो कि गोवा में होगा। साथ ही इसमें फ्रेंचाइजी के लड़कों के ग्रुप से जुड़े कुछ अहम कॉमेडी सीन भी होंगे। दरअसल इस दौरान अजय देवगन और अक्षय कुमार के भी टीम में शामिल होने की उम्मीद है। कहा जा रहा है कि मेकर्स ने पूरी कास्ट के साथ एक शानदार डांस सीक्वेंस भी प्लान किया है। जहां मेकर्स का हर शेड्यूल में फिल्म की कहानी पर फोकस है, तो गानों पर भी खास जोर रहेगा। वैसे गोवा लंबे वक्त से गोलमाल

फ्रेंचाइजी का हिस्सा रही हैं। जहां पहले भी फिल्म के शूट होते रहे हैं। इस बार फिल्म में अजय देवगन, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, कुणाल खेमू काम करते दिख रहे हैं। साथ ही अक्षय कुमार की भी एंट्री हुई है। इस फिल्म को एक ऐसी कॉमेडी के तौर पर बनाया जा रहा है, जो कन्फ्यूजन, दोस्ती और जिंदगी से भी बड़े मजेदार हालात के इर्द-गिर्द घूमती है। बता दें कि एक तरफ अजय देवगन हैं, तो दूसरी ओर अक्षय कुमार दोनों का काम करने का स्टाइल एक जैसा है। साल भर में 4-5 फिल्में रिलीज कर देते हैं। साथ ही कॉमेडी, एक्शन, ड्रामा समेत सभी जॉनर की फिल्मों में दिखते हैं।

सफलता डीआरडीओ ने ड्रोन से दागी जाने वाली मिसाइल का ट्रायल किया पूरा

टैंक, हेलिकॉप्टर व दूसरे ड्रोन को बना सकेगी निशाना

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन डीआरडीओ ने ड्रोन से दागी जाने वाली मिसाइल का ट्रायल पूरा कर लिया है। इस मिसाइल का नाम यूएलपीजीएम-वी3 है। यह हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों तरह के टारगेट पर सटीक हमला कर सकती है। हवा में दुश्मन के हेलिकॉप्टर, ड्रोन और दूसरे हवाई टारगेट को मार गिरा सकती है। वहीं जमीन पर टैंक, सैन्य वाहन और बंकर को निशाना बना सकती है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, मिसाइल का परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुर्नूल स्थित डीआरडीओ टेस्ट रेंज में किया गया।

इसमें इंटीग्रेटेड ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम का इस्तेमाल किया गया, जो लॉन्च और कमांड सिस्टम को कंट्रोल करता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा यह मिसाइल को बनाने में मिली सफलता रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम कदम है। चलते-फिरते टारगेट को भी लॉक कर सकती है यूएलपीजीएम-वी3 एक स्मार्ट प्रिसिजन गाइडेड मिसाइल है। इसमें सीकर तकनीक लगी है, जिससे यह टार्गेट को पहचानकर लॉक करती है और फिर सटीक हमला करती है। चलते हुए लक्ष्य को भी ट्रैक कर सकती है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इसे एंटी-टैंक रोल के लिए भी तैयार किया गया है। साथ ही यह ड्रोन, हेलिकॉप्टर और दूसरे हवाई लक्ष्यों के खिलाफ भी इस्तेमाल की जा सकती है।

डीआरडीओ ने भारतीय कंपनियों के साथ किया तैयार

इस मिसाइल को डीआरडीओ के हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत आरसीआई की अगुआई में डेवलप किया गया है। इसके साथ डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी डीआरडीएल, टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी टीबीआरएल और हाई एनर्जी मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी एचईएमआरएल भी इस प्रोजेक्ट में शामिल रहीं। प्रोडक्शन के लिए डीआरडीओ ने भारत डायनेमिक्स लिमिटेड बीडीएल और अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी की है। ट्रायल में इसे बेंगलुरु की न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज के बनाए यूएवी के साथ टेस्ट किया गया।

पहली बार 50 हजार जवानों की अलग ड्रोन फोर्स भी होगी

ऑपरेशन सिंदूर, रूस-यूक्रेन और अमेरिका-इजराइल-ईरान जंग के बाद भारत ने एक 'ड्रोन फोर्स' बनाने का फैसला किया है। यह फोर्स किसी भी सैन्य कार्रवाई में 'फर्स्ट रेस्पोंडर' पहली जवाबी कार्रवाई के तौर पर तैनात की जाएगी। इसे डेटा और कॉग्निटिव वारफेयर फोर्स की तकनीकी का सपोर्ट होगा। इंटीग्रेटेड रक्षा मुख्यालय के मुताबिक इस फोर्स के लिए अभी 50 हजार सैन्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। अगले 3 साल में 15 नए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाए जाएंगे। यहां सिम्युलेटर और वर्चुअल रियलिटी के जरिए रीयल-टाइम बैटल ट्रेनिंग दी जाएगी।

भारतीयों पर नस्लभेदी टिप्पणियां बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में स्थित ताइवान के प्रतिनिधित्व 'ताइपे आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्र' ने भारतीय प्रवासी कामगारों को लेकर ताइवान में हुई कथित भेदभावपूर्ण टिप्पणियों पर बड़ा बयान जारी किया है। 'ताइवान इन इंडिया' के आधिकारिक एक्स पोस्ट में कहा गया कि ताइवान लंबे समय से भारतीय कामगारों को शामिल करने की योजना पर काम कर रहा है और कुछ व्यक्तियों की नस्लभेदी टिप्पणियां ताइवान की आधिकारिक सोच का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं। पोस्ट में कहा गया कि ताइवान लोकतंत्र, समावेशिता और विविधता जैसे मूल्यों को बेहद महत्व देता है। साथ ही भारत और ताइवान के बीच लोगों के स्तर पर रिश्तों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को लगातार बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई। टीईसीसी ने कहा कि किसी भी प्रकार के पूर्वाग्रह, नस्लवाद और भेदभाव की कड़ी निंदा की जाती है। संस्था ने हालिया टिप्पणियों पर गहरा खेद जताते हुए कहा कि ऐसे बयान दोनों देशों के मजबूत संबंधों के खिलाफ हैं।

दैनिक जागरण वर्गीकृत
जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com
अण्डा
BHOPAL EGG RATE 505/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.
सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

मंडला में पटाखा स्टोरेज पर गोदाम सील

जागरण, मंडला। जिले के नैनपुर अनुभाग में प्रशासन ने विस्फोटक पदार्थों के अवैध और असुरक्षित स्टॉक पर कार्रवाई की है। एसडीएम आशुतोष ठाकुर के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने निरीक्षण करते हुए नियमों की अनदेखी करने वाले तीन केंद्रों को सील कर दिया। जांच टीम ने ग्राम निवारी में भाजपा नेता शंकर शायरानी के शायरानी पटाखा स्टोरेज पर छापा मारा। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि वहां रखे स्टॉक और सरकारी रिकॉर्ड में भारी अंतर था।

बड़वानी में इंदिरा सागर सिंचाई नहरें बदहाल

जागरण, बड़वानी। इंदिरा सागर परियोजना के तहत मुख्य नहर में पानी छोड़ दिया है, जो अगले कुछ दिनों में बड़वानी पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि, मुख्य नहर से खेतों तक पानी ले जाने वाली माइनर और सब-माइनर नहरों की स्थिति चिंताजनक है। बीते एक दशक से नियमित सफाई और मरम्मत न होने के कारण नहरों में गाद जमा है और कई स्थानों पर झाड़ियां उग आई हैं, जिससे पानी की बर्बादी का खतरा बढ़ गया है।

"ट्वीट ऑफ द डे"

मल्लिकार्जुन खड़गे
कांग्रेस अध्यक्ष

मोदी सरकार में पिछले 11 वर्षों में प्रत्येक भारतीय पर औसत कर्ज 11 गुना बढ़ गया है, जबकि अरबपतियों की कुल संपत्ति 97.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। घरेलू एलपीजी की कीमत 121 प्रतिशत बढ़ गई है, जो 2014 में 414 रुपए से बढ़कर 2026 में 915.5 रुपये हो गई है। मार्च, 2026 में युवा बेरोजगारी (15 से 29 वर्ष की आयु) बढ़कर 15.2 प्रतिशत हो गई है, जो नौ महीने की चरम सीमा पर है। यह गहराते आर्थिक संकट को दर्शाती है।

खजुराहो में पारा 47.4 पहुंचा, इस सीजन का सबसे अधिक तापमान दर्ज

पूरे प्रदेश में लू का अलर्ट, अगले पांच दिनों तक जमकर सताएगी गर्मी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में गर्मी का दौर अब आग उगल रहा है। प्रदेश में इस सीजन का सर्वाधिक तापमान बुधवार को खजुराहो में दर्ज हुआ, जहां अधिकतम तापमान 47.4 डिग्री रिकार्ड किया गया। इसके अलावा प्रदेश के चार अन्य शहरों में मेक्सिमम टेंपरेचर 45 डिग्री से अधिक दर्ज हुआ है। प्रदेश इस समय तेज गर्मी के साथ लू की चपेट में है।

बुधवार को प्रदेश के एक दर्जन जिलों में लू का प्रकोप रहा। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले पांच दिनों तक गर्मी और तपन इसी तरह लोगों को सताएगी। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए प्रदेश के अधिकांश जिलों में लू और तीव्र लू का अलर्ट जारी करते हुए लोगों को फिर से गर्मी से बचाव के उपाय की एडवाइजरी जारी की है। बुधवार को एमपी की सीमा से सटे यूपी के बांदा में देश का अधिकतम तापमान 48.2 डिग्री दर्ज हुआ। इधर भोपाल में पारे की चाल कुछ सुस्त हुई है और एक दिन में पारे में 1.6 डिग्री की रिगावट हुई है। राजधानी में बुधवार को अधिकतम तापमान 42.6 डिग्री रहा।

ये रहे प्रदेश के सबसे गर्म शहर

शहर	अधिकतम तापमान
खजुराहो	47.4
नौगांव	46.6
दमोह	46.0
मण्डला	45.6
सतना	45.3

आंधी भी करेगी परेशान 26 के बाद बदलेगा मौसम

मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रदेश में आगामी 26 मई तक किसी भी तरह का मौसमी बदलाव नहीं होगा। इस दौरान सूरज की तीखी धूप के साथ बढ़ते हुए तापमान लोगों की परेशानी में इजाफा करते रहेंगे। मौसम विज्ञान केंद्र का आकलन है कि इस दौरान तापमान में एक डिग्री का इजाफा भी हो सकता है। इसके बाद प्रदेश में टेपरेचर गिरने के आसार हैं। एमपी में फिलहाल जारी इस भीषण गर्मी के दौरान प्रदेश के ग्वालियर, चंबल, सागर, जबलपुर, रीवा संभाग में रात या देर रात के समय धूल भरी आंधी चलने की संभावना भी जताई गई है।

हीटवेव के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी

तीव्र लू के लिए रेड अलर्ट - दतिया, भिंड, सतना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, भोपाल, विदिशा, रायसेन, झाबुआ, रतलाम, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, दमोह, सागर।

लू के लिए ऑरेंज अलर्ट - रीवा, मऊगंज, कटनी, मैहर सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, हरदा, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, धार, इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा।

मौसम विभाग ने फिर जारी की एडवाइजरी

- दिनभर पानी पिएं ताकि शरीर हाइड्रेट रहे। सफर के दौरान पानी की बोतल साथ रखें। प्यास न लगी हो, तब भी पानी पीते रहें।
- दोपहर 12 से 3 बजे के बीच बाहर जाने से बचें। सीधे धूप में लंबे समय तक न रहें और शारीरिक मेहनत वाले काम न करें।
- बच्चों या पालतू जानवरों को बंद या खड़ी गाड़ी में अकेला न छोड़ें।
- रेड अलर्ट में बीमारियों और हीट स्ट्रोक की बहुत अधिक संभावना, बेहद जरूरी न हो तो धूप में बिल्कुल न निकलें।
- पानी के साथ-साथ ओआरएस, घर के बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी, मांड, नींबू पानी पिएं।

संक्षिप्त खबरें

विकलांग कोटे से नौकरी पाने वाले श्रम निरीक्षक की सेवा समाप्त

जागरण, सिंगरौली। विकलांग प्रमाण-पत्र से नौकरी पाने को लेकर चर्चा में रहे श्रम निरीक्षक नवनीत कुमार पांडेय की सेवा शासन ने समाप्त कर दी है। श्रम निरीक्षक पांडेय की नियुक्ति का मामला हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद श्रम आयुक्त इंदौर संदीप जीआर ने आदेश जारी कर उन्हें पद से पृथक कर दिया। नवनीत पांडेय पूर्व में रीवा जिले में पदस्थ थे, बाद में उनका तबादला सीधी और कटनी सहित अन्य जिलों में किया गया था। करीब दो साल पहले उन्हें फिर से सिंगरौली में पदस्थ किया था। सरकार ने उन्हें अब तक मिले वेतन और अन्य सरकारी लाभों की रिकवरी के आदेश भी जारी किए हैं। इस फैसले से श्रम विभाग और प्रशासनिक महकमे में हलचल मच गई है।

सिवनी: गांव में भालू की दस्तक से दहशत

जागरण, सिवनी। प्रदेश के सिवनी जिले के उगली वन परिक्षेत्र स्थित अरंडिया गांव में पिछले तीन दिनों से भालू की मौजूदगी से दहशत का माहौल है। ग्राम पंचायत विभारी के क्षेत्र में भालू को लगातार गांव के आसपास और आंगनबाड़ी भवन के पास देखा गया है। वन विभाग ने स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों के लिए सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वन विभाग के रेंजर शिवभान नागेश्वर के अनुसार, अरंडिया गांव में मधुमक्खियों के कई छत्ते लगे हैं। शहद भालू का मुख्य भोजन है, जिसके कारण वह जंगल से निकलकर आबादी वाले क्षेत्र की ओर आ रहा है। साथ ही गर्मी के मौसम में पानी और भोजन की तलाश भी वन्य प्राणियों के मूवमेंट की एक बड़ी वजह है। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे रात के समय घरों से अकेले न निकलें और बच्चों को भी दूर न जाने दें। ग्रामीणों ने हाल ही में कुरई क्षेत्र में हुए भालू के हमले का हवाला देते हुए जल्द रेस्क्यू की मांग की है। रेंजर ने बताया कि विभाग स्थिति पर निरंतर नजर बनाए है और भालू को सुरक्षित वापस जंगल की ओर भेजने के लिए रेस्क्यू टीम सक्रिय की जा रही है। इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी तरह की जनहानि को रोका जा सके

कलेक्ट्रेट परिसर में आग से अहम दस्तावेज राख

जागरण, ग्वालियर। कलेक्ट्रेट परिसर में आधी रात अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग परिसर में लगे ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट होने से भड़की, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। आग ने कलेक्ट्रेट परिसर के कई कमरों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज, फर्नीचर और अन्य सामग्री जलकर खाक हो गई। सबसे पहले आग कलेक्ट्रेट परिसर के नीचे स्थित एसबीआई बैंक के कार्यालय में लगी। इसके बाद आग तेजी से फैलते हुए कलेक्टर के ट्रेनिंग सेंटर के कमरों तक पहुंच गई। आग की लपटों में ट्रेनिंग सेंटर का फर्नीचर, कंप्यूटर स्क्रीन और अन्य जरूरी सामान पूरी तरह जल गया। वहीं, एसबीआई कार्यालय में भी दस्तावेजों और कार्यालयी सामग्री को भारी नुकसान पहुंचा है। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी पहुंच गए। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की तीन गाड़ियों को लगाया गया। काफी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है। आग लगने के सटीक कारणों की जांच भी शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पानी का आपातकाल... 162 शहरों में एक दिन छोड़कर हो रही जलापूर्ति

प्रदेश के आठ शहरों में तीसरे दिन और दो शहरों में चौथे रोज पानी की हो रही आपूर्ति

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में गर्मी के तीखे तेवरों के दैर में जल संकट गहरा गया है। सूबे के चालीस फीसदी शहरों में अब रोजाना जलापूर्ति पर ब्रेक लग गया है। इनमें से दस शहर ऐसे हैं जहां हर दो दिन और दो शहरों में तीन दिन के अंतराल पर आपूर्ति की जा रही है। प्रदेश में कुल 413 नगरीय निकाय हैं, इनमें 16 नगर निगम, 99 नगर पालिका और 298 नगर परिषद हैं। इसके अलावा एमपी में 5 कैंट बोर्ड भी हैं, जिनकी देखरेख नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा की जाती है। जानकारी के अनुसार प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में अब केवल 241 में ही रोजाना वाटर सप्लाई हो पा रही है। 162 नगरीय निकायों में फिलहाल एक दिन छोड़कर पानी की आपूर्ति की जा रही है।

दो नगर परिषदों में 3 दिन के अंतराल पर सप्लाई : सबसे भीषण जल संकट छिंदवाड़ा के न्यूटन चिखली और डोंगर परासिया में है, वहां तीन दिन के अंतराल पर जलापूर्ति की जा रही है। इसके चलते लोग जमकर परेशान हैं और इलाके में निर्माण कार्य भी ठप हैं।

छिंदवाड़ा जिले के ही चांद, हर्रई एवं बिछुआ, सीहोर जिले के जावर, रायसेन जिले के मंडीदीप, गुना जिले के कुंभराज, बैतूल जिले के आमला और सागर जिले के शाहपुर में दो दिनों के अंतराल पर पानी दिया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार गर्मी का यह दौर आगामी एक माह तक जारी रहने की संभावना है, ऐसे में अन्य नगरीय इलाकों में भी नियमित वाटर सप्लाई प्रभावित हो सकती है।

प्रदेश के नगरीय निकायों में जलापूर्ति का लेखा-जोखा

संभाग	निकाय	डेली	1दिन	2दिन	3दिन
जबलपुर	56	46	5	3	2
भोपाल	43	24	17	2	0
इंदौर	55	13	42	0	0
नर्मदापुरम	21	14	6	1	0
सागर	58	28	29	1	0
रीवा	32	32	0	0	0
शहडोल	22	20	2	0	0
ग्वालियर-चंबल	59	40	18	1	0
उज्जैन	67	24	43	0	0
कुल	413	241	162	8	2

(जानकारी स्त्रोत - नगरीय प्रशासन विभाग)

इंदौर-उज्जैन में हालात गंभीर, रीवा में संकट नहीं

प्रदेश के संभागों के नजरिए से देखा जाए तो सबसे अधिक जल संकट की स्थिति इंदौर और उज्जैन संभाग में बनी हुई है। इंदौर डिविजन के 55 नगरीय निकायों में से केवल 13 ही ऐसे हैं जहाँ फिलहाल रोज पानी की सप्लाई हो पा रही है और शेष 42 निकायों में एक दिन छोड़कर पानी दिया जा रहा है। इसी तरह उज्जैन में 67 में से केवल 24 निकायों में ही रोजाना जलापूर्ति हो रही है, शेष 43 निकायों में अब एक दिन छोड़कर पानी दिया जा रहा है। भोपाल के भी हालात बेहतर नहीं कहे जा सकते, यहाँ के 43 में से केवल 24 नगरों में ही रोजाना वाटर सप्लाई हो रही है, जबकि 17 में एक दिन के अंतराल और 2 निकायों में तो दो दिन के अंतराल के बाद जलापूर्ति की जा रही है। रीवा संभाग फिलहाल जल संकट के नजरिए से बचा हुआ है क्योंकि यहाँ सभी 32 नगरीय निकायों में रोज पानी दिया जा रहा है।

बांधों में पिछले साल से अधिक पानी लेकिन सप्लाई की व्यवस्था नहीं: कई नगर जहां पानी की कमी से जूझ रहे हैं, वहीं जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल लबालब हुई बारिश से अधिकांश बांधों और बड़े जलाशयों में इतना पानी है कि प्रदेश के सभी नगरों में जुलाई माह तक पर्याप्त जलापूर्ति की जा सके। प्रदेश के 56 में से 32 बांधों में पिछले साल से अधिक पानी जमा है, लेकिन राज्य के अधिकांश नगरीय इलाकों में अब भी पानी की सप्लाई स्थानीय नदियों या तालाबों के साथ ही ग्राउंड वाटर से ही की जाती है। इन छोटे शहरों और कस्बों के लिए बड़े बांधों या नदियों से वाटर सप्लाई के लिए प्लान बनाने की योजना अभी तक परवान नहीं चढ़ सकी है।

सिंगरौली बैंक डकैती: बिहार ओडिशा से पांच गिरफ्तार

सिम उपलब्ध कराकर भागने में की थी मदद

जागरण, सिंगरौली। प्रदेश के सिंगरौली में बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हुई करोड़ों की डकैती के मामले में सिंगरौली पुलिस ने बिहार एसटीएफ और पटना पुलिस के साथ मिलकर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों को बिहार और ओडिशा से दबोचा। इसके बाद पुलिस इन्हें बुधवार को सिंगरौली लेकर पहुंची। पकड़े गए आरोपियों में प्रभाकर कुमार, हरभजन और रविनंदन कुमार चंदन शामिल हैं, जबकि दो अन्य के नाम अभी उजागर नहीं किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, ये पांचों आरोपी 17 अप्रैल को बैढ़न स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हुई 15 करोड़ के जेवरात और 20 लाख रुपए नकद की लूट के मुख्य आरोपी हैं।

पुलिस जांच में पता चला है कि इन मास्टरमाइंड ने ही डकैती की पूरी योजना बनाई थी। इन्होंने बैंक में घुसने वाले बदमाशों को फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराए और वारदात को अंजाम देने के बाद उन्हें सुरक्षित भागने और छिपने में मदद की। हालांकि, ये खुद बैंक के भीतर नहीं गए थे, लेकिन पूरी वारदात का संचालन इन्हीं के इशारे पर हुआ।

एसपी के चेंबर के सामने जमीन पर बैठ गए पूर्व गृहमंत्री कोठारी

मित्र के मामले में सुनवाई नहीं होने से खफा

जागरण, रतलाम। प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता हिम्मत कोठारी बुधवार दोपहर एसपी ऑफिस में एसपी के चेंबर के बाहर जमीन पर बैठ गए। पूर्व मंत्री ने आम जनों के साथ जनप्रतिनिधियों की सुनवाई नहीं होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर सुनवाई नहीं होती है तो पार्टी से अनुमति लेकर आमरण अनशन पर बैठूंगा। पार्टी तक छोड़ दूंगा। कोठारी ने बचपन के साथी और मीसाबंदी बसंत पुरोहित की जमीन पर कुछ लोगों द्वारा कब्जा करने की शिकायत की थी। थाने पर सुनवाई नहीं होने पर एसपी अमित कुमार से भी कुछ दिन पूर्व मिलकर उन्होंने शिकायत की थी। लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद कोठारी एसपी ऑफिस पहुंचे और एसपी के चेंबर के बाहर नीचे बैठ गए। एसपी अमित कुमार तुरंत अपने चैंबर से निकले और उनसे बात कर उन्हें अंदर चलने की कहा। फिर डीडी नगर थाना प्रभारी को बुलाकर निर्देश भी दिये।

सीए के घर से 10 लाख रुपए का सोना चोरी

जागरण, सतना। जिले के कोलगवां थाना क्षेत्र स्थित भरहुत नगर में मंगलवार-बुधवार देर रात एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) पंकज डागा के घर से चोर करीब 10 लाख के सोने के जेवर और 25 हजार रुपए नकद ले उड़े। वारदात के बाद पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। डागा का परिवार मायके गया था। घर में वह अपनी वृद्ध मां के साथ अकेले थे। रात को मां की तबीयत खराब होने के कारण वह उनके कमरे में ही सो गए। बुधवार सुबह करीब 9 बजे जब वह अपने कमरे में पहुंचे, तो अलमारी का लॉकर टूटा मिला। कमरे का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी में रखे सोने के जेवर व नकदी गायब थे। बताया जा रहा है कि चोर देर घर के सामने की बाउंड्री फांदकर अंदर दाखिल हुए। इसके बाद उन्होंने घर के पीछे लगी खिड़की की जाली तोड़कर कमरे में प्रवेश किया। चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश फरार हो गए। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर 6 संदिग्ध बदमाश नजर आए हैं। फुटेज में सभी आरोपी देर रात घर में घुसते दिखाई दे रहे हैं। बदमाशों ने वारदात को अंजाम देने से पहले घर की रेकी की थी और परिवार के बाहर होने की जानकारी होने पर ही इस घटना को अंजाम दिया। कोलगवां थाना प्रभारी सुदीप सोनी और एफएसएल की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

कार ने तीन जैन साध्वियों को कुचला, दो की मौत, रीवा में हादसे के बाद 270 किमी. भागा आरोपी, बरगी में पकड़ाया

जागरण, रीवा। रीवा में बुधवार को एक कार सवार ने तीन जैन साध्वियों को कुचल दिया। दो जैन साध्वियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा कलेक्ट्रेट के सामने हुआ। यहां तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे पैदल जा रही महिला साध्वियों को टक्कर मार दी। हादसे में श्रुतिमति माता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर साध्वी उपसमिति ने संजय गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। तीसरी साध्वी आरिका माता की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद फरार हुए कार चालक को पुलिस ने जबलपुर के बहोरीपार टोल नाके से गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी घटना के बाद करीब 270 किलोमीटर तक भागता रहा। बरगी पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा और रीवा पुलिस को सूचना दी।

पैदल जा रही थीं साध्वियां, समाज में आक्रोश: तीनों जैन साध्वियां सड़क किनारे पैदल जा रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के बाद जैन समाज में शोक और गुस्से का माहौल है। बड़ी संख्या में समाज के लोग अस्पताल और जैन धर्मशाला पहुंचे। दोनों साध्वियों के शव अंतिम दर्शन के लिए रखे गए, जिसके बाद अंतिम संस्कार के लिए रवाना किया।

बदलाव

अरब सागर के असर से कमजोर पड़ सकता है मानसून

इस बार द. भारत में कम हो सकती है बारिश अगले हफ्ते से 10 राज्यों में चलेंगीं गर्म हवाएं

नई दिल्ली, जेएनएन। देश की राजधानी और अन्य राज्यों में मौसम ने असर दिखा दिया है इस बार गर्मी अपने पीक पर, मौसम एजेंसी स्काईमेट ने अरब सागर के ऊपर नया सिस्टम बनने की जानकारी दी, जो मानसूनी हवाओं को कमजोर कर सकता है। इससे केरल समेत दक्षिण भारत में बारिश कम होने की आशंका है। देश के कई राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात समेत देश के 10 राज्यों में अगले हफ्ते तक सूखी-गर्म हवाएं चलेंगी। एजेंसी के अनुसार इन राज्यों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा हो सकता है।

राजधानी सहित देश के कई बड़े राज्यों में हीटवेव: मंगलवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब और महाराष्ट्र के लगभग 22 शहरों में तामपान 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। उत्तर प्रदेश के 22 जिलों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से उपर दर्ज किया गया। प्रदेश के बांदा में 48.2 डिग्री सेल्सियस के साथ लगातार तीसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा। यहां बीते दो दिन भी तापमान 46 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा, बांदा में 15 मई 2022 को तापमान 49 डिग्री सेल्सियस का रिकॉर्ड बना। दिल्ली में चौथा हीटवेव डे- दिल्ली में मंगलवार को इस साल का चौथा हीटवेव डे दर्ज किया गया। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि रिज इलाका 46.5 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रहा। पंजाब-हरियाणा में रिकॉर्ड गर्मी- पंजाब के फरीदकोट में तापमान 47.3 डिग्री सेल्सियस पहुंचा। हरियाणा के रोहतक में 46.9 डिग्री सेल्सियस और नारनौल में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। चंडीगढ़ में भी पारा 43.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से लगभग 4 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

सामान्य से अधिक गर्मी का सामना

वास्तविक तापमान की तुलना में फील टेंपरेचर लगातार ज्यादा दर्ज किया जा रहा है। कई शहरों में दोनों के बीच औसतन 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक का अंतर देखा गया है, जिससे लोगों को सामान्य से अधिक गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। तेजी से बढ़ता शहरीकरण इसकी बड़ी वजह बन रहा है। कांक्रीट इमारतें, सड़कों का विस्तार, हरित क्षेत्र में कमी और वाहनों की बढ़ती संख्या शहरों में हीट आइलैंड इफेक्ट को बढ़ा रही है। दिन के साथ-साथ रात में भी तापमान तेजी से नीचे नहीं आ रहा। हवा में नमी और गर्म सतहों के कारण फील टेंपरेचर वास्तविक तापमान से ज्यादा महसूस हो रहा है, जिससे उमस और गर्म हवाओं का असर अधिक झेलना पड़ रहा है।

सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस अधिक

वास्तविक तापमान और फील टेंपरेचर में हर शहर में औसत 2 डिग्री सेल्सियस से 4 डिग्री सेल्सियस तक का अंतर देखा गया। लोगों को ज्यादा गर्मी महसूस हो रही है। इसका सबसे बढ़ा कारण तेजी से होता शहरीकरण है। इससे तापमान में उछाल आ रहा है। फील फैक्टर तेजी से बताया जा रहा है।

एनएच में ओवरब्रिज गिरने से होने वाली परेशानी का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

पीडब्ल्यूडी के सचिव व डीआरएम सहित एनएचएआई को नोटिस

जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर नेशनल हाईवे-45 में ओवरब्रिज गिरने के बाद शहपुरा की संकरी गलियों से मार्ग को डायवर्ट से हाने वाली परेशानी को उठाया गया है। जस्टिस डीडी बंसल एवं जस्टिस बीपी शर्मा की युगलपीठ ने लोक निर्माण विभाग के सचिव, डीआरएम जबलपुर, एनएचएआई के रीजनल ऑफीसर, कलेक्टर जबलपुर, एमपीआरडीसी व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह मामला शहपुरा निवासी राजेश सिंह राजपूत की ओर से दायर किया गया है। जिनकी ओर से अधिवक्ता आदित्य सिंह राजपूत ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि शहपुरा कस्बे के निवासियों और राष्ट्रीय राजमार्ग-45 (जबलपुर-भोपाल खंड) के हजारों दैनिक उपयोगकर्ता हर दिन कठिनाई झेल रहे हैं। शहपुरा के पास वर्ष 2023 में निर्मित रेलवे ओवरब्रिज के ढह जाने के कारण ऐसा हुआ है। उक्त ओवरब्रिज अगस्त सितंबर 2025 में आंशिक रूप से ढह गया था और 23 फरवरी 2026 को पूरी तरह से गिर गया। अधिकारियों ने भारी फोरलेन राजमार्ग यातायात को शहपुरा कस्बे की संकरी, जर्जर आंतरिक सड़कों से होकर कृषि मंडी से मोड़ दिया है।

SHA-SHIB COLLEGE SCIENCE & MANAGEMENT
REQUIREMENTS (Affiliated to Barkatullah University & Recognized By AICTE, NCTE & Govt. of MP)
In Continuation of the previous advertisement dated 08.02.2025 applications are invited under college code college code 28 for the post of
Professor-1 & Asst. Professor-1 for UG/PG Courses in Botnay, Biotechnology, Zoology, Physics, Chemistry, Sociology, English.
Qualification, Experience and Salary as per UGC & Barkatullah University Norms.
Those who have applied earlier need not apply again.
Send your resume at
shashib.scsm@gmail.com within 7 days of advertisement.
Add.: Parvalia Sadak, NH-12, Jaipur Road, Bhopal. Mob.: 8871582443, 8871910018

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।